



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 10, 1976 (चैत्र 21, 1898)

No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 10, 1976 (CHAITRA 21, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 मार्च 1976

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा०-II :—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतदारा संघ लोक सेवा आयोग के कें० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी मेड के स्थायी अधिकारी श्री एम० एस० छाबड़ा को 1 मार्च, 1976 से 3 महीने की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहसु हों, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ विशेषक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाबड़ा कनिष्ठ विशेषक के संवर्ग वाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर चलते रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं० एफ० 10 (24)-ई० III/60 दिनांक 4 मई, 1961 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

प्र० ना० मुख्यी

अपर सचिव,

कृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 मार्च 1976

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1 मार्च, 1976 के पूर्वान्तर से अनुभाग

—631/76

(2063)

अधिकारी (विशेष) के संवर्ग वाह्य पद से अनुभाग अधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तन होने के परिणामस्वरूप निम्नलिखित अधिकारियों ने दिनांक 1 मार्च, 1976 (अपराह्न) से संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा, संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाला :—

- श्री बी० एस० कपूर,
- श्री बी० एन० अरोड़ा
- श्री के० एल० कटियाल

प्रा० ना० मुख्यी,  
अधिकारी  
(प्रशासन प्रभारी),  
संघ लोक सेवा आयोग

#### मंत्रिमंडल सचिवालय

प्रवर्तन निदेशालय

कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

सं० ए०-II/40/75—श्री पी० बी० रणदिवे, बम्बई सीमा-शुल्क गृह के स्थानापन्न मूल्य निरूपक को प्रवर्तन निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के रूप में

दिनांक 12 दिसम्बर, 1975 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० ई०-३ (6)/७३—श्री बी० के० राव, प्रवर्तन अधिकारी को, जो कि प्रवर्तन निदेशालय के कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर हैं, इस निदेशालय के कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 10 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 मार्च 1976

सं० ए०-II/७/७६—श्री कृष्ण बलदेव को प्रवर्तन निदेशालय के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 28 फरवरी, 1976 से अगले आदेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन,  
निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० ए०-II/३४/७५—श्री ई० एस० मुकन्दन, निरीक्षक, आयकर, मद्रास को प्रवर्तन निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 27 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ए-II/३६/७५—श्री बी० एस० कानन, निवारक, अधिकारी, सीमा-शुल्क गृह, मद्रास को प्रवर्तन निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 6 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

सं० ए०-II/३९/७५—श्री पी० वंशुगम निवारक, अधिकारी ग्रेड-1, (साधारण ग्रेड) को प्रवर्तन निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 6 दिसम्बर, 1975 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 फरवरी, 1976

सं० ए०-II/६/७६—श्री एच० सी० अनन्तरमिया, निरीक्षक, आयकर, बंगलौर को प्रवर्तन निदेशालय के गोवा उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 11 फरवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नृपेन भक्ति,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1976

सं० आई० 6/65-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, प्रपने प्रसाद से भान्ध प्रदेश पुलिस विभाग से प्रतिनियुक्त श्री आई० बी०

रत्ना राव, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिनांक 27 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1976

सं० ए०-२००१४/५७/७६-प्रशा०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, राजस्थान राज्य पुलिस के अधिकारी श्री सुन्दर लाल को दिनांक 25 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, जयपुर शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस-निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०),  
क्षेत्र पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० श्रो० २-५६/६९-स्थापना—१०३ दिन के सेवा निवृत्ति अवकाश 2 फरवरी, 1976 से 14 मई, 1976 की समाप्ति पर श्री पी० न० पानिकर, कमान्डेन्ट ग्रुप सेंटर, सी० आर० पी० एफ०, विवेन्द्रम को 14 मई, 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त माना जायेगा।

दिनांक 19 मार्च 1976

सं० श्रो० II-७०९/६९-स्थापना--- डॉक्टर बी० पी० बैनर्जी ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) नई देहली में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 28 फरवरी, 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के जी० जी० श्रो० ग्रेड-I के पद का कार्य भार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक,  
(प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 फरवरी 1976

सं० ई० ३८०१३(१)/४/७५-प्रशा०-१—कलकत्ता से स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० पी० सिंह, आई० पी० एस० (बिहार-1956) ने दिनांक 28 जनवरी, 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा बल, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के उप-महानिरीक्षक पद का कार्यभार संभाल लिया।

ली० सि० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

## श्रम मंत्रालय

## श्रम अध्यक्ष

शिमला-171004, दिनांक 10 अप्रैल 1976

नं० 23/3/76-सी० पी० आई०-फरवरी, 1976 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचनांक (आधार 1960-100) जनवरी, 1976 के स्तर से आठ अंक घट कर 290 (दो सौ नब्बे) रहा। फरवरी, 1976 माह का सूचनांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 352 (तीन सौ बावन) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज  
संयुक्त निदेशक

## विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० ई-II(7) — इस विभाग की अधिसूचना सं० ई-II(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में

श्रेणी 2 के अधीन-नाईट्रोट मिक्सचर

(i) "मनोएक्स" की प्रविष्टि में संख्या "1976" के स्थान पर संख्या "1977" प्रतिस्थापित की जाएगी।  
(ii) "पलमरेक्स" की प्रविष्टि में संख्या "1976" के स्थान पर संख्या "1977" प्रतिस्थापित की जाएगी।

श्रेणी 6 के अन्तर्गत—प्रभाग 2 के अन्तर्गत

(i) प्रविष्टि "नेवेल प्रोड चार्जेस" के पूर्व में "मस्टी प्युज ईंगनाइटरस उत्पादन और निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1977 तक" को जोड़ दिया जाये।

सं० ई-II(7) — इस विभाग की अधिसूचना सं० ई-II(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये:

वर्ग 3 के अन्तर्गत—प्रभाग 1 के अन्तर्गत

(i) प्रविष्टि "सलिजेक्स" के बाद में "सलिप्रूफ उत्पादन, परीक्षा और निर्धारित क्षेत्र पर छिचार हेतु 31 मार्च, 1977 तक" को जोड़ दिया जाये।

इंगुच्छ नरसिंह मूर्ति,  
मूल्य विस्फोटक नियन्त्रक

## पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० प्र० 1/1(61) — स्थायी उप महानिदेशक और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन अपर महानिदेशक श्री पी० नाथ दिनांक 30 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 1 मार्च 1976

सं० प्र० 1/17(1047) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में गोदी निरीक्षक श्री जी० रामामूर्ति को दिनांक 2 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय

कलकत्ता में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री रामामूर्ति की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त पूर्णतः स्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

के० एल० कोहली  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(1000) — राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (मुकदमा) श्री ए० सी० सी० उभी का विधि न्याय तथा कम्पनी कार्य (कम्पनी कार्य विभाग) के अधीन उच्च न्यायालय कलकत्ता के सरकारी परिसमापक के कार्यालय में सरकारी उप परिसमापक के पद पर नयी नियुक्ति होने पर 18 फरवरी, 1976 के अपराह्न से त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 26 के अधीन श्री उभी के उप निदेशक (मुकदमा) पद से स्थापन देने से उनकी पूर्व सेवाएं अमान्य नहीं होंगी क्योंकि उन्होंने सरकार के अधीन दूसरी सेवा उपयुक्त आकार से प्राप्त करके त्यागपत्र दिया है।

दिनांक 5 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(1041) — राष्ट्रपति, इंजीनियरी सेवा परीक्षा 1974 के परिणाम के आधार पर नामित श्री अनिल कुमार महेश्वरी को दिनांक 11 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से भारतीय पूर्ति सेवा (श्रेणी-1) के ग्रेड-III में परिवर्तीकारी नियुक्त करते हैं।

श्री महेश्वरी ने दिनांक 11 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (प्रशिक्षण आरक्षी) का पदभार सम्भाल लिया।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

सं० प्र०-6/247 (314) 61 — पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन जमशेदपुर निरीक्षण मंडल में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म) श्री पी० सी० गुहा राय दिनांक 31-1-1976 (अपराह्न) से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 8 मार्च 1976

सं० ए०-17011/95/76-प्र० 6 — श्री जे० एस० मोहाना ने भंडार परीक्षक (वस्त्र) के पद पर पदावनति होने पर दिनांक 16-2-76 के पूर्वाह्न से उसरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का पदभार छोड़ दिया।

सूर्य प्रकाश  
उप-निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1976

सं० ए० 17011/91/75-प्र०-6—भंडार परिषक (वस्त्र) के पद पर अवैतनिक होने पर श्रीं प्रो० पी० मल्होता ने दिनांक 1-6-2-7-6 के पूर्वाह्न से उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के अधीन उप निवेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का पदभार छोड़ दिया।

सर्व प्रकाश  
उप-निवेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 1 मार्च 1976

सं० 2222 (टी० एम० बी०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्रीं टी० मनोहर बाबू को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 3 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (आर० के० एस०)/19ए—श्री रमेश कुमार सिंहाई को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० मासिक के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 5 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (एस० ए०)/19ए—श्री एस० अनन्तरमन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 8 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 2 मार्च 1976

सं० 2586(ए० के० के०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भण्डार अधिकारी श्री० ए० के० कुण्डू सरकारी सेवा से वार्षिक निवैतन पर 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से निवृत हो गये।

दिनांक 10 मार्च 1976

सं० 2339 (आर० के० एम०)/19बी—श्री आर० के० माधुर, एम० एस० सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभोतिकीविद् के रूप में 650 रु० मासिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 23 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० धरद्वज  
महा निवेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 मार्च 1976

सं० ए०/19011(99)/75-सि० ए०—राष्ट्रपति श्रीं श्री० शी० खेर को 23 फरवरी, 1976 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो गे स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19011(181)/75-सि० ए०—राष्ट्रपति, श्री आर० एस० लिहापांडे को 13 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० के० राष्ट्रवाचारी  
प्ररिष्ठ प्रशासन अधिकारी,  
कृते नियतक

आकाशवाणी महानिवेशलय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1976

सं० 6(88)/63-एस० एक—श्री ए० सी० मजूमदार, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक आकाशवाणी, रिलचर का आकाशवाणी के दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता पर प्रसारण निष्पादक के प्रयोजनित पद पर परावर्तन होने के परिणामस्वरूप उन्होंने 30 जून 1975 के अपराह्न में घपने पद का कार्यभार छोड़ा।

आर० देवासर  
प्रशासन उपनिवेशक  
कृते महानिवेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400026, दिनांक 11 मार्च 1976

सं० 5(16) 70-सिब्बन्दी-I फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री डी० आर० हलदणकर, स्थानापन्न सहायक समाचार चित्र अधिकारी, नई दिल्ली को श्री बी० पी० परमार, केमरामैन के बम्बई बदली होने के कारण उसी दफ्तर में दिनांक 15-1-1976 से केमरामैन के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

फिल्म समारोह निवेशलय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 मार्च 1976

सार्वजनिक सूचना

राष्ट्रीय फिल्म समारोह

सं० एफ० 1/69/75 एफ० डी०-1—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के फिल्म समारोह निवेशलय के संकल्प संख्या 1/69/75-एफ० एफ० डी०-1, तारीख 15 मार्च, 1976 में अधिसूचित फिल्मों के लिए राष्ट्रीय फिल्म

समारोह नियमावली के अनुसार, फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार्य प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती हैं। प्रविष्टियां 1975 के कैलेंडर वर्ष में सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित की गई निम्नलिखित श्रेणियों की भारतीय फिल्मों के संबंध में ही भेजी जा सकती हैं:—

(1) कथा-चित्र

- (क) वर्ष की सर्वोत्तम कथा चित्र
- (ख) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथा चित्र।

(2) बाल फिल्म

वर्ष की सर्वोत्तम बाल फिल्म

(3) लघु चित्र

- (क) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (डाकुमेट्री)।
- (ख) सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म।
- (ग) सर्वोत्तम सामाजिक फिल्म (जो समकालीन सामाजिक समस्याओं का चित्रण तथा उनका निष्पक्ष विश्लेषण करती हो)।
- (घ) सर्वोत्तम व्यवसाय। प्रेरक फिल्म (विज्ञापन)।
- (ङ) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अव्यावसायिक)
- (च) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म
- (छ) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म

2. उपरि उल्लिखित फीचर फिल्मों तथा अन्य श्रेणियों की फिल्मों के बारे में प्रविष्टियां निमती (निमतीओं) या उस (उन) द्वारा विधिवत् अधिकृत किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा 15 अप्रैल, 1976 तक भेजी जा सकती हैं। प्रविष्टियां उपरि निषिष्ट नियमावली से संलग्न परिशिष्ट में दिए गए फार्म में, दो प्रतियों में, भेजनी चाहिए। 35 मि० मी० में 1000 मीटर और 16 मि० मी० में 400 मीटर से अधिक लम्बी फीचर फिल्मों और छोटी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि फार्म के साथ 100 रुपए की और इससे कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि फार्म के साथ 50 रुपए की द्वेजरी रसीद भी भेजनी चाहिए। उक्त राशि केन्द्रीय सरकार के खाते में मुख्य शीर्ष 085 सूचना और पब्लिशिटी-रिशीट्श फरोम फिल्मस के अन्तर्गत जमा करवानी चाहिए।

3. विभिन्न श्रेणियों की फिल्मों के बारे में प्रविष्टियां निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, विज्ञान भवन एनेक्स, नई दिल्ली के पास अधिक संघिक 30 अप्रैल तक पहुंच जाना चाहिए। प्रिन्टें फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा बताए गए स्थानों पर भेजनी होंगी।

4. सभी प्रविष्टियों के साथ प्रवेशक को अपने खर्च पर कलाकारों की सूची सहित फिल्म की प्रिन्ट के अतिरिक्त डिक्ट की 5 प्रतियों सहित फिल्म की भाषा में उसके कथासार 50 प्रतियां, जिनके साथ उनके अंग्रेजी या हिन्दी अनुवाद की 5 प्रतियां भी होंगी, तथा फिल्म की भाषा में गीतों, यदि हों, की 30 प्रतियां जिनके साथ उनके अंग्रेजी या हिन्दी में अनुवाद की 30 प्रतियां भी होंगी, तथा

6 फोटो और फिल्म से संबंधित प्रचार सामग्री भी भेजनी होंगी। फिल्म के प्रिन्ट निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, विज्ञान भवन एनेक्स, नई दिल्ली के पास अधिक संघिक 30 अप्रैल तक पहुंच जाना चाहिए।

5. राष्ट्रीय फिल्म समारोह नियमावली तथा प्रविष्टि कार्मी की प्रतियां निम्नलिखित से प्राप्त की जा सकती हैं:—

- (1) फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, विज्ञान भवन एनेक्स, नई दिल्ली।
- (2) प्रावेशिक अधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, 91-बालकेश्वर रोड, बम्बई-6।
- (3) प्रावेशिक अधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, 35, हैंडिस रोड, नुगम, बम्बई, मद्रास-6।
- (4) प्रावेशिक अधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, 8, एस्कलेमेंड ईस्ट, थर्ड प्लॉर, कलकत्ता-1।

6. पुरस्कार्य प्रविष्टि के लिए बाल फिल्म की अधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 3,400 मीटर या 16 मि० मी० में 1,360 मीटर होगी। सूचना फिल्म (डाकुमेट्री) को छोड़ कर, लघु चित्र की विभिन्न श्रेणियों के अन्तर्गत प्रविष्ट होने वाली फिल्म की अधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 1000 मीटर या 16 मि० मी० में 400 मीटर होगी। बाल फिल्म के रूप में प्रविष्ट फिल्म फीचर फिल्म के रूप में और फीचर फिल्म के रूप में प्रविष्ट फिल्म बाल फिल्म के रूप में प्रविष्ट नहीं हो सकेगी।

आनन्द कुमार वर्मा  
निदेशक  
फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1976

संकल्प

सं० 1/69/75-एफ० एफ० डी०—राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1976 के बारे में निम्नलिखित नियम अधिसूचित किए जाते हैं—

1. इन नियमों को राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1976 के नियम कहा जायेगा।
2. इस समारोह का उद्देश्य फिल्म समारोह तथा तकनीकी दृष्टि से उच्च स्तर की तथा सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना है।
3. इन नियमों के अन्तर्गत पुरस्कारों की निम्नलिखित श्रेणियां होंगी:—

- (1) कथा चित्र
- (क) राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा-चित्र के लिए पुरस्कार

(व) वर्ष के राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा-चित्र के निर्माता को स्वर्ण कमल तथा 40,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल तथा 15,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ख) द्वितीय राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा-चित्र के लिए पुरस्कार निर्माता को रजत कमल और 15,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ग) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथा-चित्र के लिए विशेष पुरस्कार।

निर्माता को रजत कमल और 30,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(घ) प्रभावशाली, पूर्ण मनोरंजन और कलात्मक सौन्दर्य वाले कथा-चित्र के लिए विशेष पुरस्कार।

निर्माता को स्वर्ण कमल, निदेशक को रजत कमल।

(च) प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथा-चित्र के लिए प्रत्येक पुरस्कार प्रादेशिक भाषा अर्थात्:

हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्थानी और भोजपुरी, राजस्थानी तथा मैथिली जैसी बोलियों सहित), मराठी (कोंकणी सहित), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, सिन्धी और अंग्रेजी, —बंगला, असमिया, उड़िया और भणिपुरी

—समिल, तेलुगु, कश्मश्श और मलयालम के सर्वोत्तम कथा-चित्र

के निर्माता को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(छ) निदेशन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार वर्ष के सर्वोत्तम निदेशक को रजत कमल और 20,000 का नकद पुरस्कार।

(ज) चलचित्र की (सादी) में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार। सादी फिल्म के सर्वोत्तम कैमरामैन को रजत कमल और 5,000 का नकद पुरस्कार।

(झ) चलचित्र की (रंगीन) में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार रंगीन फिल्म को सर्वोत्तम कैमरामैन को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ट) वर्ष का सर्वोत्तम अभिनेता पुरस्कार सर्वोत्तम अभिनेता को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ठ) वर्ष की सर्वोत्तम अभिनेत्री पुरस्कार सर्वोत्तम अभिनेत्री को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ड) वर्ष का सर्वोत्तम बाल अभिनेता/अभिनेत्री पुरस्कार सर्वोत्तम बाल अभिनेता अथवा अभिनेत्री जिसकी आयु 16 वर्ष से अधिक न हो, को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(४) वर्ष का सर्वोत्तम पार्श्व-गायक पुरस्कार सर्वोत्तम पार्श्व-गायक को रजत कमल।

(प) वर्ष की सर्वोत्तम पार्श्व-गायिका पुरस्कार सर्वोत्तम पार्श्व-गायिका को रजत कमल।

(फ) वर्ष का सर्वोत्तम संगीत निदेशक पुरस्कार (धून की मौलिकता के लिए पुरस्कार) सर्वोत्तम संगीत निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ब) वर्ष का सर्वोत्तम स्क्रीन प्ले पुरस्कार सर्वोत्तम स्ट्रिप्ट लेखक को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(भ) वर्ष की सर्वोत्तम कहानी पुरस्कार सर्वोत्तम कहानी लेखक को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(म) वर्ष का सर्वोत्तम गीत पुरस्कार राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फिल्मी गीत के लेखक को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(२) बाल फिल्म वर्ष का सर्वोत्तम बाल चित्र पुरस्कार

निर्माता को स्वर्ण कमल और 15,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(३) लघु चित्र

(क) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चित्र)

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ख) सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ग) सर्वोत्तम सामाजिक फिल्म (समकालीन सामाजिक समस्याओं का चित्रण और निष्पक्ष विवेषण वाली फिल्म)

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(घ) सर्वोत्तम व्यवसाय प्रेरक फिल्म (विज्ञापन)

निर्माता और निदेशक को एक-एक रजत कमल।

(ङ) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अव्यावसायिक)

(राष्ट्रीय महस्त जैसे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, सहयोग, बचत, कृषि-कार्य सहित विकास की गतिशीलता आदि के विषय पर सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म के लिए)

निर्माता और निदेशक को एक-एक रजत कमल।

(च) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(छ) सर्वोत्तम कार्टून फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(५) दादा साहेब फालके पुरस्कार

(भास्त्रीय सिनेमा के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए विशेष पुरस्कार) स्वर्ण कमल, 20,000 रु० का नकद पुरस्कार और एक शाल।

स्पष्टीकरण :

यहां पर “निर्माता”, “निदेशक”, “कैमरामैन”, “अभिनेता”, “अभिनेत्री”, “बाल अभिनेता”, “अभिनेत्री”, “पार्श्व गायक”, “संगीत निदेशक”, “स्क्रीन प्ले लेखक”, “स्क्रिप्ट लेखक”, “कहानी लेखक”, तथा “गीत लेखक” शब्दों से अभिप्राय क्रमशः उस “निर्माता”, “निदेशक”, “कैमरामैन”, “अभिनेता” “अभिनेत्री”, “बाल अभिनेता”, “अभिनेत्री”, “पार्श्व गायक”, “संगीत निदेशक”, “स्क्रीन प्ले लेखक”, “स्क्रिप्ट लेखक”, “कहानी लेखक”, और “गीत लेखक” से होगा जिसके नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा विधिवत प्रमाणित प्रतियोगिता में प्रविष्ट फिल्म के शीर्षकों में होगा।

४. (क) जिस श्रेणी की फिल्म की प्रविष्टियां दो से कम प्राप्त होंगी, उस फिल्म के निर्माता या निदेशक को कोई पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।

(ख) सरकार चाहे तो नकद पुरस्कार, राष्ट्रीय बचत पत्र या भारत सरकार द्वारा जारी किए गए इसी प्रकार के किसी अन्य पत्र के रूप में दे सकेगी।

(ग) नियम ३ के अन्तर्गत पुरस्कार जीतने वाली फीचर फिल्म के निर्माता को उसके उप-शीर्षक किसी अन्य भाषा में करवाने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 3,000 रुपए की अतिरिक्त राशि दी जायेगी।

५. केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए पूर्वगामी क्लॅडर वर्ष में प्रमाणित हुई सभी भारतीय फिल्में प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकेंगी। इस बात की घोषणा निर्माता या अन्य विधिवत अधिकृत व्यक्ति संलग्न परिषिष्ट में किए गए फार्म में करेगा।

पुरस्कार के लिए एक फिल्म नियम ३ के अन्तर्गत निर्धिष्ट श्रेणियों अर्थात् सर्वोत्तम कीचर फिल्म, राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फिल्म, सर्वोत्तम सामाजिक फिल्म,

सर्वोत्तम बाल फिल्म, सर्वोत्तम सूचना फिल्म, सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म, सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म, सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म और सर्वोत्तम कार्टून फिल्म में से केवल एक ही श्रेणी में प्रविष्ट हो सकेगी।

६. (क) पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां प्रति वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित तिथि, जो भारत के राजपत्र में अधिसूचित की जायेगी, तक आमंत्रित की जाएंगी।

(ख) प्रत्येक प्रविष्टि इन नियमों के परिणाम में दिए गए फार्म पर भेजी जाएगी और 35 मि० मी० में 1000 मीटर और 16 मि० मी० में 400 मीटर से अधिक सम्बद्ध फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रुपए और उससे कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 50 रुपए की प्रविष्टि फीस भेजनी होगी। यह फीस वापिस नहीं की जाएगी।

(ग) प्रत्येक प्रवेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, विज्ञान भवन एनेक्स, नई दिल्ली-110011 या दूसरे उस प्राधिकारी को जिसे निश्चित किया जाए, निर्मालिति बीजें अपने खर्च पर भेजेगा :—

(१) इस प्रकार के प्राधिकारी द्वारा दिए गए समय और स्थान पर केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा प्रमाणित फिल्म की एक प्रिंट।

(२) फिल्म की भाषा में उसके कथासार की 50 प्रतियां और स्क्रिप्ट की पांच-पांच प्रतियां तथा उनके अंग्रेजी या हिन्दी अनुवाद की 5 प्रतियां, तथा यदि गीत हो तो फिल्म की भाषा में उनकी 30 प्रतियां तथा उनके अंग्रेजी या हिन्दी में भाषानुवाद की 30 प्रतियां, तथा संबंधित प्रचार सामग्री सहित 6 फोटो।

(घ) कोई फिल्म पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट पाने के योग्य है या नहीं और कोई फिल्म फीचर फिल्म, राष्ट्रीय एकता संबंधी फिल्म, बाल फिल्म, सूचना फिल्म, शैक्षणिक फिल्म, प्रयोगात्मक फिल्म या सामाजिक फिल्म, प्रेरक फिल्म, कार्टून फिल्म है या नहीं, इस सम्बन्ध में भारत सरकार का निर्णय अन्तिम होगा।

(ङ) यदि कोई फिल्म किसी ऐसी फिल्म का डब किया हुआ रूप, रिटेक या रूपान्तर है, जो पहले केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित राजकीय/राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता में प्रविष्ट हो

चुका हो, तो वह नियम 3(1) के से (घ), (ब), (भ), 3(2), के अन्तर्गत किसी भी श्रेणी के लिए प्रविष्टि का पात्र नहीं होगी। परन्तु वह निर्देशन, सिनेमा फोटोग्राफी अभिनय, पार्श्व गायन, संगीत निर्देशन तथा गीत में सर्वोत्तमता से संबंधित श्रेणियों के लिए पात्र होगा।

(च) यदि किसी फिल्म के कई भाषाओं में रूपान्तर हों तो पुरस्कार के लिए उस फिल्म का केवल एक ही भाषा का रूपान्तर प्रविष्ट हो सकेगा।

(छ) पुरस्कारार्थ प्रविष्टि के लिए बाल फिल्मों की अधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 3,400 मीटर या 16 मि० मी० में 1,360 मीटर होगी। नियम 3 की (3) श्रेणी के अन्तर्गत प्रविष्ट होने वाली फिल्म की अधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 1000 मीटर या 16 मि० मी० में 400 मीटर होगी। परन्तु यह शर्त सूचना फिल्म (डाकुमेंट्री) पर लागू नहीं होगी।

(ज) प्रविष्टि की अन्तिम तिथि में विशेष मामलों में भारत सरकार की मर्जी पर छूट की जा सकेगी।

(झ) ऐसी कोई भी फिल्म, जो राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए प्रविष्टि नहीं की गई हो, इन पुरस्कारों की पात्र नहीं होगी।

7. फिल्म और प्रचार सामग्री के लाने, ले जाने पर जो खर्च होगा वह सारा प्रवेशक को देना होगा।

8. सभी फिल्मों मालिक की जोखिम पर अंगी जाएंगी और यद्यपि सरकार उन सभी फिल्मों को समुचित संभाल करेगी, फिर भी उनके पास रखते समय किसी फिल्म के गुम हो जाने या खराब हो जाने की जिम्मेदारी सरकार पर नहीं होगी।

9. पुरस्कारों का निर्णय सरकार द्वारा नियुक्त फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी और लघु फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी की सिफारिशों पर किया जायेगा। ये ज्यूरियां सरकार को अपनी सिफारिशों देंगी।

10. फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी का गठन निम्नलिखित ढंग से होगा:—

(क) सरकार द्वारा नामजद एक अध्यक्ष, और (ख) कलाओं, मानव प्रकृतियों तथा फिल्म क्षेत्र में ख्याति प्राप्त तथा प्रस्तुतिकरण, निर्देशन तथा तकनीकी मूल्यों सहित फिल्मों की विषय सम्बन्धी तथा कलात्मक योग्यता को जांचने की योग्यता रखने वाले सरकार द्वारा नामजद अधिक से अधिक 24 व्यक्ति।

11. अध्यक्ष प्रत्येक भाषा की फिल्मों की जांच करने के लिए फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी के सदस्यों में से अधिक से अधिक तीन व्यक्तियों का एक पैनल गठित करेगा। यदि किसी विशिष्ट भाषा में प्रविष्टियों की संख्या तीन से कम होगी तो उस भाषा के लिए कोई अलग पैनल गठित नहीं किया जाएगा। उस दशा में, फिल्म (फिल्मों) संबंधित प्रदेश की उस भाषा से मिलती जलती दूसरी भाषा के बांग में रखी जाएगी।

12. प्रत्येक पैनल उपरि निर्दिष्ट फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी को बिना श्रेष्ठता क्रम वा उल्लेख किए पुरस्कारों के लिए उपयुक्त समझे जाने वाली अधिक से अधिक 3 फीचर फिल्मों की सिफारिश करेगा। तथापि, यदि पैनल की राय में कोई विशिष्ट फिल्म उसके द्वारा जांची गई अन्य फिल्मों से नियम 3.1 (छ) से (म) तक के अन्तर्गत व्यक्तिगत सफलताओं के लिए नियत पुरस्कारों के लिए श्रेष्ठता रखती है, तो उस अवस्था में फिल्म के शीर्षक के साथ विशिष्ट श्रेणी भी निर्दिष्ट करनी होगी।

13. नियम 3(2) के अन्तर्गत बाल फिल्मों के लिए प्रविष्टि फिल्मों की जांच के लिए अध्यक्ष द्वारा उपरि उल्लिखित फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी के सदस्यों में से अधिक से अधिक 5 सदस्यों का एक विशेष पैनल गठित किया जायेगा जो उक्त राष्ट्रीय ज्यूरी को बिना श्रेष्ठता क्रम का उल्लेख किए अधिक से अधिक तीन फिल्मों की सिफारिश करेगा।

14. तत्पश्चात् फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी विभिन्न भाषाओं पैनलों और बाल फिल्मों संबंधी पैनल द्वारा सिफारिश की गई सभी फिल्मों को देखेंगी और नियम 3.1 के अन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए फिल्मों की सिफारिश करेंगी।

15. छोटी फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी:—

छोटी फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी, जिसमें अध्यक्ष सहित 5 सदस्य होंगे, सरकार द्वारा गठित की जायेगी जो सूचना फिल्मों (डाकुमेन्ट्री), सैक्षणिक फिल्मों, सामाजिक फिल्मों, प्रेरक फिल्मों (व्यावसायिक और अव्यावसायिक), प्रयोगात्मक और कार्टून फिल्मों की श्रेणियों के अन्तर्गत प्रविष्टियों की जांच करेंगी। ज्यूरी सरकार को अपनी सिफारिश सीधी करेंगी।

16. नियम 10 और 15 के बावजूद सरकार दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों में से किसी में भी इतने अतिरिक्त सदस्यों को नामजद कर सकेंगी, जितने यह सुनिश्चित करने के लिए शावशक समझे जाएं कि जिन जिन भाषाओं की फिल्मों की जांच होनी है, उन प्रत्येक भाषा के जानने वाले या विशिष्ट ज्ञान रखने वाले सदस्यों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो। किन्तु ऐसे सदस्यों की संख्या पांच से अधिक नहीं होगी।

17. दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियां फिल्मों की जांच करने के लिए अपनी अपनी कार्यविधि स्वयं निश्चित करेंगी।

18. दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों का कोरम नामजद सदस्यों या उपस्थित और बोट देने वाले सदस्यों की संख्या के आधे से कम नहीं होगा।

19. दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों के सदस्य नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य यात्रा और दैनिक भत्ते के अलावा, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता से संबंधित बैठकों में उपस्थित होने/फिल्मों के प्रियू के लिए नियत दर से परामर्श फीस पाने के हकदार होंगे।

20. इस नियमावली के नियम 3(4) के अन्तर्गत भारतीय सिनेमा के निमित विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कार का निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जायेगा जो अन्तिम होगा।

21. इन नियमों में निहित कोई बात फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी और छोटी फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी के लिए यह सिफारिश करने में बाधक नहीं होगी कि किसी विशिष्ट भाषा या ध्वनी की फिल्मों में से कोई भी फिल्म या उनके द्वारा परखी गई फीचर फिल्मों का कोई भी स्क्रीन प्लै लेखक, कहानी लेखक, निर्देशक, कैमरा मैन, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता, पाश्व गायक, संगीत निर्देशक और गीत लेखक पुरस्कार के लिए समुचित स्तर का नहीं है।

22. सरकार को यह अधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म के एक प्रिन्ट को जिसे पुरस्कार मिला हो, अपने पास रख सके। उस प्रिन्ट की लागत अर्थात् कच्चे माल की लागत और विधायन प्रमाणों की निर्माण की प्रतिपूर्ति की जायेगी। प्रतिपूर्ति तभी की जायेगी जब प्रिन्ट बिल्कुल नई दी जाएगी।

23. यदि निर्देशन में उल्कृष्टता का पुरस्कार प्राप्त करने वाला व्यक्ति राष्ट्रीय सर्वोत्तम फीचर फिल्म या द्वितीय सर्वोत्तम फीचर फिल्म या राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म और प्रादेशिक पुरस्कार प्राप्त करने वाली फिल्म का भी निर्देशक होगा तो वह केवल एक ही रूप में अधिक नकद राशि वाला पुरस्कार ही प्राप्त करेगा।

24. यदि किसी पुरस्कृत फिल्म का निर्माता और निर्देशक एक ही व्यक्ति हो और वह दोनों रूपों में पुरस्कार का पात्र हो तो उसको पुरस्कार या तो निर्माता के रूप में मिलेगा या निर्देशक के रूप में, दोनों के रूप में नहीं।

25. पुरस्कार के लिए प्रविष्ट फिल्मों के निर्देशक को फिल्म को राष्ट्रीय ज्यूरियों या उनके किसी भी पैनल की सार्वजनिक शो में या ऐसे किसी अन्य विशिष्ट शो में जो सरकार द्वारा आयोजित किया जाए, दिखाने में कोई आपत्ति नहीं होगी। यदि इससे कोई आय होगी तो वह सरकार के राजस्व में जमा करवाई जाएगी।

26. दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों के सदस्य ज्यूरी की बैठकों की कार्रवाई और सिफारिशों को गोपनीय समझेंगे।

27. यदि किसी प्रविष्ट फिल्म के पश्च में किसी भी प्रकार की पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के अयोग्य ठहरा दी जाएगी। यदि दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों का कोई भी सदस्य किसी विशिष्ट फिल्म के लिए पैरवी करता हुआ पाया गया तो वह ज्यूरी की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकेगा।

28. पुरस्कारों और इन नियमों के सही मतलब का जहां तक संबंध है, केन्द्रीय सरकार के निर्णय अन्तिम होंगे और उनके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकेगी।

29. पुरस्कार, प्रतिवर्ष पुरस्कार वितरण समारोह में दिए जाएंगे जिसकी तिथि और जगह सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

30. जो व्यक्ति इन नियमों के अन्तर्गत राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भाग लेगा तो यह समझा जायेगा कि उसने ये नियम मान लिए हैं।

फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के नियमों का परिशिष्ट सेवा में,

निर्देशक,  
फिल्म समारोह निर्देशालय,  
विज्ञान भवन एनेक्स,  
नई दिल्ली।

राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1976 के लिए प्रविष्ट

1. मैं राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1976 के लिए निम्न-लिखित फिल्म प्रविष्ट करना चाहता हूँ :—

(1) फिल्म का नाम :

(2) वर्गीकरण : फीचर/बाल चित्र/डाकुमेन्ट्री/शैक्षणिक/सामाजिक/प्रेरक (विज्ञापन)/प्रेरक (अव्यावसायिक)/प्रयोगात्मक/कार्टून फिल्म

(3) फिल्म की भाषा :

(4) फिल्म की लम्बाई, गेज और समय :

(5) रीलों की संख्या :

(6) सादी/रंगीन :

(7) सेंसर प्रमाण-पत्र में फिल्म का वर्गीकरण “ए” है या “यू” :

(8) निर्माता का नाम और पूरा पता

(यदि टेलीफोन नं. और तार का पता हो तो वह भी देवें) :

(9) निर्देशक का नाम और पूरा पता :

(10) कहानी लेखक का नाम और पूरा पता :

(11) स्क्रीन प्लै लेखक/स्क्रिप्ट लेखक का नाम और पूरा पता:

(12) (क) नायक और नायिका के नाम और पूरे पते :

(ख) यदि 16 वर्ष से कम का कोई बाल अभिनेता हो तो उसका नाम और पूरा पता :

(13) पार्श्व गायक का नाम और पूरा पता :

(क) पार्श्व गायक :

(ख) पार्श्व गायिका :

(14) कैमरामैन का नाम और पूरा पता :

(15) संगीत निर्देशक का नाम और पूरा पता :

(16) गीतकार का नाम तथा पूरा पता :

(17) केन्द्रीय फ़िल्म सेंसर बोर्ड द्वारा जारी किए गए प्रदर्शन-प्रमाण-पत्र की संख्या और तारीख :

(18) रिलीज होने की तारीख :

(19) यदि फ़िल्म किसी दूसरी फ़िल्म का डब किया हुया रूप, रूपान्तर या रिटेक है, तो जिस फ़िल्म का वह डब किया हुया रूप, रूपान्तर या रिटेक है, उसका व्यौरा :

2. मैंने इन पुरस्कारों सम्बन्धी नियमों को पढ़ लिया है और मैं उनके पालन करने के लिए सहमत हूं।

3. मैं घोषणा करता हूं कि मैं यह प्रविष्टि भेजने के लिए फ़िल्म के निर्माता द्वारा विधिवत अधिकृत हूं (यह घोषणा उस हालत में करनी है जब प्रविष्टि भेजने वाला व्यक्ति निर्माता न हो)।

4. मैं प्रमाणित करता हूं कि यह फ़िल्म किसी ऐसी फ़िल्म का डब किया हुआ रूप, रूपान्तर या रिटेक नहीं है जो पहले किसी राजकीय/राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए प्रविष्ट हो चुकी हो, और प्रविष्टि के रूप में जो प्रिट भेजी जा रही है, वह ठीक उसी रूप में है जिसमें वह केन्द्रीय फ़िल्म सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणित की हुई है।

5. मैं यह भी प्रमाणित करता हूं कि उपरोक्त कथन मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सच है।

तारीख :

हस्ताक्षर:

स्थान :

पता

टोटः— जहां भी कोई सूचना देनी है, वह वही होनी चाहिए जो फ़िल्म के नामोलेख में हो। फ़िल्म का नाम और प्रोड्यूसरों, निर्देशकों और तकनीशियनों, शादि के नाम अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में दिए जाने चाहिए।

## प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निर्देश सं० अ०ई०-५/३४४/७५-७६—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है और जिसकी सं० है, जो घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरोजबेन चन्द्रलाल शहा  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स विश्वा नगर का०आ०सी०ली०  
(अन्तरिती)

(4) फ्लैट के मालिकों की सूची : सोसायटी के सदस्य

1. एल० एन० मेहता
2. श्रीमती एल० एन० मेहता
3. नही० एम० करया
4. श्रीमती जे० एम० शहा
5. के० व्ही० खतरी
6. आय० एन० शहा
7. एस० डी० रावल
8. श्रीमती पी० जे० छेड़ा
9. श्री आर० जे० शहा
10. आर० ए० भगत
11. श्रीमती एस० एस० लोया
12. श्री एम० बी० मेहता
13. श्रीमती एस० के० वाशी
14. श्रीमती जैड० एम० कामदार
15. एम० एस० शहा
16. आर० ए० शहा
17. एन० एम० मालानी
18. व्ही० ए० शहा।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का अथवा ग्राउण्ड का उस पर बनी स्टक्चर सहित वह तमाम भाग अथवा खण्ड जो कि घाटकोपर में स्थित एवं अवस्थित है तथा जो कि पेमाइश में 770 वर्ग गज या उसके समकक्ष है अर्थात् 643.8 वर्गमीटर के बराबर है और जो टाउन प्लानिंग स्कीम संख्या III घाटकोपर, जो कि सरकार की अधिसूचना लोकल सैलफ और पब्लिक हैल्थ संब्या टी०पी०बी०-३७५८-एम तारीख 15 सितम्बर, 1958 बम्बई सरकार के गजट में आय०बी०डी०एस० भाग में पेज 2815 पर प्रकाशित है, तारीख 25 सितम्बर, 1958 के

अधीन जिसे 1 अप्रैल, 1959 से शुरू होने की संस्थीकृति थी, उपरोक्त टाउन प्लानिंग स्कीम का अस संख्या 103 के अधीन है और ओरिजीनल प्लॉट संख्या 120 का एक भाग ही है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से आवद्ध है कि उत्तर में अधवा उत्तर की ओर 50 फुट चौड़ी सड़क है, दक्षिण में अधवा दक्षिण की ओर टाउन प्लानिंग स्कीम संख्या III घाट-कोपर की प्लाट संख्या 205 है, पूर्व में अधवा पूर्व की ओर 210 पी० स्कीम संख्या III घाटकोपर का प्लॉट संख्या 206 है और पश्चिम में अधवा पश्चिम की ओर 60 फुट चौड़ी सड़क है।

जे० एम० मेहरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निर्देश सं० आई०-5/349/6/75—अतः मुझे, जे० एम०  
मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13, सर्वे सं० 142, अंश 3 है, जो नाहर ग्राम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रृ॒ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कही नहीं या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एकनाथ रामचन्द्र बोरकर, (2) श्री लक्ष्मीकृत रामचन्द्र बोरकर, (3) श्री माणिक रामचन्द्र बोरकर, (4) श्री चन्द्रशेखर रामचन्द्र बोरकर, (5) सीताबाई प्रभाकर तेंडुलकर (अन्तरक)

2. श्री मंगेश महालक्ष्मी को० आप० हाउ० सो० लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई उपनगर तालुका साउथ सोलसेट जिला के रजि० उपजिला बान्द्रा में ग्राम नाहर, मुलुण्डा (टी० वार्ड), बम्बई में स्थित है एवं अस्थित खाली कृषि योग्य भूमि का या मैदान का वह तमाम भाग अधवा खण्ड जो कि पैमाइश में 541.25 वर्गगज अर्थात् 501.267 वर्गमीटर है तथा जिस पर नाहर की सर्वे सं० 142 पार्ट 3 का प्लाट सं० 13 है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि पूर्व में प्लाट सं० 9 है, पश्चिम में 30 फुट चौड़ी महादेव रोड है, दक्षिण में मजगांव लाक एम्प्लायज को० आप० हाउ० सो० लिमि० की जमीन का प्लाट है और उत्तर में नाहर के सर्वे सं० 142, पार्ट 3 का प्लाट सं० 12 है।

जे० एम० मेहरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई  
बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निर्देश सं० अ०ई०-५/३५५/१२/७५/१२—अतः मुझे, जे०  
एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 46, हि० नं० 39 (पार्ट) है, जो कारोल  
ब्हीलेज में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, १-७-७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लीवेओ स्टीफेन जॉन अन्थोनी परेरा  
(अन्तरक)

2. मैसर्स अनभव बिल्डर्स  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई की म्युनिसिपल कार्पोरेशन की सीमाओं में  
मध्य तथा बम्बई के रजिस्ट्रेशन जिले और रजिस्ट्रेशन उप-  
जिले बान्द्रा में बम्बई उपनगर जिला, बम्बई के तालुका  
कुर्ला के ग्राम किरोल के रेवेन्यू ब्हीलेज किरोल में स्थित और  
अवस्थित है, कुषिभूमि का वह तमाम भाग अथवा खण्ड जो  
कि वैसाहिनी में 1288 वर्गमीटर (1542 वर्गगज) है तथा  
जिसका सर्वेक्षण संख्या 46, हिस्सा संख्या 39 (पार्ट) है।

जे० एम० मेहरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-5, बम्बई

तारीख: 12-3-1976  
मोहर।

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निर्देश सं० अ०ई०-५/३६२/१९/७५-७६—यतः मुझे,  
जै० एम० मेहरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें १८के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-य के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० सर्वे नं० ५२, हिं० नं० ३ है; जो मोहिली  
कुर्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन

१५-७-७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के  
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. (1) श्री धर्मपाल मेहरा (2) श्री वेद प्रकाश मेहरा  
(3) श्री देव प्रकाश मेहरा  
(अन्तरक)

2. मैसर्स सुभाष सिल्क मिल्स प्रा० लिमिटेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पाद्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जिला बम्बई के रजि० उपजिला बांद्रा में कुर्ला के  
ग्राम मोहिली में स्थित एवं अवस्थित भूमि अथवा मैदान को  
वह तमाम भाग अथवा खण्ड जो कि पैमाइश में 18541  
वर्गगज अर्थात् लगभग 15502.13 वर्गमीटर के बराबर  
है जिसका सर्वेक्षण सं० ५२, हिस्सा सं० ३, सर्वेक्षण सं० ६१,  
हिस्सा सं० ३ (पार्ट) और ४(पार्ट) है, सर्वेक्षण सं० १८  
हिस्सा संख्याएं १, २, ३, ४, ५ (पार्ट) और ७ (पार्ट) हैं ।  
जिसका सीटी सर्वेक्षण संख्याएं ६९५, ६९५/जी०, ६६५(पार्ट)  
६८३(पार्ट) ६६२, ६६३ और ६८४ है, तथा  
जिसका सीटी सर्वेक्षण शीट सं० २० और २७, मोहिली ग्राम  
है तथा जिस पर बृहत्तर बम्बई की म्युनिसिपल कार्पोरेशन  
द्वारा टी०पी०/एल०/ओ००/२०३, १९६०-६१ तारीख ३०  
दिसम्बर, १९६० के प्रधीन संस्वीकृत प्राइवेट खाका (लेआउट)  
का प्लाट संख्याएं ४, ५ और ६ है और इस प्रकार से घिरा  
हुआ है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर म्युनिसिपल पाइप  
लाइन है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर अंशतः एक  
नाला है और अंशतः जमीन है जिसका सर्वेक्षण सं० ६१,  
हिस्सा संख्या ५५० है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर नाला है  
और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर अंशतः भूमि है जिसका  
सर्वेक्षण सं० १८, (हिस्सा सं० ७) (पार्ट) और अंशतः भूमि  
है जिसका सर्वेक्षण सं० ६१, हिस्सा सं० ५५ है ।

जै० एम० मेहरा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-५, बम्बई

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निर्देश सं० अ०ई०-५/३६४/२१/७५—यतः मुझे, जे० एम० मेहरा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 27 (पार्ट) और 85 (पार्ट) है, जो तुंगवा विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पश्चीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गांजी देवजी (अन्तरक)

2. मैसर्स विनजय द्रेडस

(अन्तरिती)

3. मैसर्स मिल्लीगन इंजीनियर्स प्रा० लि०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिले में ग्राम परवान, साउथ संलसेट में स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि माप में 4216 वर्गमीटर 3535.50 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है तथा जिसकी सर्वेक्षण संख्या 27 (पार्ट) और 85 (पार्ट) है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर 25 फुट सड़क है और उसके पीछे भूमि है जिसकी सर्वेक्षण संख्या 27 (पार्ट) है और सर्वेक्षण संख्या 85 (पार्ट) है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 44 फुट चौड़ी सड़क है और उसके पीछे सर्वेक्षण संख्या 85 (पार्ट) है।

जे० एम० मेहरा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-5, जालन्धर

तारीख: 12-3-76

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 5 मार्च, 1976

निदेश सं० आई०-5/365/22/75-76—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 96-ही०/नं० अंश सर्वे नं० 96-बी० (अंश) है, जो विकोली में स्थित है (और इससे उपावद्धु अनुचयी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) : अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. प्रताप सिंह शूरजी वल्लभदास (अन्तरक)
2. (1) चन्द्रकांस दावजी शहा (2) वसंत लाल दामजी शहा (3) दिनेशचन्द्र खेतसी (4) रति-लाल वामजी शहा (5) मेष्टबाई वामजी शहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

लाल बहादुर शास्त्री मार्ग (जिसे पहले बम्बई आगरा रोड कहते थे), विक्रोली, बम्बई-83 के हरियाली तालुका कुलीं रिवेन्यू व्हिलेज में जो पहले बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में था तथा तब बहुतर बम्बई में बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में है, भूमि अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि पैमालियां में 6600 वर्गमीटर या उसके बराबर (अर्थात् 5517.60 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष) है उसपर भूमि के संस्थीकृत (सैक्यान) नक्शा (ले आउट) का उपभाजित प्लाट सं० 2 अंकित है तथा जिसका सर्वे सं० 96, हिस्सा नं० 1 (पार्ट) और सर्वे सं० 96-बी० (पार्ट) अंकित है तथा यह भूमि अथवा ग्राउण्ड का हिस्सा अथवा खंड इस प्रकार से घिरा हुआ है कि: पूर्व में अथवा पूर्व की ओर लाल बहादुर शास्त्री मार्ग (जिसे पहले बम्बई आगरा रोड कहते थे) है, पश्चिम में पश्चिम की ओर भूमि है जो कि गोदरेज से संबंधित है तथा जिसपर सर्वे सं० 112 (पार्ट) अंकित है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्लाट सं० 1 है सर्वे सं० 96, हिस्सा नं० 1 (पार्ट) और सर्वे सं० 96-बी० (पार्ट) है, तथा जो पट्टे के आधार पर (लीज़) डायमोड सिलिकेट को दी गई है और उत्तर में अथवा उत्तर की ओर सर्वे सं० 97 (पार्ट) में प्लाट सं० 3 है, जिसका सर्वे सं० 96, हिस्सा नं० 1 (पार्ट) है। जिसका कोई सी०टी० सर्वेक्षण नं नहीं, पहले जो बान्दा रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट में।

जे० एम० मेहरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीखः 5-3-1976  
मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 4 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई०-5/367/24/75-76—अतः मुझे, जै० एम० मेहरा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 231, सी०टी०एस० नं० 5797 है, जो भौजे घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी विसी आय या किसी धन या अय आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, वै, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-16GI/76

1. श्रीमती शांता मेघजी गहा

(अन्तरक)

2. मैसर्स के० के० पटेल एण्ड सन्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर जिले के रजिस्ट्रेशन उपजिले शान्दा में मौजे घाटकोपर कुली तालुका में टाउन प्लार्निंग स्कीम घाटकोपर सं० III (फायनल) और सी०टी०एस० सं० 5797 में स्थित पूर्मि का वह तमाम भाग अथवा खंड जिसपर फायनल प्लाट सं० 231 अंकित है वह पैमाशग में 749 वर्गमीटर अथवा 626 वर्गमीटर अथवा उसके बराबर है और उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि : उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्रस्तावित 30 फीट स्कीम रोड है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर फायनल प्लाट सं० 230 है जो कि बिक्रीता (वैन्डर) से संबंधित है और पूर्व में अथवा पूर्व की ओर फायनल प्लाट सं० 242 बी० है।

जै० एम० मेहरा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख: 4-3-1976

मोहर:

प्रकाश आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निदेश सं० अ०ई०-५/३६८/२५/७५—प्रतः मुझे, जे०  
एम० मेहरा, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 91, सर्वे नं० 249, हिस्सा नं०  
2 (पार्ट) है, जो घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-७-७५ को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय की वापत या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रता-

1. (1) श्री पी० पी० बालन, (2) श्री छोटे० एच०  
नारायण (अन्तरक)
2. मैसर्से न्यू नित्य मंगल को० आप० हाउ० सो०  
लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहके —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्या-  
प्तिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई नगर और उपनगर के रजि० जिले और उपजिले  
घाटकोपर में स्थित एवं अवस्थित जमीन या मैदान का वह  
तमाम भाग अथवा खंड जो कि पैमाली में 728 वर्गगज  
अर्थात् 609 वर्गमीटर है तथा जिसकी गारोडिग्रा नगर स्कीम  
की प्लाट सं० 91 है तथा जिसका सर्वे नं० 249 है, हिस्सा  
नं० 2(पार्ट) है और जिसका सी० टी० सर्वे सं० 195 है उसकी  
सीमाएं इस प्रकार से घीरी हुई हैं कि: उत्तर में अथवा  
उत्तर की ओर गारोडिग्रा नगर स्कीम की प्लाट सं० 90 है,  
दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर गारोडिग्रा नगर स्कीम की  
प्लाट सं० 92 है, पर्व में अथवा पूर्व की ओर 44 फुट  
चौड़ा मार्ग है और पौश्चम में अथवा पश्चिम की ओर अंशतः  
गारोडिग्रा नगर स्कीम की प्लाट सं० 88 है और अंशतः  
प्लाट सं० 89 है।

जे० एम० मेहरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-5, बम्बई

तारीख: 12-3-1976  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निदेश सं० आई०-5/370/371/372/373/375/449/  
450/75/27/28/29/30/32/33/34—अतः मुझे, जे० एम०  
मेहरा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 53, 54, 59 और 66 है, जो  
नाहर ब्लॉक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्या-  
लय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 24-7-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

1. दी द्रस्टीज आफ भारत कल्याण फण्ड, कलकत्ता  
(अन्तरक)
2. (1) कुमारी सुरुती सराफ (2) कु० सुरुती सराफ  
(3) कुमारी रीता तिब्रेवाल (4) कुमारी दीपा  
तिब्रेवाल (5) मैसर्स एक्सलाइट इंडस्ट्रीज प्रा० लि०  
(6) प्रदीप कुमार एस० फेट्ले  
(अन्तरिती)
3. मैसर्स मोडेला बुलन लिमि० (बह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बृहस्पत बम्बई में मुलुण्ड के निकट नाहूंर ग्राम में स्थित एवं  
अवस्थित भूमि का गोदाम जिसकी प्लाट सं० 53, 54, तथा  
66 है, तथा जो पैमाइश में 7555 वर्गगज है।जे० एम० मेहरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख : 12-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च, 1976

निर्देश सं० अ०ई०-५/३७७/३४/७५-७६—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 सं० नं० 94 हिस्सा नं० 1 है, जो बठावली विलेज में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-७-७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती परमेश्वरी बाई ठाकुरदास कानाल  
(अन्तरक)

2. श्री स्वर्णलाल हरसाई औमान और

1. श्री स्वर्णलाल हरसाई औमान  
2. श्री मनमोहन लाल हरसाई औमान

3. श्री रमेश कुमार हरसाई औमान, माझनर (प्रवयस्क) उनके पिता और संक्षक श्री हरसाई हरदास औमान के अरिए

4. श्री देवकुमार मोरचन्द औमान

5. श्री अशोक कुमार मोरचन्द औमान

6. श्री विजयकुमार मोरचन्द औमान

7. श्री नन्दकुमार दोदूराम औमान

8. श्री नरेन्द्रकुमार दोदूराम औमान

9. श्रीमती मायादेवी विधवा दोदूराम औमान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बुहत बम्बई में बठावली में स्थित भूमि (कुण्डियोग्य) यामैदान का यह तमाम भाग अवधा खण्ड जिसका अनुबन्ध के रूप में लगाए गए प्लान में प्लाट सं० 1 है और जो पैमाइश में 1010 वर्गमीटर या उसके लगभग अर्थात् 844 वर्गमीटर या उसके बराबर है, वह 128 वर्गमीटर या 105 वर्गमीटर जो कि सर्वेक्षण संख्या 94 का एक भाग है, हिस्सा न. 1, सर्वेक्षण सं० 85, हिस्सा सं० 3, बम्बई नगर और उपनगर जिले में है, उसपर सिटी सर्वेक्षण संख्या नहीं दी गई है और उसकी तीमाएं इस प्रकार हैं:—

उत्तर—प्रापर्टी है जिसकी सर्वेक्षण सं० 94, हिस्सा सं० 1 और सर्वेक्षण सं० 94 हिस्सा नं० 2 और सर्वेक्षण सं० 85, हिस्सा सं० 3

दक्षिण:—पल्लिक रास्ता

पूर्व:—प्रस्तावित सड़क है उसके पिछे प्लाट सं० 9 है जिसकी सर्वेक्षण 94, सं० हिस्सा सं० 1 है।

पश्चिम:—प्रापर्टी है जिसकी सर्वेक्षण सं० 85 और हिस्सा सं० 3

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्र० रूप श्राई० टी०एन०एस०---  
 शास्त्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 प्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख 4 मार्च, 1976

निदेश सं० आई०-2/2018/3517/75-76—अतः मुक्त  
 एम० जे० माथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पांचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
 से अधिक है

और जिसकी सं० 37, हि० नं० 4 (अंश) है, जो जुह में  
 स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में  
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन 8-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
 यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
 (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
 अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
 से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
 किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
 उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
 के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
 सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेमन बद्रीन लुकमानी और श्रीमती अमाला  
 मैमन लुकमानी (अन्तरक)  
 2. यशधर होटल्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

3. (1) श्री वीपचन्द मोहनलाल शाह (2) श्रीमती चन्द्र  
 कल शाह प्रवीण (3) श्रीमती नीरजा अशोक शाह (4) श्री उमेश  
 वीपचन्द शाह (5) श्री रणछोड़दास अग्रवाल (6) श्री  
 सुरेश चन्द्र अग्रवाल (7) श्री सुभाष अग्रवाल (8) श्री

शेखर अग्रवाल (9) उमा प्रफुल शाह (10) दिनेश  
 प्रफुल शाह (11) प्रफुल मोहनलाल शाह।  
 (व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति  
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस 'सूचना' के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची-1

बूहतर बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला  
 और उपजिला बान्दा में जुह में स्थित एवं अवस्थित भूमि  
 अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि माप में  
 596 वर्गज या उसके समकक्ष (498 वर्गमीटर के बराबर)  
 है तथा जिसका सर्वे सं० 37 प्लाट सं० 3 हिस्सा सं० 4  
 (पार्ट) है तथा जो इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर  
 में अथवा उत्तर की ओर गोविन्द राम प्रदर्श की प्रापर्टी है  
 (अब हेरिस्कान होटल है) दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर  
 भूमि है जिसका सर्वे नं० 37, हिस्सा सं० 4 (पार्ट)  
 है तथा यह भूमि श्रीमती जिमिला एम० लुकमानी से संबंधित  
 है तथा जिसका विवरण अच्छी प्रकार से दूसरी अनुसूची  
 जो कि इसी के बाद दी गई है में वर्णित है, पूर्व में अथवा  
 की ओर भूमि है जिसका सर्वे सं० 37 है, हिस्सा सं० 5ए०  
 है तथा जो खरीदार को पट्टे के आधार पर दी गई है  
 और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर शेष संपत्ति श्री  
 एम० बी० लुकमानी से संबंधित है।

अनुसूची-2

बूहतर बम्बई में बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले  
 और उपजिले बान्दा में जुह में स्थित एवं अवस्थित भूमि  
 अथवा मैदान का वह समूचा खंड अथवा भाग जो कि  
 पैमाइश में 596 वर्गज अथवा उसके समकक्ष (498 वर्ग-  
 मीटर के बराबर) है और जिसका सर्वे सं० 37 (प्लाट

सं० ३), हिस्सा सं० ४ (पार्ट) है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर श्री एम० बी० लुकमानी की प्रापर्टी है जिसके विस्तृत व्यौरे अनुसूची १ जो कि इससे ऊपर लिखी गई है में दिए गए हैं, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर ८ फुट चौड़ी भूमि की एक पट्टी है जो कि संयुक्त रूप से श्री और श्रीमती एम० बी० लुकमानी से संबंधित है और जिसके विस्तृत व्यौरे अनुसूची ३ में जो कि इससे नीचे दी गई है में दिए गए हैं और उसके पीछे जमना लाल सन्स प्रा० लिम० की प्रापर्टी है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर भूमि है जिसका सर्वे सं० ३७, हि० नं० ५५० है तथा जो खरीदारों को पट्टे पर दी गई है तथा पश्चिम में अंशतः शेष संपत्ति बिक्रीता की है, बिक्रीता श्रीमती जे० एम० लुकमानी है अंशतः प्रापर्टी है वह भीर इण्डस्ट्री प्रा० लि० की है।

## अनुसूची-३

बृहत्तर बम्बई में बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बान्द्रा में जुह में स्थित एवं अवस्थित ६ फुट चौड़ी भूमि की पट्टे होने के नाते वह तमाम खंड अथवा भाग जो कि पैमाश्श में ६०' वर्गमीटर या उसके समकक्ष (५९ वर्गमीटर के बराबर) है तथा जिसपर सर्वे सं० ३७ (प्लाट सं० ३/१) हिस्सा सं० ४(पार्ट) अंकित है और जो इस प्रकार से घिरी हुई है कि उत्तर में वह संपत्ति है जो कि इससे ऊपर दी गई है अनुसूची २ में वर्णित की गई है दक्षिण में जमनालाल सन्स प्रा० लि० की प्रापर्टी है, पूर्व में भूमि है जिसकी सर्वे सं० ३७, हिस्सा सं० ५५० है तथा जो खरीदार को पट्टे पर दी गई है और पश्चिम में मैसर्स भोर इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० की संपत्ति है।

एम० जे० माधव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-२, बम्बई।

तारीख: 4-3-1976

मोहर:

— — — — —

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
२६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-१, बम्बई

तारीख ९ मार्च, 1976

निदेश सं० आई०-१/१२१२-१/जुलाई-७५—अतः मुझे  
व्यौ० आर० अमिन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विवाह संस्थान का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस० नं० १०१८ भायखला डिवीजन है, जो भौलाना शौकतअली रोड, बम्बई में स्थित है (और इसे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ४-७-१975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुस्ते यह विवाह संस्थान का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हई किसी आय की आबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा २६९-ग के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों व्यक्तित्व में संपत्ति :—

1. श्री हतिम भाई अब्रासभाई आरसीबाला (अन्तरक)
2. (१) असगरअली आदमअली (२) सालेभाई आदमअली (३) रबाबाई आदमअली (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय २०-क में यथा-परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बम्बई द्वीप के रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई में मौलाना शौकत अली रोड जो पहले (ग्रान्ट रोड) के नाम से जात था, पर 979 बर्गज यांती कि समकक्ष 818.54 वर्गमीटर लगभग की सरकारी भूमि का वह तमाम भूभाग या भूखंड जिसका एक भाग सनदी भूमि है और गृहवाटिका, रिहायशी-भवन और उस पर बनी इम्पीरियल बिल्डिंग नं० 1 समेत जिसका संग्रहक का नाम नं० 11171, ए० 1/9808, ए० 1/9809 और ए० 1/9808, ए० 9809 और लाटल्स सर्वेक्षण नं० 5671, 3/5675 और नगर सर्वेक्षण 1018/भायखाला मंडल जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं, प्रथम उत्तर में या उत्तर की ओर नगर सर्वेक्षण सं० 1920 की संपत्ति से, दक्षिण में या दक्षिण की ओर मौलाना शौकत अली रोड (ग्रान्ट रोड) से, पूर्व में या पूर्व की ओर नगर सर्वेक्षण नं० 1019 की संपत्ति से और पश्चिम में या पश्चिम की ओर सी० सी० नं० 1017 की संपत्ति और जिसकी संपत्ति बार्ड ई० 23 गली नं० 142-146 मौलाना शौकत अली रोड के अधीन बम्बई के कर-निधारण तथा संग्रह के द्वारा निर्धारित की गई है।

द्वी० आर० अमिन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9 मार्च, 1976  
मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई  
तारीख 9 मार्च, 1976

निदेश सं० आई०/1217-6/जूलाई०-75—अतः, मुझे, वी० आर० अमिन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी प्लाट नं० 1, सी० ए० सी० नं० 1ए०/56 ताडेव डिवीजन है, जो स्लेटर रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-7-75 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के प्रन-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथमतः—

1. श्री मेहता बुरजोरजी पुनेगर (अन्तरक)
2. श्री नगिनदास एच० राठोड़ (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आदेशः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बम्बई नगर के रजिस्ट्रेशन उपजिले में स्लेटर रोड के पूर्व साइड पर जिसे अब नौशीर भरुचा रोड कहते हैं तथा जो ग्रान्ट रोड रेलवे स्टेशन के निकट है, पर स्थित भूमि अथवा ग्राउण्ड का वह तमाम भाग अथवा खण्ड तथा उस पर अन्य स्टूचर या बिल्डिंग जिसे हामुद्द बिल्डिंग के नाम से जाना जाता है सहित तथा जिसका प्लाट सं० 1 है तथा जो माप में 493.59 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष और जिस पर ताडेव डिवीजन को केडास्ट्रेल सर्वेक्षण सं० 1ए०/56 दिया हुआ है उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि पूर्व और दक्षिण में अथवा पूर्व और दक्षिण की ओर वस्टन रेलवे यार्ड है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर स्लेटर रोड है जिसे अब नौशीर भरुचा रोड के नाम से जाना जाता है और उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्लाट सं० 2 है जिस पर म्युनिसिपल 'डी' बार्ड सं० 3681 (7एफ०), स्ट्रीट सं० 27 अंकित है।

द्वी० आर० अमिन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई  
मोहर :

तारीख : 9-3-76  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 9 मार्च 1976

निर्देश सं० आ०ई०-१/१२१८-७/जुलाई-७५—अतः मुझे,  
बही० आर० अमिन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० व आ०ई०एफ०/५६ है, जो ग्रान्ट रोड, बम्बई-७ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दौलत कामरोज बलसारा (अन्तरक)
2. श्री नरेन्द्र नगिनदास राठौड़ (अन्तरित)
3. किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुबूची

ग्रान्ट रोड, बम्बई ७ पर स्लेटर रोड जिससे अब नौशीर भरुचा रोड कहते हैं पर प्लाट सं० ६ पर बनी इमारत सहित जो कि 'धनबाद' बिल्डिंग सहित अर्थात् भूमि का अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो कि प्लाट सं० ६ के नाम से जाना जाता है तथा जो पैमाइश में ५३८.७७ वर्गमीटर अथवा बरावर है उस पर बनी गृहवाटिकाओं (मैरयूजीस टेनामेंट्स) अथवा रिहायशी मकान सहित जिसे 'धनबाद' बिल्डिंग के नाम से जाना जाता है वह ग्रान्ट रोड रेल्वे स्टेशन के निकट स्लेटर रोड की पूर्वी दिशा में (जिसे अब नौशीर भरुचा रोड कहते हैं) पर स्थित है उस पर ताढ़ादेव छिपीजन का कैडास्ट्रल सर्वे सं० आ०ई०एफ०/५६ अंकित है और उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि: पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्लाट सं० ७ है और उसके पीछे बी०बी० एण्ड० सी० आ०ई० रेल्वे लाइन है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर ऊपर बताया गया स्लेटर रोड है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्लाट सं० ९ है और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्लाट सं० ५ है और म्युतिसिपल 'डी' वार्ड सं० ३६८.१ (७ए०) और स्ट्रीट सं० १७ अंकित है।

बही० आर० अमिन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: ९-३-७६

मोहर:

प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०---  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-4, बम्बई  
बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1976

निवेदन सं० आई०एन०एस०-212/75-76—अतः मुझे,  
जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे सं० 291, हिं० नं० 1, सर्वे नं०  
292, हिं० नं० 14 है, जो कोले  
कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
10-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें मारसीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री लष्मनदास मेवाराम, राहंता हाउस, खार,  
बम्बई-400052 (अन्तरक)
- नील शांति निकेतन को० आप० हाउ० सो० लिमि०  
सी०एस० ट्रैक रोड, मनीपाडा, कालीना, सान्तानुज  
बम्बई-400029 (अन्तरिती)
- अनुबंध 'क' के अनुसार  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

अनुबंध 'क' : (प्राप्ती के अधिभोगियों (आक्यूपेशन के नाम)				
क्र०	नाम	विलिंग	फैलैट	पता
स०		नं०	नं०	
1	2	3	4	5
1.	ए० डि० सिल्वा	ए०	1	नील शांति- निकेतन को० आप० हाउ० सो० लिमि० एस० ट्रैक रोड मनीपाडा का- लीना सान्ता- नुज बम्बई 400029
2.	मनी रामचन्द्रन	"	2	"
3.	एम० एस० जी० मेनन	"	3	"
4.	जी० एल० पानेसेरा	"	4	"
5.	आई० य० पै	"	5	"
6.	ई० जे० नवरथ	"	6-7	"
7.	श्रीमती आई० एस० हाटे	"	8	"
8.	श्रीमति पी० कें० वंजा गोपाल	"	9	"
9.	बी० डि० कूझ	"	10	"
10.	पी० टी० फराइडीस	"	11	"
11.	जी० दयाराम लाड	"	12	"
12.	डा० एस० चटर्जी	"	13	"
13.	श्रीमती डी० डिकोस्टा	"	14	"
14.	श्रीमती उमिला शिंदे	"	15	"
15.	छापिया चटर्जी	"	16	"
16.	एस० निजसुरे	"	17	"
17.	सी०एम० डिमलो	"	18	"
18.	डा० सुबहा चक्रवर्ती	"	19	"
19.	मिलन चक्रवर्ती	"	20	"
20.	एम० व्ही० सी० मनी	"	21	"
21.	श्रीमती के० एच० लाहेजा	"	22	"
22.	श्री जोसफ पाइस	"	23	"
23.	एक्स०टी० राइक्स	"	24	"
24.	श्रीमती फेनी पेसी कन्दूकटर	"	25	"
25.	श्रीमती एल० व्हाइट	"	26	"
26.	श्रीमती सतवंत कौर	"	27	"
27.	मैसर्सै मैट्रो प्लैइंग काउंसूक०	"	28	"
28.	ए० पी० स्वार	"	29	"
29.	श्रीमती मार० व्ही० बानोडकर	"	30	"
30.	डा० सुभाष चटर्जी	"	31	"
31.	राजाराम एन०	"	32	"
32.	ग्रार० व्ही० अर्यर	"	33	"
33.	श्रीमती ए० थोमस	"	34	"
34.	श्रीमती सायिद्स आर० शहा	"	35	"
35.	के० व्ही० रामन	"	36	"
36.	के० वेंकटेश्वरन	"	37	"
37.	श्रीमती शांति बोस	"	38	"

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
38. ए० ज० श्रोलिव्ह		ए०	39. नील शांतिनिकेतन		82. पी० डी० कान्ट्रेक्टर		सी० फ्लैट	15	नील शांतिनिकेतन
			को० आफ हाऊ०				को० आफ हाऊ०		
			सो० लिमि०, सी० एस०				सो० लिं०, सी० एस०		
			ट्रैक रोड, मनीपाडा,				ट्रैक रोड, मनीपाडा,		
			कालिना, सान्ताकुज				कालिना, सान्ताकुज		
			बम्बई-400029				बम्बई-400029		
39. श्रीमती जी रामानी		"	40. शाप नं०	1	83. जी० फिलिप्स			16	"
40. जी० मथु		"	41	"	84. डी० डिक			17	"
41. पी० य० गुरनानी		"	42	"	85. श्रीमती डी० रिवेली			18	"
42. एस० जी० पै		"	43	"	86. सी० एन० आर० अद्यार			19	"
43. के० एस० गन्मूरी			शाप नं०	1	87. व्येकटराम स्वामीनाथन्			20	"
44. राजराम एन०				2	88. एम० डि'कोस्टा			21	"
45. तुकाराम आर० राने				3	89. श्रीमती कौशलगा महन			22	"
46. गुरजी लालजी				4	90. छी० पद्मनाभन			23	"
47. एस० के० शहा				5	91. सी० राजढाता			24	"
48. छी० जी० संघवी				6					
49. मेरी डी० सोका			बी० फ्लैट	2					
50. श्रीमती राधा आर०				"					
पतिकर		"		3					
51. एम० डी० पारलेवाला				"					
बी० एम० पारलेवाला				4					
52. चरनजीत सिंह बुधराज		"		5					
53. सेमसन ई० किलेकर				"					
एलिजाकिलेकर				6					
54. पोल एच० रोड्रायस				"					
एफ० रोड्रिजेस				7					
55. श्रीमती उषा आर०				"					
देशपाण्डे		"		8					
56. श्रीमती एन० एम० लोयडी		"		10					
57. श्रीमती सराह आर० सेमसन		"		11					
58. पी० टी० वेरेकर		"		12					
59. सुरजन सिंह माथु		"		13					
60. बोबा सिंह माथु		"		14					
61. सोमा एस० माथु		"		15					
62. श्रीमती ए० ज० दास		"		16					
63. मोहन सी० भिमानी			शाप नं०	1					
64. ए० कुवरजी		"		"					
65. श्रीमती एच० कुवरजी		"		2					
66. विजेन्द्र कुमारिया		"		3					
67. निकोलस सी० फर्नार्डीस		"		4					
68. फान्सी डी० मेली			सी० फ्लैट	1					
69. मारोस रामाराव नायक		"		"					
70. सी० ओलीझर		"		2					
71. वासु कृष्णन्		"		3					
72. जे० जी० धराधील		"		4					
73. श्रीमती जे० के० काले		"		5					
74. ई० छी० आर० नायर		"		6					
75. पी० आर० नायर		"		7					
76. एन्थनी सालढाना		"		8					
77. श्रीमती एम० ग्रल्मेडा		"		9					
78. श्रीमती सी० पी० जोशी		"		10					
79. श्रीमती सी० सी० लेवीस		"		11					
80. मलकान श्रगुएर		"		12					
81. श्रीमती गुलशानभस				13					
चिठीवाला		"		"					
				14					

4. (1) श्री ललिमन दास सेवाराम (2) श्री गिरधारी लाल सेवाराम, (3) श्री बिहारीलाल सेवाराम (4) श्री भगवानदास सेवाराम सभी श्याम एण्ड कम्पनी के भागीदार 79 मडोस स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-400001 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**इष्टोक्तण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्राम कोले कल्याण, तालुका अंधेरी जो कि अब बृहत्तर बम्बई के रजिं उपजिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में है, उसमें स्थित एवं अविस्थित गैर कृषियोग्य भूमि हेराडिटामेंट्स प्रीमीसेज, स्ट्रक्चर्स और उस पर बनी डमारतों सहित का भाग अथवा खंड जो भूराजस्व के समाहर्ता (कलक्टर) की पुस्तकों में प्लाट सं० 1, सर्वे सं० 291 और सर्वे सं० 292, हिस्सा सं० 14 के अधीन पंजीकृत है और जो कि पैमाइश में 5565 वर्गज या उसके समकक्ष (4562.90 वर्गमीटर के बराबर) है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं कि: उक्तर में मनीपाडा सड़क है, सर्वे सं० 292 पार्ट, दक्षिण में उस भूमि का प्लाट सं० 2 है जिसका

सर्वे सं० 291, हिस्सा सं० 1, सर्वे सं० 292, हिस्सा सं० 14 है, पूर्व में एकसेस रोड है, और पश्चिम में सी० एस० टी० रोड है।

जी० ए० जेम्स  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निर्देश सं० अ०ई० 4/ए०पी०-213/75/76—अंतः मुझे, जे० ए० जेम्स,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 126 (पार्ट) सीटी एस० नं० 7517 (पार्ट) है, जो कोले कल्याण में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः—

1. (1) श्री अदेशार कुसेट्जी पेस्तोनजी वाडिआ,  
(2) श्रीमती मेरी कुसेट्जी पेस्तोनजी वाडिआ,  
(3) श्री जहांगीर अदेशार कुसेट्जी वाडिआ,  
(4) श्रीमती रुटी कुसेट्जी वाडिआ, (5) प्रेम अहमदासीर कुसेट्जी वाडिआ, 70, फाबेस स्ट्रीट, बम्बई-400001 (अन्तरक)

2. श्री रमेश सिंह प्यारासिंह और श्री बच्चितर सिंह प्यारा सिंह 5, पी०डी० मेलो रोड, बम्बई-400009 9.

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन/ के लिए कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टीकारण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बहुतर बम्बई में बम्बई उपनगर जिला के रजि० उपजिला बान्द्रा में अंधेरी तालुका के ग्राम कोले कल्याण में स्थित एवं अवस्थित भूमि अस्तवा मैदान का वह तमाम भाग अस्तवा खंड जिसका सर्वे संख्या 126 (पार्ट) और ग्राम कोले कल्याण का सी०टी०एस० सं० 7517 (पार्ट) है तथा जो पैमाइश में 7824.12 वर्गमीटर अर्थात् 9359 वर्गज या उसके समकक्ष है, उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि: उत्तर में सर्वे सं० 126 (पार्ट) है, दक्षिण में सर्वे सं० 172 है, पश्चिम में सर्वे सं० 158 (पार्ट), 154 (पार्ट) और 126 (पार्ट) है, और पूर्व में गांव के बाउण्डी के रूप में माहीम रिक्हर क्रिक है।

जी० ए० जेम्स,  
सक्षम प्राधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1976  
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-२३-१-९१५ (२९४)/१-१/७५-७६—यतः मुझे जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० सर्वे नं० 430, फायनल प्लाट नं० 343, सब प्लाट नं० 1, है, जो आसण, अहमदाबाद में स्थिति है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 22-७-५ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यता:—

(1) श्री गोरघनदास अम्बाराम दलाल, एल्स-ब्रीज, पालड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण भाई डाह्या भाई पटेल, मणीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 715.80 वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 343, सब प्लाट नं० 1, सर्वे नं० 430 है तथा जो आसण, अहमदाबाद में स्थिति है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: ९-३-७६

मोहर:

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1 कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1976

निर्देश सं० ए० सी० व्य० 23-1-916(296)/10-1/  
75-76—यतः मुझे जै० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० रेविन्यू सर्वे नं० 1522 पैकी, प्लाट नं० 37,  
है, जो विलास उद्योग लि० के फैक्ट्री के पीछे पटेल कोलोनी  
शेरी नं० 1, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1961 (1908 का 16) के अधीन जुलाई-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जयेश कुमार जेठालाल, अध्यसक की ओर से  
अभिभावक।

(अन्तरक)

(2) श्री जेठालाल मधुरा वास, काशी विश्वनाथ रोड,  
जामनगर।

2. श्री मधुरादास अमरसी, काशी विश्वनाथ रोड, जामनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अवैन सम्पत्ति जो 1578'—11" भूमि पर स्थित  
है तथा जिसका रेविन्यू सर्वे नं० 1522 पैकी, प्लाट नं० 37,  
है तथा जो विलास उद्योग लि० की फैक्ट्री के पीछे, पटेल  
कोलोनी, शेरी नं० 9, जामनगर में स्थित है।

जै० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 11-3-76

मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुष्टत (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्र्य० 23-1-917 (297)/10-1  
/75-76/—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० रेविन्यू सर्वे नं० 1522 पैकी प्लाट नं०  
33, है जो विलास उद्योग लि०, की फैक्ट्री के पीछे, पटेल  
कोलोनी, शेरी नं० 9, जामनगर में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1975  
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग की  
उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री भरत कुमार जेठालाल अव्यसक, की ओर  
से अभिभावक।

(2) श्री जेठालाल मधुरादास, काशी विश्वनाथ रोड,  
जामनगर।

(अन्तरक)

2. श्री मधुरादास अमरसी, काशी विश्वनाथ रोड, जामनगर  
(अन्तरिती)

3. (1) श्री अहमद अली राजभाई,

(2) रामगिरी सुन्दरगिरी,

(3) बाणांद रमणीकलाल बीरजी,

(4) केशव लाल एच० पटेल।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. (1) श्री राजेन्द्र गोराधनदास, रंजीत सापर रोड,  
जामनगर।

(2) श्री प्रभुदास रघुनाथ, नगर नाका के बहार,  
खम्बालीया डिस्ट्रिक्ट:—जामनगर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1578-'11" भूमि पर स्थित है तथा  
जिसका रेविन्यू सर्वे नं० 1522 पैकी, प्लाट नं० 33 है तथा  
जो विलास उद्योग लि० की फैक्ट्री के पीछे, पटेल कोलोनी,  
शेरी नं० 9 जामनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 11-3-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-918(298)/1-1/  
75-76—यतः मृम्म जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आगे 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन बरने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इनिस बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 20, फायनल प्लाट नं० 20, सब प्लाट नं० 9, है, जो कोचरब—अहमदाबाद में स्थित, (ग्रीर इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 17-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूल्य यह विश्वास बरने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्देश्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारसविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री मानप्रसाद चंदूलाल,  
(2) श्री हरनाथ चंदूलाल,  
(3) श्री प्रकृत चंदूलाल, नवधरनी पोल, रंग महल वाडी, बडोदा।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती पुष्पा जयतीलाल कामदार,  
(2) श्री महेन्द्र जयतीलाल कामदार, सी०-५, रतना अपार्टमेन्ट, टेलीफोन एक्सचंज के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन में कांड भी आक्रीपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 589 वर्ग गज है तथा जिसका टी० पी० एस० नं० 20, फायनल प्लाट नं० 20, सब प्लाट नं० 9 है तथा जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-3-1976

मोदूर :

## प्रकृप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-1-919(299)/16-6/  
75-76—यतः, मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० हाऊस नं० 479, वाई० नं० 12 है, जो टेलीग्राफ आफिसर के पीछे राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परद्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसके आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः—

1. (1) श्री दिवंग फूलचन्द डाह्याभाई परीख के बारिस तथा हिन्दु अविभक्त कटुबंद के सदस्यों के रूप से :—

- (1) श्री नरेन्द्र कुमार फूलचन्दभाई परीख,
- (2) श्रीमती कालिदी नरेन्द्रभाई परीख।
- (3) श्री योगेन्द्र नरेन्द्रकुमार परीख।
- (4) श्री हमन्त नरेन्द्रकुमार परीख।
- (5) श्री अरविंद नरेन्द्रकुमार परीख।
- (6) श्री अर्णव नरेन्द्रकुमार परीख।
- (7) श्रीमती कानकबेन नरेन्द्रकुमार परीख, आदर्श सोसायटी राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री शैलेश जयेन्द्र वनकार्णी अवदसक की ओर से अभिभावक : डॉ० जयेन्द्र केण्टवलालभाई वनकार्णी, "शिव संदेश" जसदन, डिस्ट्रिक्ट, राजकोट।

(अन्तरिती)

- (1) श्री आर० एम० एस० सुप्रियेन्द्रेन्द्रेन्द्र प्रापिसर।
- (2) असिस्टेन्ट इलेक्ट्रीकल, इन्स्पेक्टर।
- (3) मेसर्स सुरेश एण्ड को०।
- (4) श्री बाबूलाल प्राणशंकर बोरा।
- (5) श्री सुधीर पिक्चर्स।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रयोगीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट है, वही अर्थ लेगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

एक श्रवल सम्पत्ति जो 468 गजवर्ग भूमि पर स्थित है तथा जिसका हाऊस नं० 479, वार्ड नं० 12 है तथा जो टेलीग्राफ आफिसर के पीछे, राजकोट में स्थित है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-3-76

मोहर :

प्रस्तुप्राई०टी०एन०एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1976

निर्देश सं. 297/ए० सी० क्यू०-23-630/6-1/75-76/  
प्रत: मुझे पी० एन० मित्तल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है अधिक है।

और जिसकी सं. नं. 95-बी, जेतलपुर गांव है तथा जो शिव महल फारम, रेस कोर्स के पास, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—16GI/76

1. श्रीमती शारदे राजे गायकवाड भंगीला कार्मिकल रोड़,,  
बंबई-400026।

(अन्तरक)

2. डॉ. वी० कुरीयन, अमुल डेरी, आनंद-388001।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी व्याप्तिपूर्ण विवरण नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### प्रमूसूची

संबंधी नं. 95-बी, जेतलपुर गांव, बड़ौदा पर नान-ए-प्रीकरण-चरल जमीन भे से 20,000 वर्ग फुट जो शिव-महल फारम, रेस कोर्स सर्कल बड़ौदा में स्थित है और रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बड़ौदा-II के जुलाई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 4297 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 9-3-1976

मोहर:

## प्रखण्ड आई० डी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. (1) श्रीमती प्रमिला भोरा
- (2) श्री चिमनलाल कामदार दोनों का पता 12/सी,  
सरत बोस रोड, कलकत्ता-1।
- (3) श्री प्रितमलाल कुन्दल।
- (4) श्री कुन्दनलाल पानवानी  
दोनों का पता 12/डी, सरत बोस रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० 321/एकुरे -III/75-76/कल०—अतः, मुझे  
एल० के० बालसुब्रमनियन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12 सी०, 12 डी०, 12/1 सी०, 12/1 डी०  
है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे  
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-7-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में आस्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री अलिन कुमार बोस पी-27, दमदम पार्क, कलकत्ता।

(अन्तरक)

3. (1) श्री सुरेश्वर मित्र।
2. श्री बासुन्देव लाल
- (3) मेसर्स इन्डिया रेफिजारेटर्स।
4. श्री भारत पाष्टरड, सार्मिसेस।
5. श्री राम विकाश रोड।
- (6) श्री सुनील कुमार दत्त।
- (7) श्री गोविंद साउ।
- (8) मेसर्स भेलुन इलेक्ट्रोकल।
- (9) मेसर्स कल्पना इंजीनियरी को०
- (10) मेसर्स बी० के० इंजीनियरी को०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर<sup>1</sup> सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
प्रथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

करीब 3 कद्दा 8 छटाक 3 स्को० फूट जमीन साथ उसपर<sup>2</sup>  
बनाया 3 तल्ला मकान जो 12 सी, 12 डी, 12/1 सी और  
12/1 छि सरत बोसरोड, धाना-बालीगंज, कलकत्ता पर अवस्थित है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

54, रफीअहमद विद्वाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आपवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक: 2 मार्च 1975

निर्देश सं० 322/एकुरे-III/75-76/कल०—अतः, मुझे  
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या दाग 836, 858, 859 है तथा जो मौजा  
आरकपुर, थाना यादबपुर 24 परगणा में स्थित है (और  
इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
फर्टा अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, 24 परगणा में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 18-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रूनु बोस, 13 नर्थ रोड, कलकत्ता-32

(अन्तरक)

2. द्रृस्टीज, ललित भोहन ममोरियालैं फाउन्डेशन, अफिस-  
13 नर्थ रोड कलकत्ता-32।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 1.68 एकड़ जला जमिन का अविभक्त अधीनियम जो  
धारा सं० 836, 858 और 859 मौजा : आरकपुर, थाना-  
यादबपुर, 24 परगणा पर अवस्थित और जो डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार,  
आलिपुर द्वारा रजिस्ट्रीफर्ट दलिल सं० 1 6818/1975 का  
अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III  
54, रफीगाहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारी : 2-3-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-५, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 4 मार्च 1976

निर्वेश सं० ए० सी० 49/अर्जन रेज-५/कैल०/७५-७६—  
अतः मुझे एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट सं० 92 है तथा जो सी० आई० टी० स्कीम  
सं० VI एम, पी० एस० फुलबगान में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय, सीआलदाह, 24 परगना में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

23-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. (1) श्रीमती जसवन्त कौर

(2) श्री मुलकी सिन्हा;

(अन्तरक)

2. श्रीमती द्रोपदी देवी गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्षोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर मूदना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, व्यापारिक अनुस्तानी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिचारित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5 कट्टा छिटाक 8 स्कवे० फी० जमीन प्लाट सं० 92,  
सी० आई० टी० स्कीम VI-एम, पी० एस०, फुलबगान  
डिस्ट्रीक्ट 24 परगना झीड सं० 1964 ता० 23-7-1975  
से रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० इनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-५

54, रफीअहमद किंदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 4-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1976

निर्वेश सं० टि—प्रार०-७७/सी-७८/कल०-१/७५-७६—  
यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकाउचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० 23-ए रमेड स्ट्रीट है तथा जो 53 ए० बी०  
सी० एण्ड डी० रफि अहमद किल्वाई रोड कलकत्ता में स्थित है  
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट प्रेस, नार्थ,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 4-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. (1) अभ्यमेन्द्र, कुमार बोस  
(2) अमित कृष्ण मित्र एड  
(3) श्रीमती सिप्रा बोस

(अन्तरक)

2. (1) आशमेन्द्र हैसिन  
(2) मु० दीलत उम्मेसा  
(3) सेख नासिम आली  
(4) शेख सबीर आली

(अन्तरिति)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिचालित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

23 ए, रमेड स्ट्रीट ए० 53 ए० बी० सी०, एण्ड डी०  
रफि अहमद किल्वाई रोड, कलकत्ता में अवस्थित 1 बिधा  
2 कट्टा जमीन पर अवस्थित मकान का प्रविभक्त 1/4 हिस्सा।एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज-१  
54, रफि अहमद किल्वाई रोड,  
कलकत्ता-१६

तारीख: 4-3-76

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1976

निर्देश सं० टी० आर०-79/सी०-30/कल०-1/75-76—

यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23ए० है तथा जो रमेड स्ट्रीट व 53ए०, बी० सी० डी० रफि अहमद किदवाई रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेन्ट प्रेस नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-74

को पूर्णोंक्षति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवार्तिः—

1. श्री अभ्यन्तर कुमार बोस।
- (2) अजित कृष्ण मित्र एण्ड श्रीमती सिंहा बोस (अन्तरक)
2. (1) श्री शेख आनवार आली
- (2) मुसम्मात हासिना खातुन
- (3) सेख हासिब हालान
- (4) शेख नरुल हासान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्षति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्षति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

23ए० रमेड स्ट्रीट एण्ड 53 ए० बी० सी० एण्ड डी० रफि अहमद किदवाई रोड कलकत्ता में अवस्थित 1 बिघा 2 कट्ठा। जमीन पर अवस्थित अविभक्त मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1  
54, रफि अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीखः 4-3-76

मोहरः

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 मार्च 1976

निर्देश सं० टी० आर० 8०/सी०-८१/कल०-१/७५-७६—

यतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23 ए रमेड स्ट्रीट एण्ड 53 ए० बी० सि० एण्ड डी० रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेंट प्लेस नर्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आबत उक्त 'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. अभ्येन्द्र कुमार बोस
- (2) श्री अर्जीत कृष्ण मित्र
- (3) श्रीमती शिशा बोस (अन्तरक)
2. (1) शेख आनवार आली
- (2) मु० हासिना खातुन
- (3) शेख हासिब हासीण
- (4) शेख नस्ल हासान
- (5) शेख हाबीब हासान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मंबंध में कोई भी अधिक्रिया:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

23 ए रमेड स्ट्रीट ए० बी० सि० एण्ड डी० रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता में० अवस्थित 1 विधा 2 कठुा जमीन पर अवस्थित मकान का 1/4 अविभक्त हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I  
54, रफीशाहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख: 4-3-76

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० टि०/आर०-112/सि०-122/कल०-1/75-76—  
अतः मुझे, सं० क० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 51/1, 51/2 है तथा जो निर्मल चन्द्र सेन स्ट्रीट एंड 1 चैतन सेन लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेन्ट पलेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्यास्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, परामर्शी:—

1. श्रीमती सुसमा बोद (अन्तरक)  
2. श्री दीमाली हाजर एंड नमिता हाजर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**ध्वनीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हिया गया है।

#### अनुसूची

51/1, 51/2 निर्मल चन्द्र सेन स्ट्रीट, एन्ड चैतन सेन लेन कलकत्ता में अवस्थित 4 कट्टा 15 छटाक, 19 वर्ग फिट, जमीन पर अवस्थित आंशिक द्वा और आंशिक एक तल्ला मकान का 1/2 हिस्सा।

सं० क० चक्रवर्ती  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 4-3-1976

मोहर :

प्र० श्र० श्र० श्र० श्र० श्र० श्र० श्र०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० दि० आर० 95/सि०-106/बम्बे/75-76—अतः  
मुझे सं० क० चक्रबर्ती

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/2 (प्लाट नं० 94) है तथा जो रासेल स्ट्रीट  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बे में, रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
10-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6—16GI/75

- (1) कमला आर० आधबाणी
- (2) किरण जि० आधबाणी
- (3) सारणी एस० आधबाणी
- (4) पारबती आर० आधबाणी
- (5) कमल डि आधबाणी
- (6) जोमिया जे आधबाणी
- (7) पुस्पा आर० आधबाणी
- (8) सरस्वती आर० पानबानी
- (9) लिलन क० पानबानी
- (10) मोहन पि० ज्ञानलियाणी (अन्तरक)
2. सेखर भान्डारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट पुणाम बिल्डिंग में अबस्थित आफिस नं०  
9 ए और जिसका स्पेस 707 वर्ग फुट है।

सं० क० चक्रबर्ती  
सक्षम अधिकारी  
सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1

54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-1976  
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० टि० आर० 96/सि०-107/बम्बे/75-76—  
अतः मुझे, स० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स० 5/2 (प्लाट नं० 5 सि) है तथा जो रासेल स्ट्रीट  
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी की कार्यालय, बम्बे में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-  
1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) के मला आर० आधबाणी  
(2) सारणी एस० आधबाणी  
(3) कमल डि० आधबाणी  
(4) पावेती आर० आधबाणी  
(5) किरण जि० आधबाणी  
(6) जेमिया जे० आधबाणी  
(7) पुस्पा आर० आधबाणी  
(8) लिलन के० पुनवाणी  
(9) सरस्वती आर० पुनवाणी  
(10) मोहन पि० ज्ञानजियाणी  
2. श्रीमती सुमिता सिंही  
(अन्तरक)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट कलकत्ता पुणाम बिलिंग में प्लाट नं० 5  
सि०।

स० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 5-3-1976  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5-3-1976

निदेश सं० टि० आर०-९७/सि०-९२/बम्बे/७५-७६—

अतः मुझे, स० क० चक्रबर्ती

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 (प्लाट न० 7ए) है तथा जो रासेल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) कमला आर० आधबाणी (2) किरण जि० आधबाणी (3) सारकी एस० आधबाणी (4) पार्वती आर० आधबाणी (5) कमल डि० आधबाणी (6) जेमिया जे० आधबाणी (7) पुस्पा आर० आधबाणी (8) सरस्वती आर० पुनवाणी (9) लिलन के० पुनवाणी (10) मोहन पि० ज्ञानजियाणी। (अन्तरक)

2. एन० डि० समताणी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और जो पदों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख: 5-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता दिनांक 5 मार्च 1976

निवेश सं० टि० आर० 99/सि०-110-बम्बे/75-76—

अतः मुझे, स० क० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/2, (प्लाट नं० 2ए) है तथा जो रासेल स्ट्रीट  
कलकत्ता में (स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बे, में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनात्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला आर० आधबाणी (2) सारथी एस० आधबाणी  
(3) कमला डि० आधबाणी (4) पारबूती आर० आधबाणी  
(5) किरण जि० आधबाणी (6) सेमिया मै० आधबाणी (7)  
पुस्पा आर० आधबाणी (8) लिलत के० आधबाणी (9) सरस्वती  
आर० पुनवाणी (10) भोहण पि० ज्ञानमियाणी,

(अन्तरक)

2. रिता मुल चन्दानी एण्ड देवी साहानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

प्रणालीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता पुणाम बिल्डिंग में अबस्थित प्लॉ  
नं० 2 ए (तीन तल्ला) ।

स० क० चक्रबर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० टि० आर० 101/सि०-108/बम्बे/75-76—

अतः मुझे, स० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 (आफिस नं० 10 बी) है तथा जो रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अक्षरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

1. (1) मिसेस कमला एम० चांद आधबाणी  
(2) मिसेस सारथी सजन आधबाणी (3) मिसेस कमल दौलत, आधबाणी (4) पारबती राम चांद आधबाणी (5) मिसेज किरण गुल आधबाणी (6) सेठी महरमल आधबाणी (7) पुस्पा राम चांद आधबाणी (8) लिलन किरण पुनवानी (9) मिसेस सरस्वती रामचांद पुनवानी (10) मिसेस परस्प्रम ज्ञानजिमानी (अन्तरक)

2. (1) श्री एस० के० स्वरूप (2) उषा स्वरूप (3) प्रस्तु कुमार स्वरूप (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित, पुणम बिल्डिंग में प्लाट नं० 10 बी०।

स० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I,  
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड  
कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-1976

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

## प्रस्तुप आर्द्ध०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० टि० आर०-102/सि०-111/बम्बे/75-76—  
अतः मुझे, स० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/2 (प्लाट नं० 6 सी) है तथा जो रासेल स्ट्रीट में  
स्थित है (और इससे उपाद्वार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बे में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
11-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला रामचांद्र आधबाणी (2) सारथी सजन  
आधबाणी (3) कमल दोलत आधबाणी (4) पारबती रामचांद्र  
आधबाणी (5) किरण गुल आधबाणी (6) सेठी ज्ञावरमत  
आधबाणी (7) पुस्पा रामचांद्र आधबाणी (8) लिलत किषण  
पुनवाणी (9) सरस्वती रामचांद्र पुनवाणी (10) मोहन परश्वम  
आनजियानी।  
(अन्तरक)

2. उषा कुमारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2 रासेल स्ट्रीट कल० में पुणाम बिल्डिंग का (सात  
तला) (प्लाट नं० 6 सी)।

स० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-1976

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० टि० आर०-103/सि०-93/बम्बे/75-76—  
अतः मुझे सं० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 (प्लाट नं० 5 बी०) है तथा जो रासेल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पक्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मिसेस कमला राम चांद आधबाणी (2) मिसेस सारथी सजन आधबाणी (3) मिसेज वामल दौलत आधबाणी (4) पारबती राम चांद आधबाणी (5) मिसेज किरण गुल आधबाणी (6) जेठी महरमल आधबाणी (7) पुष्पा राम चांद आधबाणी (8) लिलन कि धन पुनवानी (9) मिसेज सरस्वती राम चांद पुनवानी मिसेज पारस्म ज्ञानबाणी।

(अन्तरक)

2. श्री पंकज दिलीप लिंग। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित पुणाम विलिंग में प्लाट नं० 5 बी०।

सं० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-76  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आई० ए० सि० एक्वीजिशन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० टि० आर० 104/सि०-94/बम्बे/75-76—  
अतः मुझे, सं० क० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 (प्लाट नं० 5 डी०) है तथा जो रासेल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उद्धाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धूमधार अनुसूची में दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) कमला आर० आधवाणी (2) किरण जि० आधवाणी (3) सरली एस० आधवाणी (4) पारवती आर० आधवाणी (5) कमल डि० आधवाणी (6) जेथिया जे० आधवाणी (7) पुस्पा आर० आधवाणी (8) सरस्वती आर० पानवाणी (9) मिलन कं० पानवाणी (10) मोहन पि० ज्ञानजियाणी।  
(अन्तरक)

2. श्री सुसमा गुप्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता में पुणाम, बिल्डिंग में अवस्थित प्लाट नं० 6 डी।

सं० क० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, 54 रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आई० ए० सि० एकुजिसन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० टी० आर०-105/सि०-95/बम्बे/75-76—  
अतः मुझे, सं० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43).

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/2, (अफिस नं० 4 डी०) है तथा जो यसेल  
स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई  
में, रजिस्ट्रीकरण अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 11-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर बेने के अस्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
शौर/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था तिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

7—16GI/76

1. श्री (1) कमला आर० आधबाणी (2) सारली एस०  
आधबाणी (3) कमल डिं आधबाणी (4) पारबती आर०  
आधबाणी (6) किरण जि० आधबाणी (6) जेथिया जे० आधबाणी  
(7) पुस्पा आर० आधबाणी (8) मिलन के० आधबाणी (9)  
सरस्वती आर० पुनवानी (10) मोहण पि० ज्ञानजियानी ।  
(अन्तरक)

2. श्री चिरन्जीलाल श्रीगोपाल खैतान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट कल: पुणाम बिलिंग में अवस्थित आफिस  
4 डी।

सं० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, 54, रफीअहमद किवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 5-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आई० ए० सि० एयक्युजिसन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1976

- (1) कमला रामचार्दि आधवाणी
- (2) सरली सजन आधवाणी
- (3) कमल दौलत आधवाणी
- (4) पारबती रामचार्दि आधवाणी
- (5) किरण गुल आधवाणी
- (6) जेत्री ज्ञावरमल आधवाणी
- (7) पुस्पा राम चांद आधवाणी
- (8) लिलेन किषण पुनवाणी
- (9) सरस्वती राम चांद पुनवाणी
- (10) मोहन परश्चम ज्ञानजियानी

(अन्तरक)

2. (1) देवी साहानी  
(2) रिता मुलचान्दनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो 'उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता में पुणाम बिलिंग का। (तिल तलाना) प्लाट नं० 2 ए (1)

स० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-1976  
मोहर ;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

## प्रूप आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
आई०ए०स०एक्युजिसन रेन्ज-1

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1976

निवेद सं० टि० आर० 119/सि० 115/कल-1/75-76—  
अतः मुझे, स० क० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38 (दो० तल्ला) है तथा जो नेताजी सुभाष रोड़ में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5 गवर्नरमेट प्रेस नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

- स्थार० स्वरूप चांद हुकुम चांद प्रा० लि० (अन्तरक)
- तारा देवी भावार (अन्तरिती)
- (1) ओमारसीज इन्डस्ट्रीज एक्सेसारीन  
(2) साणी जमीन प्रा० लि०  
(3) आर० क० मिलेन को : इन्डिया लि०  
(4) आर० एन० ट्रिडि  
(5) पि० सि० पात्र  
(6) एन० दास एन्ड सन्स प्रा० लि०  
(7) हाउसन इंजिनियर ट्रेडि क०  
(8) एस० एन० बनाजि  
(9) सानवारमल साधाणी  
(10) ए० एस० कपूर  
(11) ओरियन्टल इन्डिया एजेंसी  
(12) गुडमप्स और को० इन्डिया प्रा० लि०  
(13) पोद्वार आईरण इन्डस्ट्रीज  
(14) हणुमान प्रसाद विजय कुमार  
(15) भि० पात्र  
(16) हिन्दुस्तान, ब्राइट इवान एलय स्टोल क०  
(17) बेद प्रकाश थापार और सन्स  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रिमिसेज न० 38 नेताजी सुभाष रोड़ कलकत्ता में अवस्थित एकान का दो तल्ला जो 5200 वर्ग फिट है।

स० क० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
54, रफीग्रहमद फिल्डवाई रोड़;  
कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० एकुजिसन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1976

निदेश सं० टि० आर० 98/सि-91/बम्बे/75-76—ग्रतः  
मुझे, स० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2, (फलाट नं० 6 डी) है तथा जो 21 रासेल  
स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट्टा अधिकारी के कार्यालय, बम्बे में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख  
10-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विषयास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रृद किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन्तः—

- (1) कमला रामचांद्र आधवाणी
- (2) सारली समन आधवाणी
- (3) कमल दौलत, आधवाणी
- (4) पारवती राम चांद आधवाणी
- (5) किरण गुल आधवाणी
- (6) जेठी अवरमल आधवाणी
- (7) पुस्पा राम चांद आधवाणी
- (8) मिलन किषण पुनवाणी
- (9) सरस्वती राम चांद पुनवाणी
- (10) मोहन पारश्र मस्तानजियाणी

(अन्तरक)

2. (1) उषा कुमारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

5/2 रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता, पुणाम बिलिंग में (सात तला)  
फ्लाट नं० 6 डी० ।

स० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-3-1976  
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० एयकुजिशन रेन्ज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1976

निर्देश सं० टि० आर० 116/सि० 118/कलकत्ता-1/75-76—  
अतः मुझे, स० क० चक्रवर्ती,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38 (चार तल्ला) है तथा जो नेताजी सुभाष  
रोड़ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट प्लेस  
नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 17-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धार्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरूप चाँद हुकुमचाँद प्रांत लिंग (अन्तरक)

2. श्री मतिलाल भाटार (अन्तरिती)

3. श्री सुन्दरलाल हीरालाल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बन्दू  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

38 नेताजी सुभाष रोड़ कल० में अवस्थित मकान का आर  
तल्ला जो 2740 वर्ग फिट है।

स० क० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफीअहमद किदवाई रोड़,  
अर्जन रेंज कलकत्ता-16

तारीख : 6-3-1976

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० एयकुजिसन रेज-1, कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1976

निदेश सं० टि० आर०-117/सि०- 117/कल-1 /75-76—

अतः मूर्ख, सं० क० चक्रबर्ती,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38 एक० तल्ला है तथा जो नेताजी सुभाष रोड स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नर्मेट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. स्याम सरूप चांद हुकुम चांद प्रा० लि० : (अन्तरक)
2. श्री चांद बाई भातार (अन्तरिती)
- (1) मेसर्स फकिरहन एंड को०
- (2) मेसर्स जे० कान्तिलाल एंड को० :
- (3) मेसर्स दाव एन्ड ब्रांदासर्स
- (4) मेसर्स दीनानाथ सान्देलवाल
- (5) मेसर्स सीम सुन्दर पोद्वार
- (6) राजित साउ
- (7) ए० एस० आबदुल्ला भाई एंड को०
- (8) बि० के० द्रेडासर्स,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

38 नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता में अवस्थित मकान का एक तल्ला जो 5200 वर्ग फिट है ।

सं० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायवार आयुक्त (निरीक्षण)  
54 रपोर्टरहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-3-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० एकुजिसन रन्ज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1976

निदेश सं० टि० आर० 118/सि०-116/कल-1/75-76—

अतः मुझे स० क० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38 तिन तल्ला) है तथा जो नेताजी सुभाष रोड स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गर्मनमेंट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री स्याम सरूप चांद हुकुम चांद प्रा० लि० (अन्तरक)

2. श्री सुरज देबी भातार (अन्तरिती)

(1) मेसर्स ईष्ट इन्डिया कर्मसिंगल को : प्रा० लि०

(2) मेसर्स ईन्डिस्ट्रियल एजेंसी

(3) एस० बोस एन्ड को :

(4) एसिमाल मारकेटिंग को : लि०

(5) मिसेस रतन देबी भाला

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरणः—इसमें प्रयत्न गद्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

प्रिमिसेज नं० 38 नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता अवस्थित मकान का तिन तल्ला जो 5200 वर्ग फिट है।

स० क० चक्रबर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-3-1976

मोहरः

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण),

कलकत्ता, एक्यू० रेज-1

कलकत्ता,-16 दिनांक 6 मार्च 1976

निवेश सं० टि० आर० 120/सि०-113/कल-1/ 75-76—  
अतः मुझे, सं० क० चक्रबर्ती

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38 (पांच तल्ला) है तथा जो नेताजी सुभाष रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नर्मेन्ट नार्थ प्रेस में रजिस्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरूप चांद हुकुम चांद प्रा० लि० (अन्तरक)

2. श्री रतन लाल भावर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38 नेताजी सुभाष कल० : में अवस्थित मकान का पांच तल्ला और रुफ का मात्र स्ट्राक्चर जो 730 वर्ग फिट (लगभग) है।

सं० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज  
54, रफीशहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 मार्च 1976

निदेश सं० टी० आर० 107/सि० 97/बम्बे/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 (प्लाट नं० 5 ए) है तथा जो रासित स्ट्रीट कलकत्ता स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारसंविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्बात :—

8—16 GT/75

1. श्री (1) कमला आर आधवाणी
- (2) किरण जि० आधवाणी
- (3) सरली एस० आधवाणी
- (4) पारबती आर० आधवाणी
- (5) कमल डि० आधवाणी
- (6) जेथी जे० आधवाणी
- (7) कविता एस० आधवाणी
- (8) सरस्वती आर० पुनताणी
- (9) मिलन के पुनवाणी
- (10) मोहन पि० ज्ञानजियाणी

सब लोग आयरेसेस एस्टेट, करपोरेशन का अंसीदार हैं।

(अन्तरक)

2. मिसेस हेना जगपाल सिंह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2 रसित स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित मकान का आपस रूम नं० 5 ए जो लगभग 707 वर्ग फिट है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

54 रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 8-3-1975

मोहर :

## प्ररूप आई०टी०एन०एस० —

१. श्री वीरयाच्चिनेनि वैकटरत्नम् होटल अ १०४ (१२८८)  
(ग्रन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

कक्षिताडा, दिनांक 4 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० ए० सी० क्य० 324 जे० नं० 106/क०  
आर०—यतः मुझे बिं विं सुब्बाराव

## आधिकार अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 20346 और 20348 है, जो विजयवाडा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-75

फ्रॉ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रासित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

2. श्री सूर्य देवर सीतारामया कपिलेखर फरम,  
गन्तव्यरमतालुक (अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगमन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-के में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

विजय वाडा रिजिस्ट्री अधिकारी से 31-7-75 पाकियन अंत में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2562/75 में निगमित अनुसूची संम्पत्ति ।

दिं० विं० शुक्रारात्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुवत्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेजे काकिनाडा

दिनांक : 4-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 4 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० एक्य० 325 जे० न० 144 एवं 115/के० आर०— यतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर न० 38-8-45 है, जो विजयबाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयबाडा में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विजयबाडा को 15-7-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अद्वा प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वात्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपाधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. (1) श्री किलारू गोपल राव  
(2) श्री किलारू विश्वेश्वर राव,  
(3) श्री किलारू मधूसुधन राव (मन्त्री)

2. श्रीमती किलारू वाणी और अप्ने तुलसमा (अन्तरिती)

4. श्री न० प० सिवलिंगेश्वर राव (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के माध्यम से कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयबाड रजिस्ट्री अधिकारी से 31-7-75 पालिक अंत में पंजीकृत दस्तावेज न० 2276/75 और 2277/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव;  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 4-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5 काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० ए०सी०क्यु सं० 326 जे० नं० 111/क०  
आर० 75-76—यतः मूँझे बि० वि० सुब्बाराव आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 449 गूनदला है, जो ए० सी०  
10-5-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 15-7-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
मत में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री वेंकटेश्वर श्यासी आलय विजयवाडा (अन्तरक)

2. श्री कनकदुर्गा गेजेटेड अफसरों का कोपरेटिव हीस बिसिंग  
सोसाइटी, विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-75 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2346/75 में निर्गमित अनुसूची संम्पत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकिनाडा

दिनांक 9-3-1976  
मोहर।

प्र० श्रीमती राजेन्द्र कौर, पत्नी श्री अवतार सिंह मोंगा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीजन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/  
जुलाई-१/८७३(२०)/७५-७६/८२०६—अतः मुझे, चं० वि०  
गुप्ते, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० एम०-१८९ है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(व) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती राजेन्द्र कौर, पत्नी श्री अवतार सिंह मोंगा,  
श्री परमीन्द्र सिंह मोंगा तथा श्री धमनजीत सिंह मोंगा,  
सुपुत्र श्री अवतार सिंह मोंगा, निवासी एफ-८०, भगत  
सिंह मार्किट, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- श्री इन्द्र जीत सिंह, सुपुत्र श्री भन्सा सिंह, मकान नं०  
७४८, गली नं० ११, सदर बजार, दिल्ली-६ ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षेत्राधिकारी के पास निखिल  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक प्रीहोल्ड एक मंजिला मकान जिसका नं० १८९, ब्लाक  
नं० 'एम' है और क्षेत्रफल ४०० वर्ग गज है, निवासी कालीनी  
ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली के बाहापुर गांव, दिल्ली नगर निगम के  
राजस्व क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	सर्विस लेन
पश्चिम	रोड़
उत्तर	मकान नं० एम-१८७
दक्षिण	मकान नं० एम-१९१

चं० वि० गुप्ते,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 27-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफ अली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 19 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०आर०—/948/सितम्बर(30)/75-76—प्रतः मुझे, चं० वि० गुल्मे, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्य०-121-ए है तथा जो ग्रेटर कलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उच-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि�०, 40-एफ०, कनाट प्लैस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री कैलाश चन्द्र पुनीश्रानी, (2) श्रीमती रीना पुनीश्रानी (3) श्रीमती कृष्णा कौर (4) श्रीमती जनक बुलारी, निवासी 46/3, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राप्त पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 1838 वर्ग गज है और नं० 121-ए, ब्लाक नं० 'डब्ल्य०' है, तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कलाश-II, नई दिल्ली के बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० डब्ल्य०-121

दक्षिण : अन्य की भूमि

चं० वि० गुल्मे,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19-3-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर-III/968/  
अक्षयकृ-1 (4)/75-76—

अतः मुझे चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी०-36-बी है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण 4 रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने, में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपषारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम लाल, सुपुत्र श्री पुनु लाल, निवासी एफ-15,  
कालकाजी, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. प्रामीला, पत्नी श्री रघुनाथ, निवासी मकान नं० ई-170,  
कालकाजी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी०-36-बी— जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गमज है,  
तीन तरफ से खुला है, उन सभी अधिकारों सहित कालकाजी,  
नई दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1

तारीख : 19 मार्च, 1976  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1976

निदश सं० आई० ए० सी०/एष्य०/III/एस०आर०-III/  
जुलाई०/384 (20)/75-76—अतः सम्भव, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 372 है तथा जो न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 14-7-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अस्ति:—

1. श्री एच० एच० अब्बासी, सुपुत्र श्री हरी राम अम्बवारी,  
निवासी ई-23, अमर कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता पी० भाटिया, पत्नी श्री प्रशोत्तम एस० भाटिया,  
तथा प्रशोत्तम एस० भाटिया, सुपुत्र श्री सोभराज भाटिया,  
निवासी 283, ई० एस०, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य अकित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

एक लीजहोल्ड सरकारी बनी जायदाद जिसका नं० 372  
है, और क्षेत्रफल 123-66 वर्ग गज है, डब्ल स्टोरी न्यू राजिन्द्र  
नगर, नई दिल्ली में उन सभी लीजहोल्ड अधिकारों सहित निम्न प्रकार  
से स्थित है:—

पूर्व : जी० बी० पी० (सरकारी बनी जायदाद)

पश्चिम : जी० बी० पी० (सरकारी बनी जायदाद)

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड

एस० सी० पारीजा,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, नई दिल्ली-1 दिल्ली।

तारीख : 15-3-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/111/एस०आर०-II (जुलाई०

970 (27)/75-76—

अतः मुझे एस० सी० पारीजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भजा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 28 बीघा तथा 16 बिसवा है तथा जो कादीपुर गांव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9-16 GI/76

1. श्री राम चन्द्र राना, सुपुत्र श्री नारायण सिंह निवासी कादीपुर गांव, दिल्ली-1 (अन्तरक)
2. श्री ओम प्रकाश, राम नारायण तथा राजिनद्र कुमार, सुपुत्र श्री धर्म सिंह, निवासी कादीपुर गांव, दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

एक कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा तथा 16 बिसवा है, खसरा नं० 1159 (4-16), 1160 (4-16), 1167 (4-16), 1168 (4-16), 1169 (4-16) तथा 1170 (4-16) है, कादीपुर गांव, दिल्ली में स्थित है।

एस० सी० पारीजा  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 मार्च, 1976

मोहर:

प्रकृत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-क, आसफ अली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली तारीख 17 मार्च 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/III/एस०आर० III/  
जुलाई०/३३९(1)/७५-७६—

अतः मुझे, एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कुकान नं० 78 है तथा जो देश बन्दु गुप्ता मार्किट, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः :—

1. श्री नन्द लाल, सुपुत्र श्री पूर्वी चन्द्र, निवासी 3/71, रमेश नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)
2. श्री विजय कुमार महाजन, सुपुत्र श्री त्रिलोक चन्द्र महाजन, निवासी कोठी नं० 9, रोओ नं० 10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सीजहोल्ड कुकान जिसका नं० 78 है, और क्षेफफल 267 वर्ग फुट है, देश बन्दु गुप्ता मार्किट, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1976  
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

4/14-ए० आसफाली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस०आर०-III/

जुलाई/343 (6)/75-76—

अतः मुझे, एस० सी० पारीजा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० दुकान नं० 48 है तथा जो देश बन्धु गुप्ता रोड,  
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूझ अनुसूची  
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1975

को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्खोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
चाहेरे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती-द्वारा प्रभाट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री परमा नन्द, सुपुत्र श्री तोपन दास,  
निवासी बी-49, जंगपुरा, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्री नन्द लाल सुपुत्र श्री पृथ्वी चन्द,  
निवासी 3/71, रमेश नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

### अनुसूची

1. एक लीजहोल्ड दुकान जिसका नं० 48 है, और क्षेत्रफल  
267 वर्ग फुट है, देश बन्धु गुप्ता मार्किट, करोल बाग, नई दिल्ली में  
स्थित है ।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, II दिल्ली-1

4/14-ए, आसपासी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 24 मार्च 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/II/1144/75-76--

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3, रोड नं० 27ए का 1/2 भाग है तथा  
जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्वे में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यदि 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमला, सुपुत्री एल० राम सरन दास,  
निवासी 27, कर्जन रोड, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्री सहदेव सिंह, सुपुत्र श्री दयाल सिंह,  
निवासी कोठी नं० 18, रोड सं० 5, पंजाबी बाग,  
नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 अविभाजित भाग जोकि 280  
वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 3, रोड नं०  
27ए है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार  
से स्थित है:—

पूर्व : रोड नं० 27ए

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० 1

दक्षिण : प्लाट नं० 5

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेजII, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 मार्च, 1976

मोहर :

प्रस्तुति आई ०८० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

4/1 ४-क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 मार्च 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एव्य०II/1143/75-76—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 3, रोड नं० 27ए का 1/2 भाग, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भ्रन्ति में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मती कमला, सुपुत्री एल० राम सरन दास, निवासी 28, कर्जन रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सहदेव सिंह, सुपुत्र श्री दयाल सिंह, निवासी कोठी नं० 18, रोड नं० 5, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवं का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 अविभाजित भाग जोकि 280 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 3, रोड नं० 27ए है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड नं० ८५

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० १

दक्षिण : प्लाट नं० ५

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 मार्च 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 24 मार्च 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/II/1142/75-76/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 86 का 1/2 हिस्सा है तथा जो ईस्ट एवेन्यू रोड,  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती  
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात् :—

1. श्री परदुमन सिंह, सुपुत्र श्री सुजान सिंह, निवासी 4-सी/7,  
रोहतक रोड, नई दिल्ली। इनके जनरल पावर आफ  
एटार्नी श्रीमती तेज कौर, पत्नी श्री एल० सुजान सिंह के द्वारा,  
निवासी 4-सी/7, रोहतक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री चमन लाल तथा श्री राम प्रकाश, सुपुत्र श्री दरगाए  
राम, निवासी 86, ईस्ट एवेन्यू, रोड,  
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

डाई मंजिला बिल्डिंग का 1/2 हिस्सा जो कि 379.96 वर्ग  
गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 86 है, ईस्ट  
एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, दिल्ली में है। यह बिल्डिंग निम्न  
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 84

पश्चिमी : रोड नं० 13

उत्तर : ईस्ट एवेन्यू रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 मार्च, 1976  
मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग नोटिस

सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1976  
नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1976

सं० एफ० 9/8/75-प० I (ख)---भारत के राजपत्र दिनांक 10 अप्रैल, 1976 में मत्रिमंडल सचिवालय (कार्यालय एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के अनुभाग अधिकारी ग्रेड तथा स्टेनोग्राफर ग्रेड I की चयन सूचियों में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अस्थाई, कलकत्ता, किल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 7 सितम्बर, 1976 से एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग, यदि थाहे, तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए उपायन्थ-II का पंरा 9)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है:—

## प्रवर्ग-१

केन्द्रीय सचिवालय सेवा का अनुभाग  
आधिकारी ग्रेड — 100\*

## प्रवर्ग-II

अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड  
 (भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख'  
 के सामान्य संवर्ग का समेकित ग्रेड II  
 और III )

प्रथम-III

## रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का अनुभाग अधिकारी ग्रेड

प्रधार्ण-IV

## केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा का प्रेड | -- 50\*

प्रवर्ग-V

भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के स्टेनोग्राफर उप-संवर्ग का ग्रेड I — 6' (अनुसूचित-जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित सम्मिलित है) ।

प्राचीग-IV

संशस्त्र सेना मुख्यालय स्टनोग्राफर 12—अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 4 और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।

\*उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मी-वारों के लिए यदि कोई रिक्तियाँ प्रारक्षित हों, तो उनकी संख्या सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी।

3. जो उम्मीदवार उक्त सेवाओं (नियम 3) के दो प्रवर्गों के लिए पात्र हैं और दोनों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं, वे केवल एक ही आवेदनपत्र भेजें। उपायंध I में उल्लिखित शुल्क एक बार ही देना होगा तथा आवेदन किए गए प्रत्येक प्रवर्ग के लिए पृथक शुल्क देने की आवश्यकता नहीं है।

ध्यान दें— उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों में उन प्रवर्ग/प्रवर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। हो प्रवर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र में वरीयता क्रम से दोनों प्रवर्गों का उल्लेख करना चाहिए।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहते थाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीश्वार्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीश्वार्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में आपस नहीं की जाएगी।

**नोट:**—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सम्मिलित समिति विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदनपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 24 मई, 1976 (24 मई, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 7 जून, 1976) तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग को उपावन्ध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपावन्ध-I के पैरा 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. यदि कोई उम्मीदवार, अनुभाग/अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975/भा० क्रि० से० 'ख' सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975/अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 में वैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे 1975 की परीक्षा के परिणामों की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि 1975 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसका नाम चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपावन्ध I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क की वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 30 जून, 1976 या 1975 की परीक्षा के अंतिम परिणामों की घोषणा की तारीख से पन्द्रह दिन के अन्दर, जो भी बाद में हो, प्रस्तुत कर दिया जाए।

8. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रुथी,  
उप सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

#### उपावन्ध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को

शुल्क के रूप में ₹ 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 7.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों अथवा स्टट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली पर देय बैंक ड्राफ्ट द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबंध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया था या वह श्रीशंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर 1964, को या उसके बाद भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं हैं।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे ₹ 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था और नोटिस के पैरा 7 में उल्लिखित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

#### उपावन्ध-II

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को छान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केवलों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेता चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश-स्थित भारतीय भिशन में परीका देना चाहता हो तो उसे अपनी पसंद के क्रमानुसार वो अन्य भारतीय भिशनों (वह स्वयं जिस देश में है उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी बैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। उम्मीदवार को, आयोग यदि चाहें तो, उसके द्वारा उल्लिखित तीन भिशनों में से किसी एक में परीका में भेंठने के लिए कह सकता है।

2(i) उम्मीदवारों को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए रेखा या बिन्दु आदि के रूप में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र, संभव है, अस्वीकार कर दिया जाए।

**नोट:**—उक्त परीका की नियमावली के परिणामित के पैरा 4 और 5 के अनुसार उम्मीदवारों को कुछ विषयों के प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प दिया गया है। उम्मीदवारों को अपने आवेदन प्रपत्र के कालम 8 में उस भाषा का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिसमें वे प्रश्न-पत्रों के उत्तर देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबंध किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है तो यह मान लिया जाएगा कि प्रश्नपत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखे जाएंगे।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

**नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।**

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 24 मई, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्ष्मीप में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ग्राउंडर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपावधि I)।
- आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(i) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ०×७ सें. मी. ०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।

(iv) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

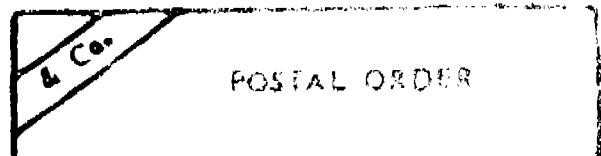
(v) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

**नोट:**—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मध्य ( ), (IV) तथा (V) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो संरक्षक के किसी राज्यपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीका के परिणामों के आधार पर व्यास्तित सेवा रिकार्ड के भूल्यांकन अथवा आशुलिपि परीका, के लिए अहृता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीका के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की शूल-प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के मध्यने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीका के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद आयोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार अपेक्षित शूल प्रमाण-पत्र मांगे जाने पर नहीं भेजेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई बाबा नहीं होगा।

मद (i) से (iii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (iv) और (v) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ग्राउंडर:—

प्रत्येक पोस्टल ग्राउंडर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



तथा इस प्रकार भरा जाए:— Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर विसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट-मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

**(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:**—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इन्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इन्डिया, पालियामेट स्ट्रीट नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

**नोट:**— जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 के बराबर) यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष “051 Public Service Commission—Examination Fees” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसायन लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

**(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:**— आयोग सामाज्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत वर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त बैंकलिपि प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा

प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अति रिक्त उस संरक्षा के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

**नोट 1:**—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

**नोट 2:**—उम्मीदवारों को धारा रखना चाहिए कि उनके हारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग हारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी भगाली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

**नोट 3:**—जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी नौकरी में हैं, उनकी सेवा-पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख के प्रमाण-स्वरूप स्वीकार किया जा सकता है :

**(iii) फोटो की दो प्रतियां:**—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. X 7 सें. मी.) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर लिपिका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

**ध्यान दें:**—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii) तथा 3 (iii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र श्राद्धि में से कोई एक संलग्न न हो और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र श्राद्धि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र

प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नांकित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* .....  
..... सुपुत्र/सुपुत्री/श्री .....  
जो गांव/कस्बा\* ..... जिला/मण्डल\* ..... राज्य/संघ राज्य  
क्षेत्र\* ..... के /की\* निवासी,  
..... जाति/जन जाति\* के हैं जिसे  
निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति  
के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950.\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)  
आदेश, 1951\*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची  
(आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम,  
1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश  
राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन),  
अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां  
आदेश, 1956\*

संविधान (ग्रांडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित  
जन जातियां आदेश, 1959\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित  
जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन  
जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश)  
आदेश, 1967\*

संविधान (गोआ, दमन और दीयु) अनुसूचित जातियां  
आदेश, 1968\*

संविधान (गोआ, दमन और दीयु) अनुसूचित जन  
जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश,  
1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* .....  
और/या उनका\* परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\* .....  
जिला/मण्डल\* ..... राज्य/संघ राज्य  
क्षेत्र\* ..... में रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर .....

\*\*पदनाम .....

स्थान ..... (कार्यालय की मोहर)  
तारीख .....

राज्य\*

संघ राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:— यहां “आम तौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ  
वही होगा जो “रिजेंटेशन आफ दि पीपुल  
ऐस्ट, 1950” की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी  
करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर  
डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/  
प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-  
डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/  
एम्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

(ii) प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे  
का नहीं )

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी  
मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

- (iii) रैवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्ष्मीप)।

5. (i) नियम 3 (ग) की मद (ii) या मद (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रज्ञ कर भारत आया है:—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क से छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रामाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 3 (ग) की मद (iv) या मद (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस प्राशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या

राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 3 (ग) की मद (vii) या मद (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 3 (ख) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित, प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फैंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(v) नियम 3 (ग) की मद (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मालवी, और और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीयों को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vi) नियम 3 (ग) की मद (ix) अथवा मद (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनर्वास, रक्षा भवालय से निम्नलिखित निर्धारित फ़ार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र, की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु

देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट..... के रैक नं०..... श्री..... रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अशांतिग्रस्त क्षेत्र\* में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर .....  
पदनाम .....  
तारीख .....

\*जो लागू न हो उसे कृपया काट दें।

6. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर बदल किए गए क्षुण्डे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

7. आवेदनपत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बाद का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

8. यदि परीक्षा से संबन्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र की पावती (एक्सालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

9. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं वहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ शोक सेवा

आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

10. केन्द्रीय सचिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1975 से पूर्व पांच वर्षों के दौरान में ली गई उक्त परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की बिक्री कंट्रोलर आफ प्रिलिसेशन, सिविल लाइन्स, दिल्ली-(110006) के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आडर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, 'सी' ब्लॉक, आबा खडगसिंह मार्ग नई दिल्ली-(110001), (ii) प्रकाशन शाखा बिक्री काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली-(110001) तथा संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-(110011), और (iii) गवर्नरमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन अभिकर्ताओं से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

11. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा-भत्ता नहीं मिलेगा।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म-तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा स्पष्ट अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान वें :—जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस आत की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पेरा 12 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस विधय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 10th March 1976

No. F.6/76-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri H. L. Chandramouli, Private Secretary to Hon'ble Judge at the disposal of the Mathew Commission of Inquiry with effect from the forenoon of 3 January, 1976, until further orders, on usual terms and conditions of deputation.

S. K. GUPTA  
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 12th March 1976

No. F.6/76-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri K. K. Sehgal, Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India, to officiate as Principal Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India with effect from the forenoon of 8 March, 1976 to 20 March, 1976 (both days inclusive) vice Shri S. Ganesan granted leave.

R. SUBBA RAO  
Deputy Registrar (Admn.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd March 1976

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis, as Junior Analyst in the Commission's office for a period of 3 months with effect from 1st March, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance's O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secretary  
for Secretary  
Union Public Service Commission

New Delhi, the 4th March 1976

No. A.11016/1/76-Admn.III.—Consequent on their reversion as Section Officer from the *ex-cadre* post of Section Officer (Special) in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 1-3-1976, the following officers assumed charge of the office of Section Officer in the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission w.e.f. 1-3-1976 (F.N.).

S. No.	Name
1.	Shri B. S. Kapur
2.	Shri B. N. Arora
3.	Shri K. L. Katyal

P. N. MUKHERJEE  
Under Secretary  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS  
ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 30th December 1975

## APPOINTMENT

No. A-14/40/75.—Shri P. B. Randive, an officiating Appraiser, Bombay Custom House is appointed as Chief Enforcement Officer in Bombay zonal office of this Directorate, with effect from 12-12-1975 (AN) and until further orders.

The 26th February 1976

No. E-3(6)/73.—Shri V. K. Rao Enforcement Officer on deputation at Calcutta Zonal Office is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in the Calcutta Zonal Office of this Directorate, with effect from 10-1-76 (A.N.) and until further orders.

The 5th March 1976

No. A-11/7/76.—Shri Krishan Baldev is appointed as Chief Enforcement Officer in the Jullundur zonal office of this Directorate, with effect from 28-2-1976 and until further orders.

S. B. JAIN  
Director

New Delhi, the 9th December 1975

## APPOINTMENT

No. A-11/34/75.—Shri E. S. Mukundhen, Inspector of Income Tax Madras is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Madras zonal office of this Directorate, with effect from 27-11-75 (AN) and until further orders.

The 22nd December 1975

No. A-11/36/75.—Shri V. S. Kanan Preventive Officer Custom House Madras is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Madras zonal office of this Directorate, with effect from 6-12-75 (forenoon) and until further orders.

The 30th December 1975

No. A-11/39/75.—Shri P. Shanmugam, Preventive Officer Grade-1 (ordinary Grade) is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Madras zonal office of this Directorate, with effect from 6-12-75 (AN) and until further orders.

The 20th February 1976

No. A-11/6/76.—Shri H. C. Anantharamaiah Inspector of Income Tax Bangalore is appointed as Enforcement Officer in the Goa sub-zonal Office of this Directorate, with effect from 11-2-76 (F.N.) and until further orders.

NRIPEN BAKSI  
Deputy Director (Admn.)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 10th March 1976

No. I-6/65-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri I. V. Ratna Rao, Deputy Superintendent of Police Central Bureau of Investigation on deputation from Andhra Pradesh, Police Department as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 27-2-1976, until further orders.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

New Delhi, the 18th March 1976

No. A-22014/57/761AD-I.—Deputy Inspector General of Police, Delhi, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Sunder Lal, an officer of Rajasthan State Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Jaipur Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 25-2-1976, until further orders.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (E)  
for Deputy Inspector General of Police  
Special Police Establishment

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 17th March 1976

No. O-II-56/69-Estt.—On the expiry of 103 days L.P.R. w.e.f. 2-2-76 to 14-5-76 granted to him, Shri P. N. Panickar Commandant, group Centre CRPF Trivandrum will stand retired from Government service w.e.f. 14-5-1976 (AN).

The 19th March 1976

No. O-II-709/69-Estt. (CRPF).—Consequent on his repatriation to Central Health Service, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) New Delhi, Dr. B. P. Banerjee, relinquished charge of the post of GDO Gd. I, in the CRPF on the afternoon of 28th February, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE  
New Delhi-110003, the 23rd February 1976

No. E-38013(1)/4/75-Ad.I.—On transfer from Calcutta, Shri P. P. Singh, IPS (Bihar-1956) assumed the charge of the post of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the Afternoon of 28th January 1976.

L. S. BIST  
Inspector General

## MINISTRY OF LABOUR

## LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 10th April 1976

No. 23/3/76-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 decreased by eight points to reach 290 (Two hundred and ninety) during the month of February, 1976. Converted to Base: 1949=100 the Index for the month of February, 1976 works out to 352 (Three hundred and fifty two).

A. S. BHARADWAJ  
Joint Director

## DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 17th March 1976

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969 :

## Under Class 2—NITRATE MIXTURE

- (i) in the entry "MONOEX" for the figures "1976" the figures "1977" shall be substituted;
- (ii) in the entry "PULVEREX" for the figures "1976" the figures "1977" shall be substituted.

## Under Class 6 Division-2

- (i) add "MULTI FUSE IGNITERS for carrying out trial manufacture and field trials at specified locations upto 31st March 1977" before the entry "NOBEL SHAPED CHARGES".

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7), dated the 11th July, 1969, add the following :

## Under Class 3—Division 1

1. Add "SOLIPRUF for carrying out trial manufacture, test and field trials at specified locations upto 31st March, 1977" after the entry "SOLIGEX".

I. N. MURTY  
Chief Controller of Explosives

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &amp; DISPOSALS

## (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 17th December 1975

No. A-1/1(61).—Shri P. Nath permanent Deputy Director General and officiating as Additional Director General in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 1st March 1976

No. A-1/1(1047).—The Director General of Supplies & Disposals, New Delhi hereby appoints Shri G. Rama Murty, Dock Inspector in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same office at Calcutta with effect from the forenoon of 2nd February, 1976 and until further orders.

2. The appointment of Shri Rama Murty as Asstt. Director (Grade II) is temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 4th March 1976

No. A-1/1(1000).—The President is pleased to accept the resignation of Shri A. C. C. Unni, Deputy Director (Litigation) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 18th February, 1976 to take up his new appointment to the post of Deputy Official Liquidator in the office of the Official Liquidator High Court, Calcutta under the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs).

2. In terms of Rule 26 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 the resignation of Shri Unni from the post of Deputy Director (Litigation) shall not entail forfeiture of his past service as he has resigned to take up with proper permission for another appointment under the Govt.

The 5th March 1976

No. A-1/1(1041).—The President is pleased to appoint Shri Anil Kumar Maheshwari nominated on the results of the Engineering Services Examination, 1974 on probation in Grade III of the Indian Supply Service (Class I) with effect from the forenoon of 11th February, 1976 and until further orders.

Shri Maheshwari has assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the forenoon of 11th February, 1976.

K. L. KOHLI  
Deputy Director (Administration)

(ADMN. SEC. A-6)

New Delhi, the 1st March 1976

No. A-6/247(314)/61.—Shri P. C. Guha Roy, Permanent Asstt. Inspecting Officer (Met. Chem.) in the Jamshedpur Inspection Circle of this Directorate General of Supplies and Disposals retired from Govt. service with effect from the 31-1-1976 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 5th March 1976

No. A-17011/91/75-A6.—On reversion to the post of Examiner of Stores (Tex.) Shri O. P. Malhotra relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the office of Dv. Director of Inspection Kanpur under N.I. Circle, New Delhi on the forenoon of 16-2-1976.

The 8th March 1976

No. A-17011/95/76-A6.—On reversion to the post of Examiner of Stores (Tex.) Shri J. L. Mahana relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the office of the Director of Inspection N.I. Circle, New Delhi on the forenoon of 16-2-76.

SURYA PRAKASH  
Dy. Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 1st March 1976

No. 2222(TMB)/19A.—Shri T. Manohar Babu, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3rd January, 1976, until further orders.

No. 2222(RKS)/19A.—Shri Ramesh Kumar Singhai is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th January, 1976, until further orders.

No. 2222(SA)/19A.—Shri S. Anantharaman is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 8th January, 1976, until further orders.

The 2nd March 1976

No. 2586(AKK)/19A.—Shri A. K. Kundu, Stores Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 31st January, 1976 (afternoon).

The 10th March 1976

No. 2339(RKM)/19B.—Shri R. K. Mathur, M.Sc. is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23rd January, 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN  
Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th March 1976

No. A19011(99)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri V. D. Kher, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines as Senior Mining Geologist in an officiating capacity in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 23rd February, 1976 until further orders.

No. A 19011(181)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Lihipande to the post of junior Mining Geologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13th February, 1976 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY  
Sr. Administrative Officer  
for Controller

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th March 1976

No. 6(88)/63-SI.—Shri A. C. Mazumdar, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Silchar relinquished charge of his post on the afternoon of the 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive in the Television Centre, All India Radio, Calcutta.

R. DAVASAR  
Deputy Director of Administration  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 11th March 1976

No. 5/16/70-Estt.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri D. R. Haldankar Officiating Assistant Newsreel Officer, Films Division, New Delhi, to officiate as Cameraman in the same office with effect from the forenoon of the 15th January, 1976, vice Shri V. P. Parmar, transferred to Bombay.

M. K. JAIN  
Assistant Administrative Officer  
for Chief Producer

## DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi-110011, the 15th March 1976

## PUBLIC NOTICE

## NATIONAL FILM FESTIVAL

No. 1/69/75-FFD-I.—In pursuance of rules 3 and 6 of the Rules concerning National Film Festival Notified in the Resolution of the Government of India, Directorate of Film-Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, No. 1/69/75-FFD dated the 15th March, 1976 entries for the National Film Festival are hereby invited in respect of the following categories of Indian films certified for public exhibition during the calendar year 1975 :—

## I. FEATURE FILMS

- (a) Best Feature Film of the year.
- (b) Best Feature Film on National Integration.

## II. CHILDREN'S FILM

Best Children's Film of the Year.

## III. SHORT FILMS

- (a) Best Information Film (Documentary).
- (b) Best Educational/Instructional Film.
- (c) Best Social Documentation Film (dealing with an objective analysis and presentation of a contemporary social problem).
- (d) Best Commercial Promotional Film (Advertisement).
- (e) Best Promotional Film (Non-commercial).
- (f) Best Experimental Film.
- (g) Best Animation Film.

2. The entries in respect of feature films as mentioned above as well as in other categories may be made by the producer(s) or any other person(s) duly authorised by him (them) in this behalf, upto 15th April, 1976. The entries should be made in duplicate in the form prescribed in the schedule annexed by the Rules referred to above. The entry forms in respect of feature films, short films and children's films shall be accompanied by a treasury chalan of Rs. 100/- in the case of films exceeding 1000 metres in length in 35mm and 400 metres in 16mm and of Rs. 50 in the case of films shorter in length than the above mentioned limit respectively. The above amount should be credited to Central Government Account under the Major Head "085 Information and Publicity-Receipts from Films".

3. Entries in respect of the various categories of films should be addressed to the Director, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annex, New Delhi-110011.

*The prints will be delivered at such place as and when advised by the Directorate of Film Festivals*

4. All entries will be accompanied by 50 copies each of the synopses complete with cast together with 5 copies of the script in the language of the film, together with 5 copies of English or Hindi rendering thereof; and 30 copies of the songs, if any, in the language of the film, together with their 30 copies of free translation in English or Hindi and 6 stills with the relevant publicity material in addition to the print at the cost of the entrant. The print should be sent duly add-

ressed to Director, Directorate of Film Festivals, Vigyan Bhavan Annex, New Delhi and should reach there latest by 30th April, 1976.

5. Copies of Rules for National Film Festival and Entry Forms can be had from the following :—

1. Directorate of Film Festivals,  
Ministry of Information & Broadcasting,  
Vigyan Bhavan Annex, New Delhi.
2. The Regional Officer,  
Central Board of Film Censors,  
35-Haddows Road, Bombay-6.
3. The Regional Officer,  
Central Board of Film Censors,  
35-Haddows Road Nungambakkam, Madras-6.
4. The Regional Officer,  
Central Board of Film Censors,  
3, Esplanade East, 3rd Floor, Calcutta-1.

6. The maximum length of a children's film for the purpose of entry for the award shall be 3,400 metres in 35mm or 1,350 metres in 16mm. The maximum length of a film to be entered under the broad categories 'Short Films' shall be 1000 metres in 35mm or 400 metres in 16mm except in the case of Information Film (Documentary). A film entered as a children's film will not be eligible for entry as a feature film or vice-versa.

A. K. VERMA  
Director  
Directorate of Film Festivals

New Delhi-11001, the 15th March 1976

**RESOLUTION**

No. 1/69/75-FFD.—The following Rules are notified for regulating the National Film Festival 1976.

1. These Rules shall be called Rules for the National Film Festival 1976.
2. The object of these awards is to encourage the production of films of high aesthetic and technical standard and of social, educational and cultural values.
3. The following categories of awards will be available under these rules :

**I—FEATURE FILMS**

- (i) *Award for the National Best Feature Film*  
Gold Lotus for the National Best Feature film of the year and a cash prize of Rs. 40,000 to the Producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 15,000 to the Director.
- (ii) *Award for the second National Best Feature Film*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 15,000 to the Producer and Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the Director.
- (iii) *Special Award for the Best Feature film on National Integration*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 30,000 to the Producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the Director.
- (iv) *Special Award for Feature Film with mass appeal wholesome entertainment and aesthetic value*  
A Gold Lotus to the Producer and a Silver Lotus to the Director.
- (v) *Award for the Best Feature Film in each regional language*

Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the Producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the Director of the best feature film in each language viz., Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialect like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Marathi (including Konkani), Gujarati, Punjabi, Kashmiri, Sindhi and English; Bengali, Assamese, Oriya and Manipuri—Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

- (vi) *Award for Excellence in Direction*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 20,000 to the best director of the year.
- (vii) *Award for Excellence in Cinematography (B & W)*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the best Cameraman of a black and white film.
- (viii) *Award for Excellence in Cinematography (colour)*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the best Cameraman of a colour film.
- (ix) *Best Actor of the Year Award*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actor.
- (x) *Best Actress of the Year Award*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actress.
- (xi) *Best Child Actor/Actress of the Year Award*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the best child actor or actress who is not more than 16 years in age.
- (xii) *Best Male Play-Back Singer of the Year Award*  
Silver Lotus to the best male-play singer.
- (xiii) *Best Female Play-Back Singer of the Year Award*  
Silver Lotus to the best female play-back singer.
- (xiv) *Best Music Director of the Year Award*  
(AN AWARD TO RECOGNISE ORIGINALITY OF SCORE)  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the best music director.
- (xv) *Best Screenplay of the Year Award*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the best script writer.
- (xvi) *Best Story of the Year Award*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the best story writer.
- (xvii) *Best Lyric of the Year Award*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the author of the best film song on the theme of national integration.
- (xviii) *Best Children's Film of the Year Award*  
Gold Lotus and a cash prize of Rs. 15,000 to the Producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 to the Director.

**II SHORT FILMS**

- (i) *Best Information Film (Documentary)*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (ii) *Best Educational/Instructional Film*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (iii) *Best Social Documentation Film (Dealing with an objective analysis and presentation of a contemporary social problem)*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (iv) *Best Commercial Promotional Film (Advertisement)*  
A Silver Lotus each to the producer and the director.
- (v) *Best Promotional Film (Non-Commercial)*  
(For the best promotional film on subject of national importance e.g. National Integration, social justice, co-operation; savings; dynamics of Development including agricultural practices etc.)  
A Silver Lotus each to the producer and the director.
- (vi) *Best Experimental Film*  
Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

(vii) *Best Animation Film*

Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Silver Lotus and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

## III DADASAHEB PHALKE AWARD

(Special award for outstanding contribution to the cause of Indian cinema).

Gold Lotus and a cash prize of Rs. 20,000 and a shawl.

**EXPLANATION :** The term, 'Producer', 'director', 'cameraman', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'play-back singer', 'music director', 'screen-play writer'/script writer', 'story writer', and 'Lyric writer' used in these rules will be construed as referring to the 'producer', 'director', 'cameraman', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'play-back singer', 'music director', 'screen-play writer'/script writer', 'story writer' and 'lyric writer', as the case may be, as given in the credit titles of the film entered in the competition duly certified by the Central Board of Film Censors.

4. (a) No award will be given to the producer or director of a film in a category for which the number of entries received is less than two.
- (b) Government may, at its discretion, give the cash prize in the form of National Savings Certificate or any other similar certificate issued by the Government of India.
- (c) The producer of a feature film which wins an award under Rule 3 will be granted by the Central Government an additional sum of Rs. 3,000 on his getting that film sub-titled in any other language.

5. All Indian films certified for public exhibition by the Central Board of Film Censors in the preceding calendar year will be eligible for entry. A declaration to that effect shall be made by the producer or any other duly authorised person in the form contained in the Schedule hereto annexed.

A film will be entered for awards only in one of the categories mentioned under Rule 3, viz., the best feature film, the best national integration film, the best social documentation film, the best children's film the best information film, the best educational/instructional film, the best promotional film, the best experimental film and the best animation film.

6. (a) Entries for the awards will be invited every year by a date to be specified by the Central Government in a notification to be published in the Gazette of India.
- (b) Every application for entry shall be made on the form contained in the Schedule to these Rules and be accompanied by an entry fee of Rs. 100/- in the case of films exceeding 1000 metres in length in 35 mm and 400 metres in 16 mm and Rs. 50 in the case of films shorter in length the above mentioned limit. This fee shall not be refundable.
- (c) Each entrant will submit, at his cost, to the Director, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annexe, New Delhi or to any other authority as may be specified :
- (f) Only one of the version of a film, which is made of Film Censors at the time and place indicated by such Regional Officer or authority;
- (ii) 50 copies each of the synopses and 5 copies of the script in the language of the film, together with 5 copies of English or Hindi rendering thereof; and 30 copies of the songs, if any, in the language of the film, together with their 30 copies of free translation in English or Hindi and 6 stills with the relevant publicity material.
- (d) The decision of the Government of India whether a film is eligible to be entered for the awards and whether any film is a feature film, national integration film, children's film, information film, educational/instructional film, experimental film, social

documentation film, promotional film, animation film for the purpose of entry for the awards, will be final.

- (e) A film which is dubbed version, retake or an adaptation of a film, which has already been entered into a State/National Film Awards Competition, instituted by the Central Government will not be eligible for consideration for award in any of the categories under Rule 3 (i), (ii), (iii), (iv), (xvi), (xv), (xviii) but would be eligible for award under categories pertaining to excellence in direction, cinematography, acting, play-back singing, music direction and lyrics.
- (f) Only one of the versions of a film, which is made in several languages, can be entered for award.
- (g) The maximum length of a children's film for the purpose of entry for the award shall be 3,400 metres in 35 mm or 1,360 metres in 16 mm. The maximum length of a film to be entered under categories II Rule 3 shall be 1000 metres in 35 mm and or 400 metres in 16 mm except in the case of information film (documentary).
- (h) The last date of entry may be relaxed at the discretion of the Government of India in exceptional cases.
- (i) No film which has not been entered for the National Film Festival will be considered eligible for these awards.

7. All transport costs on the consignment and return of the film and publicity material will be payable by the entrant.

8. All films will be submitted at the owner's risk and while the Government will take every reasonable care of the film submitted, it cannot accept responsibility for any loss or damage to the film while in its possession.

9. The awards will be decided by the Government on the recommendations of the National Jury for Feature Films and the National Jury for Short Films appointed by the Government. These Juries will make their recommendations to the Government.

10. The composition of the National Jury for Feature Films will be as follows :—

- (a) A Chairman nominated by the Government; and
- (b) Not more than 24 persons, distinguished in the field of arts and humanities including film and qualified to judge the thematic and artistic merits of films including presentation, direction and technical values, nominated by the Government.

11. A panel of not more than 3 persons shall be constituted by the Chairman out of the members of the National Jury for Feature Films to examine films in each language. No separate panel shall, however, be constituted for a particular language if the number of entries in that language is less than three. The film(s), in that event, shall be grouped with another language of the region concerned having greater affinity with that language.

12. Each panel will recommend to the aforesaid National Jury for Feature Films not more than three films considered suitable for awards without indicating order of merit. If, however, in the opinion of the panel, a particular film excels over other films examined by it meriting consideration of awards meant for individual achievements the particular category in that event may be specified along with the title of the film.

13. A special panel of not more than five members out of the members nominated on the aforesaid National Jury for Feature Films will be constituted by the Chairman for examination of films entered for Children's Film Award and recommend to the aforesaid National Jury not more than three films, without indicating order of merit.

14. The National Jury for Feature Films will thereafter view all the films recommended by the various language panels and the panel for the Children's films and recommend films for various categories of awards.

## 15. NATIONAL JURY FOR SHORT FILMS :

The National Jury for Short Films consisting of 5 members, including the Chairman, will be constituted by the Government for examination of entries under the categories of information

films (documentary), educational/instructional films, social documentation films, promotional films, (commercial and non-commercial), experimental and animation films. The Jury shall make its recommendation to the Government direct.

16. Notwithstanding anything contained in rules 10 and 15 of these Rules, the Government may nominate on any of the two National Juries such number of additional members not exceeding 5 as may be considered necessary to ensure adequate representation of members, knowing each language in which films are adjudged or having specialised background.

17. Both the National Juries may determine their own procedure for the examination of films.

18. The quorum of the two National Juries shall not be less than half of the number of members nominated.

19. The members of the two National Juries in addition to the travelling and daily allowance as admissible under the rules, shall also be entitled to receive consultancy fee at prescribed rate for attending the meetings/preview of films in connection with the National Film Festival.

20. The Award for outstanding contribution to the cause of Indian Cinema under rule 3 III if these Rules shall be decided by Government of India whose decision in the matter shall be final.

21. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of the National Jury for Feature films and the National Jury for Short Films from making a recommendation that none of the films in a particular language or category or that none of the Screen-play Writer, Story Writer, Director, Cameraman, Actor, Actress, Child Actor, Play-back Singer, Music Director and Lyric Writer of the feature films examined by them is of a standard adequate for an award.

22. Government shall be entitled to retain one print of the film entered for the Awards and which receives an award. The cost of the print *viz.* the cost of raw material and

processing charges, will be reimbursed to the producer, reimbursement being made only if a brand new print is made available.

23. If a person winning an Award for Excellence in Direction also happens to be the director of a film winning award for the National Best Feature film or the Second best feature films or the Best Feature Film on National Integration as also for the Regional Awards, he will receive award only in one capacity, carrying a higher cash prize.

24. If the producer and the director of an award-winning film happens to be the same person and eligible for award in both capacities, he will be given an Award either as a producer or a director and not both.

25. The producer of the film entered for the Award shall have no objection to the screening of the film for the National Juries or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Government may organise. The proceeds, if any, shall be credited to the Government revenues.

26. The members of both the National Juries shall treat the deliberations and recommendations of the Jury as confidential.

27. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to be disqualified. Any member of the two National Juries found canvassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the jury.

28. The decisions of the Government of India in respect of the Awards and of interpretation of these rules shall be final and no appeal shall lie against them.

29. The Awards will be made annually at a function for the presentation of the Awards which will be held at such place and on such dates as Government may determine.

30. A person who participates in the National Film Festival under these Rules shall be deemed to have accepted these Rules.

## SCHEDULE TO THE NATIONAL FILM FESTIVAL RULES

To

The Director,  
Directorate of Film Festivals,  
Vigyan Bhavan Annexe,  
Maulana Azad Road,  
New Delhi-110011.

*ENTRY FORM FOR NATIONAL FILM FESTIVAL*

1. I wish to enter the following film for the National Film Festival, 1976 :—

(i) Title of the films . . . . .

(ii) Classification: Feature/Children's/Documentary/Educational/ Instructional/ Social Documentation/Promotional (Advertisement)/Promotional (Non-commercial) /Experimental/Animation Film : . . . . .

(iii) Language of the film . . . . .

(iv) Length, gauge and running time of the film . . . . .

(v) Number of reels . . . . .

(vi) Black & White/Colours . . . . .

(vii) Classification of the film in the Censor Certificate : whether 'A' or 'U' . . . . .

(viii) Name and full address of the Producer (with telephone number and telegraphic address, if any) . . . . .  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

(ix) Name and full address of the Director . . . . .  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

(x) Name and full address of the story writer . . . . .

(xi) Name and full address of the screen-play writer/script writer \_\_\_\_\_

(xii) (a) Name and full address of the leading male and female artist \_\_\_\_\_

(b) Name and full address of the child artist (if any) of an age not exceeding 16 years

(xiii) Name and Full address of the play back singer : . . . . .

(a) Male singer \_\_\_\_\_  
(b) Female singer \_\_\_\_\_

(xiv) Name and full address of the cameraman . . . . .

(xv) Name and full address of the music director . . . . .

(xvi) Name and full address of the lyric writer . . . . .

(xvii) Number and date of certificate of exhibition issued by the Central Board of Film Censors \_\_\_\_\_

(xviii) Date of release \_\_\_\_\_

(xix) If the film is a dubbed version an adaptation or a retake of another film particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake \_\_\_\_\_

2. I have read the rules governing these awards and agree to abide by the same.
3. I declare that I have been duly authorised by the producer of the film to make this entry (to be made in case the person making the entry is not the producer).
4. I certify that the film is not a dubbed version, a retake or an adaptation of a film which has already been entered earlier for a State/National Award and the print which is being submitted as entry is exactly in the form in which it has been certified by the Central Board of Film Censors.
5. I further certify that the statements made above are true to the best of my knowledge and belief.

*Date* \_\_\_\_\_

*Signature* \_\_\_\_\_

*Place* \_\_\_\_\_

*Address* \_\_\_\_\_

**NOTE :** The information should be the same as given in the credit title of the film. The title of the film and names of producers, directors and technicians etc. should be given in English as well as in Hindi.

## FORM ITNS —

(1) Smt. Sarojben Chandulal Shah

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-V,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR.V/(344/1)/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land bearing No. 205, T.P.S. No. III situated at Gharkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Vishwa Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd.  
(Transferee)

(4) List of Flat Owners : Members of the Society.

1. L. N. Mehta
2. Smt. L. N. Mehta
3. V. M. Karya
4. Mrs. J. M. Shah
5. K. V. Khatri
6. I. N. Shah
7. S. D. Rawal
8. Smt. P. J. Chheda
9. Shri R. J. Shah
10. R. A. Bhagat
11. Smt. S. S. Loya
12. Shri M. B. Mehta
13. Smt. S. K. Vashi
14. Smt. Z. M. Kamdar
15. M. S. Shah
16. R. A. Shah
17. N. M. Malani
18. V. A. Shah.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land, or ground, together with the structure standing thereon situate and lying and being at Ghatkopar, containing by admeasurement 770 sq. yards or thereabouts equivalent to 643.8 sq. metres and registered under plot No. 205 (final) in the Town Planning Schemes No. III Ghatkopar, which was sanctioned to take effect from 1st day of April, 1959 under the Government Notification Local Self and Public Health Department, No. T.P.B. 3758-M dated 15th day of September, 1958 published at Page 2815, in part I.B.D.S. of the Bombay Government Gazette, dated 25th September, 1958 and being under Serial number 103, of the said Town Planning Scheme and formerly forming a part of the original Plot No. 120 and bounded as follows: that is to say on or towards North, by fifty feet wide road, on or towards the South by Plot No. 204, of the Town Planning Scheme No. III Ghatkopar, on or towards the EAST by Plot No. 206, of the T.P. Scheme No. III Ghatkopar and on or towards the West by sixty feet wide road.

J. M. MEHRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 12-3-76  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR.V/349/6/75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13, S. No. 142 Part 3 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 5-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Eknath Ramchandra Borkar,  
2. Shri Laxmikant Ramchandra Borkar,  
3. Shri Manik Ramchand Borkar,  
4. Shri Chandrasekhar Ramchandra Borkar and  
5. Smt. Sitabai Prabhakar Tendulkar  
(Transferor)
- (2) The Mangesh Mahalaxmi Co-op. Hsg. Soc. Ltd.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of free hold vacant agricultural land or ground situate lying and being at Village Nahur, Mulund (T Ward), Bombay, within the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban Taluka South Salsette, and bearing Plot No. 13 out of Survey No. 142 Part 3 of Nahur admeasuring 541.25 sq. yards 501.267 square metres and bounded as follows :—

On the east by Plot No. 9,  
On the West by 30' proposed Mahadeo Road,  
On the South by Plot of land of Mazagaon Dock Employees' Co-operative Housing Society Ltd. and  
On the North of Plot No. 12 out of Survey No. 142 Part 3 of Nahur.

J. M. MEHRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-V,  
Ayurvedik College Building,  
Netaji Subhash Road, Bombay-400002.

Date : 12-3-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Leo Stephen John Anthony, Pericra  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Anubhav Builders  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-2  
Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. ARV./355/12/75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 46, Hissa No. 39 (Part)  
situated at Kirol Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 9-7-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEQUE

All that piece or parcels of agricultural land situate, lying and being at Revenue Village Kirol, Taluka Kurla, Bombay Suburban District, Bombay in the Registration Sub-District Bandra, and Registration District Bombay and within the limits of the Municipal Corporation of Greater Bombay, containing Survey No. 46, Hissa No. 39 (Part) admeasuring 1288sq. mtrs. (1542 sq. yds.)

J. M. MEHRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
Ayurvedik College Building  
Near Charni Road Station,  
Netaji Subhash Road, Bombay-2.

Date : 12-3-76

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Dharampal Mehra,  
2. Shri Vedprakash Mehra  
3. Shri Devprakash Mehra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Subhash Silk Mills Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR.V.362/19/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 52, H. No. 3 situated at Mohilli Kurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All those the pieces of parcels of land or ground situate, lying and being in Village Mohilli, Kurla in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay containing by admeasurement 18541 square yards equivalent approximately to 15502.13 sq. mtrs. or thereabouts and bearing Survey No. 52, Hissa No. 3, Survey No. 61, Hissa No. 3 (Part) and 4 (Part), Survey No. 18 Hissa Nos. 1, 2, 3, 4, 5 (Part) and 7 (Part) and bearing City Survey Nos. 695, 695/G, 665(Part), 683(Part), 662, 663 and 684 of City Survey Sheet No. 20 and 27 of Mohilli Village and bearing Plot No. 4 5 and 6 of the private lay out sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay under No. T.P./LO/203 1960-61 dated 30th December, 1960 and bounded as follows that is to say on or towards the East by Municipal Pipe Line, on or towards the West partly by a nala and partly by land bearing survey No. 61, Hissa No. 5A On or towards the North by Nala and on or towards the South partly by land bearing Survey No. 18 (Hissa No. 7)(Part) and partly by land bearing survey No. 61, Hissa No. 5A.

J. M. MEHRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
Ayurvedik College Building  
Near Charni Road Station.  
Netaji Subhash Road, Bombay-2.

Date : 12-3-76

Seal .

## FORM ITNS—

(1) Shri Mehra Burjorji Poonagar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,  
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION  
BOMBAY-2

Bombay-400002, the 9th March 1976

Ref. No. AR-I/1217-6/July 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. I.C.S. 1/A56 of Tardeo Division situated at Sleater Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—  
12—16GI/76

(2) Shri Nagindas H Rathod

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing Plot No. 1 together with structures or building known as Hormuzd Building standing thereon admeasuring 493.59 square metres or thereabouts and situated on the eastern side of Sleater Road now known as Noshir Bharouha Road near Grant Road Railway Stn. in the City of Bombay in the Registration Sub-Dist. of Bombay bearing Cadastral Survey No. 1A/56 of Tardeo Division and bounded on or towards the East and South by the Western Railway Yard on or towards the East by Sleater Rd. now known as Noshir Sharucha Rd. and on or towards the North by Plot No. 2 bearing Municipal D Ward No. 3681 (7F) St. No. 27.

V. R. AMIN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Ayurvedic Hospital Building, 5th Floor  
Near Charni Road Station, Bombay-2.

Date : 9-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dolat Framroz Balsara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,  
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD, STATION  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 9th March 1976

Ref. No. AR-I/1218-7/July 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. I.F/56 of Tardeo Division, situated at Grant Rd. Bombay-7 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Narendra Nagindas Rathod.

(Transferee)

(3) Tenants

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 6 at Sleater Rd. now known as Naushir Bharusha Rd. at Grant Rd. Bombay-7 with bldg. known as 'Dhumbad Building' thereon standing viz. all that piece or parcel of land or ground known as Plot No. 6 and admeasuring 538.77 sq. metres or thereabouts together with the messes tentaments or dwelling house known as Dhanbad Building standing thereon and situate on the eastern side of Sleater Rd. (now known as Naushir Bharucha Rd) near Grant Road Railway Station bearing Cadastral Survey No. I.F/56 the Tardeo Division and bounded as follows:

On or towards the East by Plot No. 7 and beyond that by the B.B. & C.I. Railway line.  
On or towards the West by the said Sleater Rd.  
On or towards the North by Plot No. 9 and  
On or towards the South by Plot No. 5 and bearing Municipal D Ward No. 3681(7A) and St. No. 17.

V. R. AMIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ayurvedic College Building, 5th Floor,  
Near Charni Road Station, Bombay-  
400002.

Date : 9-3-1976

Seal :

## FORM JTNS

(3)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,  
5TH FLOOR, Room No. 524,  
NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.212/75-76.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 291, H. No. 1, and S. No. 292 H. No. 14 situated at Kole Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachmandas Sewaram,  
Raheja House, Khar, Bombay-400052.  
(Transferor)

(2) Neel Shantiniketan Co-op. Housing Society Ltd.  
C.S. Track Road, Manipada, Kalina, Santa Cruz,  
Bombay-400029.  
(Transferee)

Sl. No	Name	Bldg. No.	Flat No.	Address
1	2	3	4	5
1.	A. D'Silva	A	1	Neel Shantiniketan Co-op. Housing Society Ltd., C. S. Track Road, Manipada, Kalina, Santa Cruz, Bombay-400029.
2.	Mani Ramchandran	„	2	Do.
3.	M.S.G. Menon	„	3	Do.
4.	G.L. Panesera	„	4	Do.
5.	I.U. Pai	„	5	Do.
6.	E.J. Nazerath	„	6 & 7	Do.
7.	Mrs. I.M. Hate	„	8	Do.
8.	Mrs. P.K. Vanja Gopal	„	9	Do.
9.	B. D'Cruz	„	10	Do.
10.	P.T. Fernandez	„	11	Do.
11.	G. Dayaram Lad	„	12	Do.
12.	Dr. S. Chatterji	„	13	Do.
13.	Mrs. D. D'Costa	„	14	Do.
14.	Mrs. Urmila Shinde	„	15	Do.
15.	Chhabria Chatterjee	„	16	Do.
16.	S. Nijasure	„	17	Do.
17.	C.M. Demello	„	18	Do.
18.	Dr. Subanha Chakravarti	„	19	Do.
19.	Milan Chakravarti	„	20	Do.
20.	M.V.C. Mani	„	21	Do.
21.	Mrs. K.H. Laheja	„	22	Do.
22.	Mr. Joseph Pais	„	23	Do.
23.	X.T. Rodrigues	„	24	Do.
24.	Mrs. Freny Pesi Contractor	„	25	Do.
25.	Mrs. L. White	„	26	Do.
26.	Mrs. Satwant Kaur	„	27	Do.
27.	M/s. Metro Playing Cards Co.	„	28	Do.
28.	A.P. Swar	„	29	Do.
29.	Mrs. R.V. Banodkar	„	30	Do.
30.	Dr. Subash Chatterjee	„	31	Do.
31.	Rajaram N.	„	32	Do.
32.	R. V. Iyer	„	33	Do.
33.	Mrs. A. Thomas	„	34	Do.
34.	Mrs. Sayeed R. Shah	„	35	Do.
35.	K.V. Raman	„	36	Do.
36.	K. Venkateswaran	„	37	Do.
37.	Mrs. Shanti Bose	„	38	Do.
38.	A.J. Oliver	„	39	Do.
39.	Mrs. G. Ramani	„	40	Do.
40.	G. Matharu	„	41	Do.
41.	P.U. Gurnani	„	42	Do.
42.	S. G. Pai	„	43	Do.

1	2	3	4	5
43. K. S. Mansuri . . . . .		Shop No. 1 Neel Shantiniketan Co.-op. Housing Society Ltd., C. S. Track Road, Manipada, Kalina, Santa Cruz, Bombay-400029.		
44. Rajram N. . . . .		" 2	Do.	
45. Tukaram R. Rane . . . . .		" 3	Do.	
46. Murji Walji . . . . .		" 4	Do.	
47. S.K. Shah . . . . .		" 5	Do.	
48. V. G. Sanghvi . . . . .		" 6	Do.	
49. Mary D'souza . . . . .	B Flat	" 2	Do.	
50. Mrs. Radha R. Panicker . . . . .		" 3	Do.	
51. M. D. Parlewala & B.M. Parlewala . . . . .		" 4	Do.	
52. Charanjitsingh Budhraj . . . . .		" 5	Do.	
53. Samson E. Killekar & Eliza Killekar . . . . .		" 6	Do.	
54. Paul H. Rodriyus & F. Rodriyus . . . . .		" 7	Do.	
55. Mrs. Usha R. Deshpande . . . . .		" 8	Do.	
56. Mrs. N.M. Lovedey . . . . .		" 10	Do.	
57. Mrs. Sarah R. Samson . . . . .		" 11	Do.	
58. P.T. Verkar . . . . .		" 12	Do.	
59. Surjan Singh Matharu . . . . .		" 13	Do.	
60. Babasingh Matharu . . . . .		" 14	Do.	
61. Soma S. Matharu . . . . .		" 15	Do.	
62. Mrs. A.J. Dass . . . . .		" 16	Do.	
63. Mohan C. Bhimani . . . . .	Shop No. 1		Do.	
64. H. Kooverji . . . . .		" 2	Do.	
65. Mrs. H. Kuverji . . . . .		" 3	Do.	
66. Vijendra Kumaria . . . . .		" 4	Do.	
67. Nicholas C. Fernandes . . . . .		" 5	Do.	
68. Franci D'Mello . . . . .	C Flat	" 1	Do.	
69. Maros Ramrao Naik . . . . .		" 2	Do.	
70. C. Oliver . . . . .		" 3	Do.	
71. Vasu Krishnan . . . . .		" 4	Do.	
72. J.G. Tharathil . . . . .		" 5	Do.	
73. Mrs. J.K. Kale . . . . .		" 6	Do.	
74. E.V.R. Nair . . . . .		" 7	Do.	
75. P.R. Nair . . . . .		" 8	Do.	
76. Anthony Saldhana . . . . .		" 9	Do.	
77. Mrs. M. Almaida . . . . .		" 10	Do.	
78. Mrs. C.P. Joshi . . . . .		" 11	Do.	
79. Mrs. C.C. Lewis . . . . .		" 12	Do.	
80. Malkan Augilar . . . . .		" 13	Do.	
81. Mrs. Gulshanbhas Chithiwala . . . . .		" 14	Do.	
82. P. D. Contractor . . . . .		" 15	Do.	
83. G. Philips . . . . .		" 16	Do.	
84. D. Dick . . . . .		" 17	Do.	
85. Mrs. D. Rebello . . . . .		" 18	Do.	
86. C.N.R. Iyer . . . . .		" 19	Do.	
87. Venkatram Swaminathan . . . . .		" 20	Do.	
88. M.D.'Costa . . . . .		" 21	Do.	
89. Mrs. Kaushalya Madan . . . . .		" 22	Do.	
90. V. Padmanabhan . . . . .		" 23	Do.	
91. C. Saldhana . . . . .		" 24	Do.	

(4) 1. Shri Lachmandas Sewaram,  
2. Shri Girdharilal Sewaram,  
3. Shri Bhairilal Sewaram and  
4. Shri Bhagwandas Sewaram,  
All partners of Shyam & Co.,  
79 Medows St, Fort, Bombay-400001.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of non-agricultural land hereditaments, premises, structures and buildings thereon situated at Village Kole Kalyan, Taluka Andheri, now in Greater Bombay Registration Sub-district of Bandra District Bombay Suburban and registered in the books of Collector of Land Revenue under Plot No. 1 of Survey No. 291 and Survey No. 292, Hissa No. 14 and containing by admeasurement 5565 sq. yds. or thereabouts (equivalent to 4562.90 sq. metres) and bounded as follows, that is to say,

On the North by Manipada Road Survey No. 292 part,  
On the South by Plot No. 2 of land bearing Survey No. 291, Hissa No. 1, Survey No. 292, Hissa No. 14,

On the East by Access Road and  
On the West by C.S.T. Road.

**G. A. JAMES**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Ardescer Cursetjee Pestonjee Wadia,  
2. Smt. Mary Curstejee Pestonjee Wadia,  
3. Shri Jehangir Ardescer Cursetjee Wadia,  
4. Smt. Rutty Cursetjee Pestoanjee Wadia,  
5. Sheroo Ahdaseer Cursetjee Wadia,  
70, Forbes Street, Bombay-400001.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Reshamsingh Pyarasinh and  
Shri Bachitarsingh Pyarasinh,  
5, P.D. Mello Road, Bombay-400039.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING  
5TH FLOOR, ROOM NO. 524  
NETAJI SUBHASH ROAD  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.213/75-76.—Whereas, I, Shri G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 126(Pt) C.T.S. No. 7517(Pt) situated at Kole Kalyan

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situated lying and being at Village Kole Kalyan, Taluka Andheri, in Greater Bombay in the Registration Sub-District Baadra, District Bombay Suburban bearing Survey No. 126 (Part) and C.T.S. No. 7517 (Part) of Village Kole Kalyan and admeasuring 7,824.12 Sq. metres i.e. 9359 sq. yds. or thereabouts and bounded as follows that is to say,  
On or towards the North by Survey No. 126 (Part)  
On or towards the South by Survey No. 172  
On or towards the West by Survey Nos. 158 (Part), 154 (Part) and Survey No. 126 (Part) and  
On or towards the East by Mahim River creek as Village Boundary.

G. A. JAMES  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gordhandas Amtharam Dalal,  
Ellisbridge, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narainbhai Dahyabhai Patel,  
Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-915(294)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 430, F.P. No. 343, Sub-Plot No. 1 situated at Vasna, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 715.80 sq. yards and bearing Final Plot No. 343, Sub-Plot No. 1, Survey No. 430 and situated at Vasna, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9-3-1976.  
Seal :

## FORM JTNS

(1) (1) Shri Jayeshkumar Jethalal, Minor,  
through natural guardian,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jethalal Mathuradas,  
Kashi Vishwanath Road, Jamnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-916(296)/10-1/75-76.—Whereas, I. J. KATHURIA,  
being the Competent Authority under-Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Revenue Survey No. 1522 paiki Plot No. 37 situated  
behind factory of Vilas Udyog Ltd., Patel Colony, Sheri No.  
9, Jamnagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Jamnagar on July, 1975,

for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
tion and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in  
respect of any income arising from the transfers  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-  
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or  
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons whichever period expires  
later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the Said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property bearing Revenue Survey No. 1522  
paiki, Plot No. 37, standing on land admeasuring 1578.11  
sq. ft. and situated behind factory of Vilas Udyog Ltd., Patel  
Colony, Sheri No. 9, Jamnagar.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said  
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

Date : 11-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Bharatkumar Jethalal, Minor,  
through natural guardian,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-917(297)/10-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Revenue Survey No. 1522 paiki Plot No. 33 situated behind factory of Vilas Udyog Ltd., Patel Colony, Sheri No. 9, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Jethalal Mathuradas,  
Kashi Vishwanath Road, Jamnagar.  
(2) Shri Mathuradas Amarsi,  
Kashi Vishwanath Road, Jamnagar.  
(Transferee)

(3) 1. Ahmed Ali Rajbhai,  
2. Ramgiri Sundergiri,  
3. Varand Ramniklal Virji.  
4. Keshavlal H. Patel.  
(Person in occupation of the property)

(4) 1. Shri Rajendra Gordhandas, Ranjit sagar Rd.,  
Jamnagar.  
2. Prabhudas Raghunath, Outside Nagar Naka,  
Khambalia, Distt. Jamnagar.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property bearing Revenue Survey No. 1522 paiki Plot No. 33, standing on land admeasuring 1578.11 sq. ft. and situated behind factory of Vilas Udyog Ltd., Patel Colony, Sheri No. 9, Jamnagar.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 11-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-918(298)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. T.P. S. No. 20, Final Plot No. 20, Sub-Plot No. 9 situated at Kochrab, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act following persons, namely :—

13—16GI/75

(1) (1) Shri Bhanuprasad Chandulal,  
(2) Shri Harnath Chandulal,  
(3) Shri Prafulchandra Chandulal,  
Navgharni Pole, Rangmahal Vadi, Baroda.  
(Transferor)

(2) (1) Smt. Pushpa Jayantilal Kamdar,  
(2) Shri Mahendra Jayantilal Kamdar,  
C-5, Ratna Apartment, Near Telephone Exchange, Navrangpura, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 589 sq. yards bearing T.P. S. No. 20, Final Plot No. 20, Sub-Plot No. 9, situated at Kochrab, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 11-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-919(299)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 479, Ward No. 12 situated at behind Telegraph Office, Rajkot, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Legal heirs of the deceased Phulchand Dahyabhai Parikh & Co-parceners of the H.U.F.
  - (1) Shri Narendrakumar Phulchandbhai Parikh,
  - (2) Smt. Kalindi Narendrakumarbhai Parikh,
  - (3) Shri Jogendra Narendrakumar Parikh,
  - (4) Shri Hemant Narendrakumar Parikh,
  - (5) Shri Arvind Narendrakumar Parikh,
  - (6) Shri Arun Narendrakumar Parikh,
  - (7) Smt. Kananben Narendrakumar Parikh.

Adarsh Society, Rajkot.

(Transferor)

2. (1) Shri Shailesh Jayendra Vankani (Minor) through natural guardian,
  - (2) Dr. Jayendra Keshavilal Bhai Vankani, 'Shiv Sadan', Jasdon, Distt. Rajkot.
- (Transferee)
3. (1) R. M. S. Superintendent Office.
  - (2) Asstt. Electrical Inspector,
  - (3) M/s. Suresh & Co.,
  - (4) Shri Babulal Pranshankar Vora,
  - (5) Shri Sudhir Pictures.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property bearing House No. 479, Ward No. 12, standing on land admeasuring 468 sq. yards and situated behind Telegraph office, Rajkot.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 11-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sharde Raje Gaekwar,  
 'Shangrila' Carmichael Road, Bombay-400 026.  
 (Transferor)

(2) Dr. V. Kurien,  
 Amul Dairy, Anand-388001.  
 (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
 HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1976

Ref. No. P.R. No. 297 Acq. 23-630/6-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 05-B of Jetalpur village situated at Shiv Mahal Farm, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 29-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A piece of non-agriculture land admeasuring 20,000 sq. ft. out of the total Non-agricultural land of S. No. 95B paiki of Jetalpur Village of Baroda, situated at Shiv Mahal Farm, near Race Course Circle, Baroda as fully described in the sale deed registered under No. 4297 of July, 1975 by registering Office, Baroda-II.

J. KATHURIA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 2nd March 1976

Ref. No. 321/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/C, 12/D, 12/1C & 12/1D situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Aulin Kumar Basu,  
P-27, Dum Dum Park, Calcutta.  
(Transferor)

2. (1) Smt. Promila Vora,  
(2) Sri Chimanlal Kamdar,  
both of 12/C, Sarat Bose Road, Calcutta.  
(3) Sri Pritamal Kundal  
(4) Sri Kundan L. Punwani,  
Both of 12/D, Sarat Bose Road, Calcutta.  
(Transferees)

3. (1) Sri Sureswar Mitra  
(2) Sri Basundro Lal  
(3) M/s. India Refrigerators  
(4) Bharat Pesterad Services  
(5) Shri Ram Bikash Rai  
(6) Sri Sunil Kr. Dutta  
(7) Sri Gobinda Shaw  
(8) M/s. Valune Electrical  
(9) M/s. Kalpana Engineering Co.  
(10) M/s. B. K. Engineering Co.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 3 Cottahs 8 Chittacks 3 sq. ft. together with a three storied brick built dwelling house at 12/C, 12/D, 12/1C & 12/1D, Sarat Bose Road, P.S. Ballygunge, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 2-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Runu Bose  
13, North Road, Calcutta-32.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 2nd March 1976

Ref. No. 322/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I. L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag 836, 858 & 859, situated at Mouza Arakpur, P. S. Jadavpore 24-Parganas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore 24-Parganas on 18-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Trustees of Lalitmohan Memorial Foundation, Office at 13, North Road, Calcutta-32.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in all the piece and parcel of marshy land measuring 1.68 acres of Dag Nos. 836, 858 & 859 situated at Mouza Arakpur, P. S. Jadavpore, 24-Parganas as per deed No. 1 6818 of 1975 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24-Parganas.

I, L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 2-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) (1) Smt. Jaswant Kaur  
 (2) Sri Mukit Singh  
 (3) Sri Tejendra Singh and  
 (4) Sri Nirmal Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Draupadi Debi Gupta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 4th March 1976

Ref. No. AC-49/Acq. R-V/Cal./75-76.—Whereas, I. S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 92, situated at C.I.T. Scheme No. VIM, P.S. Fulbagan, 24-Parganas,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sealdah, 24-Parganas on 23-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5 cottahs 15 chittaks 8 sq. ft. being plot No. 92 of surplus land in C.I.T. Scheme No. VIM comprised in holding No. 61B, Sub-Division-11, Division-3, Dihi 55 Gram, P.S. Fulbagan, Distt.-24-Parganas more particularly as per deed No. 1464 dated 23-7-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. S. INAMDAR,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 4-3-1976.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Ajoyendra Kumar Bose  
 (2) Shri Ajit Krishna Mitter and  
 (3) Smt. Sipra Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 4th March 1976

Ref. No. TR-77/C-78/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A situated at Royd Street, Calcutta and 53A, B, C, D, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 4-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) (1) Shri Ahmed Hossain  
 (2) Must. Daulat Unnessa  
 (3) Sk. Nasim Ali  
 (4) Sk. Sabir Ali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided  $\frac{1}{3}$ th share of premises No. 23A, Royd Street and 53A, B, C, D Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta together with land measuring one Bigha 2 Cottahs.

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-Tax  
 Acquisition Range-I  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-3-1976.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) (1) Shri Ajoyendra Kumar Bose  
 (2) Shri Ajit Krishna Mitter and  
 (3) Smt. Sipra Bose.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) SK. Anwar Ali  
 (2) Must. Hasina Khatoon  
 (3) SK. Hasib Hasan  
 (4) SK. Nurul Hasan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 4th March 1976

Ref. No. TR-79/C-80/CAL-1/75-76.—Whereas, I. S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 23A, situated at Royd Street, and 53A, B, C, D, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 4-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided  $\frac{1}{8}$ th share of premises No. 23A, Royd Street and 53A, B, C, D Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta together with land measuring one Bigha 2 Cottahs.

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax  
 Acquisition Range-I  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Ajoyendra Kumar Bose  
 (2) Shri Ajit Krishna Mitter and  
 (3) Smt. Sipra Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Sk. Anwar Ali  
 (2) Must. Hasina Khatoon  
 (3) Sk. Hasib Hasan  
 (4) Sk. Nurul Hasan  
 (5) Sk. Habib Hasan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 4th March 1976

Ref. No. TR-80/C-81/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 23A, situated at Royd Street, and 53A, B, C, D, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 4-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

14—16 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided  $\frac{1}{4}$ th share of premises No. 23A, Royd Street, and 53A, B, C, D Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta together with land measuring one Bigha 2 Cottahs.

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-Tax  
 Acquisition Range-I  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Susama Beed.

(Transferor)

(2) Dipali Hazra and Namita Hazra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-112/C-122/CAI-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 51/1 &amp; 51/2 situated at Nirmal Chandra Sen St., and 1, Chaitan Sen Lane Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 31-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/2 share of partly two and partly one storeyed building together with land of 4 Cottahs 15 Chittacks &amp; 19 sq. ft. at 51/1, 51/2 Nirmal Chandra Sen Street and 1, Chaitan Sen Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I

54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date : 4-3-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) 1. Kamala R. Advani  
 2. Kiron G. Advani  
 3. Sharli S. Advani  
 4. Parpati R. Advani  
 5. Kamal D. Advani  
 6. Jethi J. Advani  
 7. Puspa R. Advani  
 8. Saraswati R. Punwani  
 9. Lilan K. Punwani  
 10. Mohan P. Jhangiani.

(Transferor)

(2) Shri Shekhar Bhandari.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

Ref. No. TR-95/C-106/Bombay/75-76.—Whereas, I. S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2, (Flat No. 9A) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office No. 9A on Poonam building at 5/2, Russel Street, measuring 707 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-Tax  
 Acquisition Range-I  
 54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

Ref. No. TR-96/C-107/Bombay/75-76.—Whereas, I. S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Flat No. 5C) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) 1. Kamala R. Advani  
2. Sharli S. Advani  
3. Kamal D. Advani  
4. Parpati R. Advani  
5. Kiran G. Advani  
6. Jethi J. Advani  
7. Puspa R. Advani  
8. Lilan K. Punwani  
9. Saraswati R. Punwani  
10. Mohan P. Jhangiani.

(Transferor)

(2) Smt. Susmita Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5C in Poonam building at 5/2, Russel Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Kamala R. Advani  
 2. Kiron G. Advani  
 3. Sharli S. Advani  
 4. Parpati R. Advani  
 5. Kamal D. Advani  
 6. Jethi J. Advani  
 7. Puspa R. Advani  
 8. Saraswati R. Punwani  
 9. Lilan K. Punwani  
 10. Mohan P. Jhangiani

(Transferor)

(2) Shri N. D. Samtani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

Rcf. No. TR-97/C-92/Bombay/75-76.—Whereas, I, S.K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/2, (Flat No. 7A)  
situated at Russel Street, Calcutta,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 11-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 7A, on Poonam building at 5/2, Russel Street, Calcutta-16.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Seal :

Date : 5-3-1976.

## FORM ITNS—

- (1) 1. Kamala R. Advani
2. Sharli S. Advani
3. Kamal D. Advani
4. Parpati R. Advani
5. Kiran G. Advani
6. Jethi J. Advani
7. Puspa R. Advani
8. Lila K. Punwani
9. Saraswati R. Punwani
10. Mohan P. Jhangiani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

- (2) Rita Mulchandani & Debi Shahani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. TR-99/C-110/Bombay/75-76.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5/2 (Flat No. 2A)

situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 10-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2A (2nd floor) on 'Poonam building' at 5/2, Russel Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Kamala R. Advani  
 2. Sharli S. Advani  
 3. Kamal D. Advani  
 4. Parpati R. Advani  
 5. Kiran G. Advani  
 6. Jethi J. Advani  
 7. Puspa R. Advani  
 8. Lilan K. Punwani  
 9. Saraswati R. Punwani  
 10. Mohan P. Jhangiani.

(Transferor)

(2) (1) S. K. Swarup  
 (2) Usha Swarup  
 (3) Arun K. Swarup.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

Ref. No. TR-101/C-108/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Office No. 10B) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/

Flat No. 10B on "Poonam" Building at 5/2, Russel Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-Tax,  
 Acquisition Range-I  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-3-1976,  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Kamala Ramchand Advani  
 2. Sharli Sajan Advani  
 3. Kamal Daulat Advani  
 4. Parpati Ramchand Advani  
 5. Kiran Gul Advani  
 6. Jethi Jawaharlal Advani  
 7. Puspa Ramchand Advani  
 8. Lilan Kishan Punwani  
 9. Saraswati Ramchand Punwani  
 10. Mohan Parsram Jhangiani.

(Transferor)

(2) Usha Kumari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

Ref. No. TR-102/C-111/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2, (Flat No. 6C) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6C, (6th floor) on Poonam building at 5/2, Russel Street, Calcutta-16.

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-I  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

Ref. No. TR-103/C-93/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Flat No. 5B) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—16GL/76

- (1) 1. Kamala R. Advani
- 2. Sharli S. Advani
- 3. Kamal D. Advani
- 4. Parpati R. Advani
- 5. Kiron G. Advani
- 6. Jethi J. Advani
- 7. Puspa R. Advani
- 8. Lilan K. Punwani
- 9. Saraswati R. Punwani
- 10. Mohan P. Jhangiani.

(Transferor)

- (2) Pankaj Dilip (P) Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5B on 'Poonam' building at 5/2, Russel Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

Ref. No. TR-104/C-94/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

KATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 5/2 (Flat No. 5D)  
situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kamala R. Advani  
2. Kiron G. Advani  
3. Sharli S. Advani  
4. Parpati R. Advani  
5. Kamal D. Advani  
6. Jethi J. Advani  
7. Puspa R. Advani  
8. Saraswati R. Punwani  
9. Lilan K. Punwani  
10. Mohan P. Jhangiani.

(Transferor)

- (2) Susma Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5D on Poonam building at 5/2, Russel Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

Ref. No. TR-105/C-95/Bombay/75-76.—Whereas, I. S. K. CHAKRAVARTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Office No. 4D) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 11-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kamala R. Advani  
2. Sharli S. Advani  
3. Kamal D. Advani  
4. Parpati R. Advani  
5. Kiron G. Advani  
6. Jethi J. Advani  
7. Puspa R. Advani  
8. Lilan K. Punwani  
9. Saraswati R. Punwani  
10. Mohan P. Jhangiani.

(Transferor)

- (2) Chiranjilal Sreegopal Khaitan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 4D on Poonam building at 5/2, Russel Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

(1) 1. Kamala Ramchand Advani  
 2. Sharli Sajan Advani  
 3. Kamal Daulat Advani  
 4. Parpati Ramchand Advani  
 5. Kiron Gul Advani  
 6. Jethi Jawaharalal Advani  
 7. Puspa Ramchand Advani  
 8. Lilan Kishan Punwani  
 9. Saraswati Ramchand Advani  
 10. Mohan Parsram Jhangiani.

(Transferor)

(2) (1) Debi Shahani  
 (2) Rita Mulchandani.

(Transferee)

Ref. No. TR-106/C-96/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Flat No. 2A(1) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 2A (1) (2nd floor) on "Poonam" Building at 5/2 Russel Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

2. Tara Devi Bhatte

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1976

3. 1. Overseas Industrial Accessories
2. Sonijain Private Ltd.
3. R. K. Millen & Co. India (P) Ltd.
4. R. N. Trading
5. P. C. Patra
6. N. Das & Son Pr. Ltd.
7. Hudson Engg. Trading Co.
8. S. N. Banerjee
9. Sauwalmal Sadhani
10. A. S. Kapoor
11. Oriental India Agency
12. Goodman & Co. India Pr. Ltd.
13. Poddar Iron Industries
14. Hanuman Prasad Bejoy Kumar
15. Mr. Patra
16. Hindustan Bright Drawan Alloy Steel Co.
17. Ved Parkash Thapar & Sons.

[Persons in occupation of the property]

Ref. No. TR-119/C-115/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 (first floor), situated at Netaji Subhas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta of 17-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Sir Saroopchand Hukumchand Pvt. Ltd.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First floor of premises No. 38, Netaji Subbas Road, Calcutta measuring 5200 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date 5-3-76.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th March 1976

Ref. No. TR-98/C-91/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Flat No. 6D), situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Kamala Ramchand Advani  
2. Sharli Sajan Advani  
3. Kamal Daulat Advani  
4. Parpati Ramchand Advani  
5. Kiran Gul Advani  
6. Jethi Jawharmal Advani  
7. Puspa Ramchand Advani  
8. Lilan Kishan Punwani  
9. Saraswati Ramchand Punwani  
10. Mohan Parsram Jhangiani.

(Transferor)

- (2) Usha Kumari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 6D (6th floor) on 'Poonam Building' at 5/2 Russel Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-3-76.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th March 1976

Ref. No. TR-116/C-118/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 (3rd floor), situated at Netaji Subhas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Calcutta on 17-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sir Saroop Chand Hukumchand (Pvt.) Ltd. (Transferor)
- (2) Shri Motilal Bhatter. (Transferee)
- (3) Shri Sunderlal Hiralal. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Third floor of premises No. 38, Netaji Subhas Road, Calcutta, measuring 2740 Sq. ft. approximately.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-3-76.  
Seal :

## FORM ITNS

1. Sri Saroopchand Hukumchand Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

2. Chand Bai Bhalter

(Transferee)

1. M/s. Fakhruddin & Co.
2. M/s. J. Kantilal & Co.
3. A. S. Abdullabhoi & Co.
4. M/s. Daw & Brothers.
5. M/s. Dinanath Khandelwal
6. M/s. Sheam Sunder Poddar
7. Ramji Shaw.
8. B. K. Traders.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. TR-117/C-117/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 (Second floor), situated at Netaji Subhas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The ground floor of 38, Netaji Subhas Road, Calcutta, measuring 5200 Sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 6-3-76.

Seal :

## FORM ITNS

1. Sir Saroopchand Hukumchand Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th March 1976

Ref. No. TR-118/C-116/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 (Second floor), situated at Netaji Subhas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—  
16—16 GI/76

2. Suraj Debi Bhatter,

(Transferee)

3. 1. M/s. East India Commercial Co. (P) Ltd.

2. M/s. Industrial Agency.

3. M/s. S. Bose &amp; Co.

4. Asian Marketing Co., Ltd.

5. Mrs. Ratan Devi Bhala.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Second floor of premises No. 38, Netaji Subhas Road, Calcutta measuring 5200 Sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 6-3-76.

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Sir Saroop Chand Hukumchand (Pvt.) Ltd.  
(Transferor)  
(2) Shri Ratan Lal Bhatte.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th March 1976

Ref. No. TR-120/C-113/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38 (Fourth floor), situated at Netaji Subhas Road, Calcutta.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Fourth floor and roof with structure at 38, Netaji Subhas Road, Calcutta, measuring 730 Sq. ft. approximately.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date : 6-3-76.  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th March 1976

Ref. No. TR-107/C-97/Bombay/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5A, at 5/2, situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. 1. Kamala R. Advani
2. Kiron G. Advani
3. Sharli S. Advani
4. Parpati R. Advani
5. Kamal D. Advani
6. Jathi J. Advani
7. Kavita S. Kamlani
8. Saraswati R. Punwani
9. Lilan K. Punwani
10. Mohan P. Jangiani.

(Transferor)

All partners of Western Estate Corporation.

2. Mrs. Hna Jagpal Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office room No. 5A at 5/2 Russel street, Calcutta  
Floor space 707 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 8-3-76.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Veeramachaneni Venkataratnam, Hotel Annapurna, Hyderabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 4th March 1976

Ref. No. Acq. File No K.R. No. 106/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 20346 & 20348 situated at Vijayawada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Suryadevara Seetharamaiah, Kapileswarapuram Village, Gannavaram Taluk, Krishna Distt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 2562/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended on 31-7-75.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 4-3-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Kilaru Gopalaraao  
 Sri Kilaru Visweswara Rao  
 Sri Kilaru Madhusudana Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 4th March 1976

Ref. No. Acq. File No. 325 J. No. KR. 114&115/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 38-8-45 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Kilaru Vani and Anne Tulasamma.  
(Transferee)

(3) Sri N. P. Sivalingeswara Rao  
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The schedule property as per document nos. 2276/75 and 2277/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended on 15-7-75.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-3-76.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th March 1976

Ref. No. Acq. File No. J. No. KR.111/75-76.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 449. AC-1054 Cents situated at Gunadala Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Venkateswaraswamy Temples, Vijayawada  
Represented by Sri B. Dharma Reddy,  
Executive Officer.

(Transferor)

(2) Kanaka Durga Gazetted Officer's Co-operative House Building Society, Represented by C. S. R. L. V. Sarma, Bhavani Gardens, Labbipeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 2346/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended on 15-7-75.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 9-3-76

Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 27th March 1976

Ref. No. JAC/Acq.I/SRIII/July-I/873/(20)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. M-189, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on 8-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Rani Rajender Kaur w/o Shri Avtar Singh Monga, Shri Perminder Singh Monga and Shri Darmanjit Singh Monga, sons of Shri Avtar Singh Monga, r/o F-80, Bhagat Singh Market, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Inder Jit Singh s/o Shri Mansa Singh r/o H. No. 748, Gali No. 11, Sadar Bazar, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A freehold single storeyed house No. 189 in block M admeasuring 400 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation in the revenue estate of village Bahapur in the State of Delhi and bounded as under :

East	Service Lane
West	Road
North	House No. M-187
South	House No. M-191

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 27-3-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 19th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Sept.(30)/948/75-76.—Whereas, I. C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-121-A, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Kailash Chander Punioni; (2) Smt. Reena Puniani; (3) Smt. Krishna Kaur; (4) Smt. Janak Dilari, all r/o 46/3, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land being No. 121-A, Block No. 'W', measuring 1838 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at Village Bahapur, in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. W-121  
 South : Other's Land  
 East : Road  
 West : Service Lane

C. V. GUPTE,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I,  
 Delhi/New Delhi

Date 19-3-1976.  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Ram Lal son of Shri Punnu Lal, r/o F-15, Kalkaji,  
New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Promila wife of Shri Raghunath, r/o Qr. No. E-170, Kalkaji, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 19th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/968/Oct.-I(4)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-36-B, Kalkaji, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27th of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All rights, titles and interests in respect of Qr. No. C/36-B, (measuring 200 sq. yds.) three sides open, situated at Kalkaji, New Delhi.

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri N. H. Ambwani s/o Sh. Hari Ram Ambwani, r/o E-29, Amar Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 19th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.III/July/384(20)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Govt. built property No. 372, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

(2) Smt. Geeta P. Bhatia w/o Sh. Purshotam S. Bhatia and Sh. Purshotam S. Bhatia s/o Sh. Sobhraj Bhatia r/o 283, D. S. New Rajinder Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A lease-hold Govt. built property No. 372, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi, with the lease-hold rights of the land under the said property measuring 123.66 sq. yds. and bounded as under :—

East : G.B.P. (Government built property)  
West : G.B.P. (Government built property)  
North : Service Lane  
South : Road

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Date : 19-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Chander Rana s/o Sh. Narain Singh, r/o Village Qadipur, Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 17th March 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/July/970(27)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land mg. 28 bighas and 16 biswas, situated at Village Qadipur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 22-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Om Parkash, Ram Narain and Rajinder Kumar ss/o Sh. Dharam Singh, r/o Village Qadipur, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land measuring 28 bighas and 16 biswas comprising Khasra Nos. 1159 (4-16), 1160 (4-16), 1167 (4-16), 1168 (4-16), 1169 (4-16) and 1170 (4-16) situated at Village Qadipur, Delhi.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Date : 17-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Shri Nand Lal s/o Shri Prithvi Chand r/o 3/71, Ramesh Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Mahajan s/o Sh. Trilok Chand Mahajan, r/o Kathi No. 9, Row No. 10, East Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 17th March 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/July/339(1)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 78 situated at Desh Bandhu Gupta Market, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A lease-hold No. 78, area 267 sq. ft. situated at Desh Bandhu Gupta Market, Karol Bagh, New Delhi.

S. C. PARIJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Parma Nand s/o Sh. Topan Dass, r/o B-49, Jangpura, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nand Lal s/o Sh. Prithvi Chand, r/o 3/71, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 17th March 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/July/343(6)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 48 situated at Desh Bandhu Gupta Market, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 5-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A lease-hold shop No. 48, area 267 sq. ft. situated at Desh Bandhu Gupta Market, Karol Bagh, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIJA,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kamla d/o L. Shri Ram Saran Dass, t/o 27, Curzon Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sahdev Singh s/o Sh. Dayal Singh, r/o Kothi No. 18 Road No. 5, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1144/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Plot No. 3 Road 27A situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 280 sq. yds. situated at Plot No. 3 Road No. 27A Punjabi Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. 1  
South : Plot No. 5  
East : Road No. 27A  
West : Service Lane

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 24-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kamla d/o L. Shri Ram Saran Dass, r/o 27, Curzon Road, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Sahdev Singh s/o Sh. Dayal Singh, r/o Kothi No. 18 Road No. 5, Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1143/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 1/2 share of Plot No. 3 Road 27A situated at Punjabi Bagh, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 280 sq. yds. situated at Plot No. 3 Road No. 27A Punjabi Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. 1  
South : Plot No. 5  
East : Road No. 27A  
West : Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 24-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-1(110001), the 24th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1142/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of 86 situated at East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Parduman Singh s/o Sh. Sujan Singh, r/o 4-C/7 Rohtak Road, New Delhi through his General power of Attorney Smt. Tej Kaur w/o L. Sujan Singh, r/o 4-C/7, Rohtak Road, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal and Shri Ram Parkash both sons of Sh. Darghai Ram r/o 86, East Avenue Road, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of 24 storeyed building constructed on a plot of land measuring 379.96 sq. yds. bearing No. 86 situated at East Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi and bounded as under:—

North : East Avenue Road  
South : Service Lane  
East : Plot No. 84  
West : Road No. 13

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 24-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gangji Devji

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vinajaya Traders

(Transferee)

(3) M/s. Michigan Engineers Pvt. Ltd.  
(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.V/364/21/75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 27 (Pt.) and 85 (Pt) situated at Village Tungwa, Powai (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being in the Village Tungwa, Powai, South Salsette, Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban admeasuring about 4216 square yards equivalent to 3535.50 sq. mtrs or thereabouts bearing Survey Nos. 27(Part) and 85(Part) and bounded as follows, that is to say, on or towards the East by a 25 feet wide road and beyond by land bearing Survey No. 27 (Part) and Survey No. 85(Part) on or towards the North by a 44 feet wide road and beyond by Survey No. 85 (Part).

## THE SCHEDULE

J. M. MEHRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
Ayurvedik College Building,  
Netaji Subhash Road, Bombay-400002.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—16 GI/76

Date: 12-3-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Pratp Singh Shoorji Vallabhadas  
(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR.V/(365/22)/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 96 H. No. 1 (Pt) & S. No. 96B(Pt) situated at Vikhroli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Chandrakant Damji Shah  
2. Vasantlal Damji Shah  
3. Dineshchandra Khetsey  
4. Ratilal Damji Shah  
5. Meghbai Damji Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel or land or ground situate lying and being at Lal Bahadur Shastri Marg, (formerly Bombay Agra Road), Vikhroli, Bombay-83 in the Revenue Village of Hariali, Taluka Kurla and bearing no city survey number formerly in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay, Suburban now in the Registration Sub-Distt, and Distt. of Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay containing by admeasurement 6600 square yards or thereabouts (equivalent to 5517.60 square metres or thereabouts) bearing sub-divided plot No. 2 of the sanctioned lay-out of land bearing Survey No. 96, Hissa No. 1, (Part) and Survey No. 96-B (part) which said piece or parcel of land or ground is bounded as follows:

that is to say on or towards the East by Lal Bahadur Shastri Marg (Formerly known as Bombay Agra Road),  
On or towards the West by land belonging to Godrej bearing survey No. 1-12 (part)  
On or towards the South by plot No. 1 in survey No. 96, Hissa No. 1 (part) and Survey No. 96-B (part) leased to Diamond Silicate and  
On or towards the North by plot No. 3 in Survey No. 97 (Part) Survey No. 96 Hissa No. 1 (part).

J. M. MEHRA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 12-3-76

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) Shri Shanta Meghji Shah.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-V,  
 AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,  
 5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION  
 BOMBAY-2

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR.V/(367/24)/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 231 and C.T.S. No. 5797 situated at Mouze Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s. K. K. Patel &amp; Sons.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

At that piece or parcel of land bearing Final Plot No. 231 of and situated in the Town Planning Scheme Ghatkopar No. III (Final) and C.T.S. No. 5797 Mouze Ghatkopar Kurla Taluka in Registration Sub-District Bandra of Bombay Suburban District and containing by admeasurement 749 square yards equivalent to 626 square metres or thereabouts and bounded as follows :

that is to say on or towards the North by proposed 30 ft. Scheme Road.  
 On or towards the West by proposed Scheme Road.  
 On or towards the South by Final Plot No. 230 belonging to the Vendor and  
 On or towards the East by Final Plot No. 242B.

J. M. MEHRA  
 Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-V,  
 Ayurvedic Hospital Building, 5th Floor,  
 Near Charni Road Station, Bombay-2.

Date : 12-3-76

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri P. P. Balan  
3. Shri V. H. Narayan

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. New Nitya Mangal Co-op. Hsg. Soc Ltd.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-2

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR.V/368/25/75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 91, S. No. 249, H. No. 2 (Part) situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or Parcel of land or ground situate lying and being at Ghatkopar, bearing Plot No. 91 of Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar, bearing S. No. 249 H. No. 2 City Survey No. 195 in the Registration Sub District and District Bombay City and Suburb and bounded as follows :—

that is to say on or towards the North by Plot No. 90 of Garodia Nagar Scheme,  
On or towards the South by Plot No. 92 of Garodia Nagar Scheme,  
On or towards the East by 44' wide road and  
On or towards the West partly by Plot No. 88 and partly by Plot No. 89 of the said Garodia Nagar Scheme.

J. M. MEHRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
Ayurvedik College Building  
Near Charni Road Station,  
Netaji Subhash Road, Bombay-2.

Date : 12-3-76  
Seal :

## FORM ITNS

(1) The Trustees of Bharat Kalyan Fund, Calcutta.

1. Miss Suruti Saraf
2. Miss Suruti Saraf
3. Miss Rita Tibrewal
4. Miss Deepa Tibrewal
5. M/s. Exclito Industries Pvt. Ltd.
6. Pradeep Kumar S. Jethlal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-V,  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR.V/370/371/372/373/375/449/450/75.—  
27 28 29 30 32 33 34

Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bomay on 24-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s. Modella Woollens Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown admeasuring 7555 sq. ft. on plots of land bearing Nos. 53 54, 59 & 66, situated lying and being Village Nahur Near Mulund in Greater Bombay.

J. M. MEHRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
Ayurvedik College Building,  
Netaji Subhash Road, Bombay-400002.

Date : 12-3-76

Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR.V/377/34/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1, S. No. 94, H. No. 1 situated at Wadhwali, Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 30-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Swarnalal Harsai Obhan & Others :—  
1. Shri Swarnalal Harsai Obhan.  
2. Shri Monmohanlal Harsai Obhan.  
3. Shri Rameshkumar Harsai Obhan, Minor through his father and guardian Shri Harsai Hardas Obhan.  
4. Shri Devkumar Morchand Obhan.  
5. Shri Ashok Kumar Morchand Obhan.  
6. Shri Vijay Kumar Morchand Obhan.  
7. Shri Nand Kumar Doduram Obhan.  
8. Shri Narender Kumar Doduram Obhan.  
9. Smt. Mayadevi wd/o Doduram Obhan.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land (Agricultural) or grounds situated at Wadhwali in Greater Bombay bearing Plot No. 1, on the plan hereto annexed and admeasuring 1010 sq. yards or about 844 sq. metres or thereabouts together with the area of 127 sq. yards or 105 sq. metres forming part of S. No. 94, Hissa No. 1, Survey No. 85, Hissa No. 3, in the Sub-District Bombay City and Bombay Suburban, bearing No. City Survey Number and bounded as follows:—

North : Property bearing S. No. 94, Hissa No. 1 and S. No. 94, Hissa No. 2 and Survey No. 85, Hissa No. 3.

South : Public Passage.

East : Proposed Road and beyond that Plot No. 9 bearing S. No. 94, Hissa No. 1.

West : Property bearing S. No. 85, Hissa No. 3.

J. M. MEHRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-V,  
Ayurvedik College Building,  
Netaji Subhash Road, Bombay-400002.

Date : 12-3-76

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,  
NETAJI SUBASH ROAD, BOMBAY-2  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 4th March 1976

Ref. No. AR-II/2018/3517/75-76.—Whereas, I. J. M. MATHAN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 37 H. No. 4(pt) situated at Juhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-7-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mamoon Badruddin Lukmani and Smt. Jameela Mommon Lukmani. (Transferor)
- (2) Yashdhir Hotels Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) — (Person in occupation of the property)

- (4) 1. Shri Dipchand Mohanlal Shah  
2. Smt. Chandralata Pravin Shah  
3. Smt. Neeraja Ashok Shah  
4. Shri Umesh Dipchand Shah  
5. Shri Ranchordas Agarwal  
6. Shri Sureshchandra Agarwal  
7. Shri Subash Agarwal  
8. Shri Shekhar Agarwal  
9. Uma Praful Shah  
10. Dinesh Praful Shah  
11. Praful Mohanlal Shah.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

## 1st :

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Juhu, Greater Bombay in the Registration Sub-District Bandra Registration District Bombay Suburban containing by admeasuring 596 square yards or thereabouts (equivalent to 498 square metres) and bearing Survey No. 37 (Plot No. 3) Hissa No. 4(part) and bounded on the North by the property of Govindram Brothers (now Horizon Hotel) on the South by land bearing Survey No. 37 Hissa No. 4 (part) belonging to Mrs. Jameela M. Lukmani and more particularly described in the 2nd Schedule hereunder written, on the East by land bearing Survey No. 37 Hissa No. 5A leased to the Purchasers and on the West by the remaining property to Mr. M. B. Lukmani.

## 2nd :

All that piece or parcel of land or ground situate being and being at Juhu, Greater Bombay in the Registration Sub-District Bandra, Registration District Bombay Suburban containing by admeasurement 596 square yards or thereabouts (equivalent to 498 square metres) and bearing survey No. 37 (Plot No. 3) Hissa No. 4 (part) and bounded on the North by the property of Mr. M. B. Lukmani and more particularly described in the 1st Schedule hereinabove written, on the South by a strip of land 8' wide belonging jointly to Mr. & Mrs. M. B. Lukmani and more particularly described in the 3rd Schedule hereunder written and beyond that by the property of Jamnalal Sons Pvt. Ltd. on the East by land bearing Survey No. 37 Hissa No. 5A leased to the purchasers and on the west partly by the remaining property of the Vendor. Mrs. I. M. Lukmani and partly by the property of Bhor Industries Pvt. Ltd.

## 3rd :

All that piece or parcel of land being a strip 6 ft. wide situate and lying at Juhu, Greater Bombay in the Registration Sub-District Bandra, Registration District Bombay Suburban containing by admeasurement 60 square yards or thereabouts (equivalent to 50 square metres) and bearing survey No. 37 (Plot No. 3/1 Hissa No. 4 (Part) and bounded on the North by the property described in the Second Schedule hereinabove written on the South by the property of Jamnalal Sons Pvt. Ltd. on the East by land bearing Survey No. 37 Hissa No. 5A leased to the Purchaser and on the West by the property of Messrs. Bhor Industries Pvt. Ltd.

J. M. MEHRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Smt. K.G.M.P. Ayurvedic Hospital Building,  
Netaji Subash Road, Bombay-2.

Date : 4-3-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hatimbhai Abasbhai Arsiwalla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
SMT. K.G.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING  
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION  
CHARNI ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 9th March 1976

Ref. No. ARI/1212-1/July 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1018 Byculla Division situated at Maulana Shakatali Grant Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Asgarali Adamali  
2. Salebhai Adamali  
3. Rubabhai Ademalli,

(Transferee)

(3) Tenant  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Government land or ground of which a portion is Sanadi land with the measuges tenant and bldgs. standing thereon and known as Imperial Bldg No. I situate lying and being at Maulana Shaukat Ali Road formerly known as (Grant Road) in the Registration Sub-Dist. of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 979 sq. yds. equivalent to 818-54 sq. Meters of thereabouts and bearing collectors New No. 11171, A1/9808, A1/9809 and A/9808 A9809 & Laughton's survey No. 5671, 3/5675 and bearing C.S. 1018/Byculla Division and bounded as follows: that is to say, on or towards the North by the property bearing C.S. No. 1920 on or towards the South by Maulana Shaukat Ali Road, (Grant Rd) on or towards the East by property bearing C.S. 1019 and on or towards the West by property bearing C.C. No. 1017 and which property is assessed by the Assessor and Collector of Taxes Bombay under Ward-E-23 Street Nos. 142-146 Maulana Shaukat Ali Road.

V. R. AMIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Smt. K.G.M.P. Ayurved Hospital Building,  
5th Floor, Near Charni Road Station,  
Charni Road, Bombay-400002.

Date : 9-3-1976

Seal :

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION**  
**COMBINED LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE**  
**EXAMINATION, 1976**

New Delhi, the 10th April 1976

No. F.9/8/75-E.I.(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade I of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 7th September, 1976 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 10th April, 1976.

**THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION. (See Annexure II, para 9).**

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

**Category I**

Section Officers' Grade of the Central 100\*  
 Secretariat Service.

**Category II**

Section Officers' Grade (Integrated Grade II & III) of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B'. 5\*

**Category III**

Section Officers' Grade of the Railway Board Secretariat Service 2

**Category IV**

Grade I of the Central Secretariat Stenographers' Service. 50\*

**Category V**

Grade I of the Stenographers' Sub-cadre of the Indian Foreign Service Branch 'B'. 6 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates).

**Category VI**

Grade I of the Armed Forces Headquarters' Stenographers' Service. 12 (Includes 4 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

The above number is liable to alteration.

\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

3. A candidate who is eligible for two Categories of Services (cf. Rule 3) and wishes to compete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.

**N.B** Candidates must indicate clearly in their applications the Category/Categories for which they are competing. Candidates competing for two Categories should specify in their applications the two Categories in the order of preference.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

**NOTE.—**Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1976. Applications on forms other than the one prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1976 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 24th May, 1976 (7th June, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 24th May, 1976) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

6. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

**APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.**

7. If any candidate who took the Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination 1975/I.F.S. 'B' Limited Departmental Competitive Examination, 1975/Section Officers' Grade (Railway Board) Limited Departmental Competitive Examination, 1975, wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1975 Examination. If this name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1975 Examination, his candidature for this Examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 3 of Annexure I provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office on or before 30th June, 1976 or within a fortnight from the date of announcement of the final results of 1975 Examination, whichever is later.

**8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.**

**M. S. PRUTHI**  
 Dy. Secy.  
 Union Public Service Commission

**ANNEXURE I**

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 7 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

## ANNEXURE II

### Instructions to candidates

I. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the notice. *Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

*A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.*

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

NOTE.—Candidates are allowed the option to answer question papers in certain subjects in English or in Hindi (Devanagari) *vide* paragraphs 4 and 5 of the Appendix to the Rules for the Examination. Candidates should clearly specify in column 8 of the Application Form the name of the language in which they wish to answer those question papers. The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained. If no entry is made in the said column, it will be assumed that the papers will be answered in English.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep, from a date prior to 24th May, 1976.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm  $\times$  7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iv) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5, below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iv) AND (v) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR EVALUATION OF RECORD OF SERVICE OR FOR SHORTHAND TEST, AS THE CASE MAY BE, ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF FEBRUARY, 1977. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iii) are given below and of those in items (iv) and (v) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission—Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of date of birth.

(iii) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size 5 cm. x 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a

certificate; and if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri\*/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of Village/town\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*;

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*;

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, The Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri\*/Shrimati/Kumari \_\_\_\_\_ and\*/or his\*/her family ordinarily reside(s) in village\*/town \_\_\_\_\_ of District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State\*/Union Territory of \_\_\_\_\_

Signature .....

\*\*Designation .....  
(with seal of office)

Place.....State\*/Union Territory

Date .....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (1) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under item (ii) or item (iii) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971:

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under item (iv) or item (v) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under item (vii) or item (viii) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or a copy of a certificate from the district Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Rule 3(b) should submit along

with his application an attested/certified copy of a certificate from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October, 1962. The copy of the certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed forces.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania who is an Indian repatriate from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under item (vi) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under item (ix) or item (x) of Rule 3(c) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidates.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature .....

Designation .....

\*Strike out whichever is not applicable.

6. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

7. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

8. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

9. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

10. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations held before 1975 for the C.S.S. Section Officer's Grade Limited Department Competitive Examination are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110006) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payments. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Clock, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001); (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and office of the Union Public Service Com-

mission, Dholpur House, New Delhi (110011) and (iii) Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

11. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

12. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOPLUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

*N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.*

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED. IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

